हरिभूमि

जबलपुर

रविवार 11 जनवरी 2026

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

हर एक संकल्प को पूरा करती मोहन सरकार

कृषि वर्ष-2026 में समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश के लक्ष्य को पूरा करेगी साकार

- *तीन साल का लक्ष्य निर्धारित कर गतिविधियां की जाएंगी संचालित*
- *कृषि क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार, डिजिटल व्यवस्था सुनिश्चित कर प्रदेश के उत्पादों की राष्ट्रीय और वैश्विक उपस्थिति की जाएगी सुनिश्चित*

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा लिए गये निर्णय अनुसार वर्ष-2026 को प्रदेश में कृषि वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। प्रदेश में विविध जलवायु जोन, पर्याप्त सिंचाई सुविधा, बेहतर रोड नेटवर्क उपलब्ध है। इसका लाभ लेकर किसानों की आय में वृद्धि और कृषि क्षेत्र में रोजगार सृजन के उद्देश्य आधारित गतिविधियां संचालित कर प्रदेश में समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश के लक्ष्य को साकार किया जाएगा।

कृषि वर्ष-2026 में आरंभ की जा रही सभी गतिविधियां तीन साल का लक्ष्य निर्धारित कर संचालित की जाएंगी। किसानों की आय में वृद्धि और रोजगार सृजन के लिए कृषि यंत्रीकरण, कृषकों के क्षमता विकास के लिए प्रशिक्षण और भ्रमण कार्यक्रम, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना, उद्यानिकी विस्तार, एफपीओ निर्माण आधारित गतिविधियों को प्रमुखता दी जाएगी। इसके साथ ही सस्ती ब्याज दरों पर ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए माइक्रो इरीगेशन, बेहतर बाजार नेटवर्क, किसानों को उनके उत्पाद का वाजिब मूल्य दिलवाने, पशुपालन तथा मछली पालन जैसी गतिविधियों के लिए कृषकों को प्रेरित करने जैसे प्रयास किए जाएंगे। कृषि वर्ष में जलवायु के अनुकूल कृषि प्रबंधन, सस्टेनेबल एग्रीकल्चर, श्रीअन्न उत्पादन के प्रोत्साहन और जैव विविधता तथा परम्परागत कृषि ज्ञान के संरक्षण और प्राकृतिक और जैविक खेती के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। कृषि क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार, डिजिटल व्यवस्था सुनिश्चित कर उनकी राष्ट्रीय और वैश्विक उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी।

किसानों को कृषि में उन्नत राज्यों और देशों की यात्रा करायेंगे : कृषि वर्ष में कृषि तथा संबद्ध क्षेत्रों में अन्य राज्यों में हो रहे सफल नवाचारों की जानकारी से किसानों को रू-ब-रू कराई जाएगी। इसके साथ ही किसानों को कृषि में उन्नत राज्यों और इजराइल तथा ब्राजील जैसे कृषि के क्षेत्र में नवाचार करने वाले देशों की यात्रा करायें। समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए किसान कल्याण, सहकारिता, पशुपालन एवं डेयरी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजस्व, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण, ऊर्जा, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, मछुआ कल्याण और मत्स्य विकास तथा सिंचाई विभाग परस्पर समन्वय से कार्य करेंगे।

प्रदेश के सभी जिलों में फूलों की खेती को करेंगे प्रोत्साहित

भोपाल में होने वाले गुलाब महोत्सव को पुष्प महोत्सव के रूप में आयोजित किया जाए। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों में उत्पादित होने वाले अन्य फूलों को भी शामिल किया जाएगा तथा सभी जिलों में फूलों की खेती को प्रोत्साहित किया जाएगा। वर्ष-2028 का इंटरनेशनल रोज कॉम्पीटिशनर भोपाल में होना प्रस्तावित है। सिंहस्थ : 2028 को देखते हुए उज्जैन जिले के 100 एकड़ क्षेत्र में फूलों की खेती को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रदेश में पराली निष्पादन के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। एफपीओ को दुग्ध उत्पादन गतिविधियों से भी जोड़ा जाएगा।

प्रदेश के कृषि उत्पादों की राष्ट्रीय बाजारों में बढ़ेगी भागीदारी

कृषि वर्ष में मंडियों के आधुनिकीकरण के लिए भी गतिविधियां संचालित की जाएंगी। वर्ष 2025-26 में 20, वर्ष 2026-27 में 19 और वर्ष 2027-28 में 42 मंडियों को eNAM मंडियों के रूप में विकसित करने का लक्ष्य है। उल्लेखनीय है कि eNAM या राष्ट्रीय कृषि बाजार भारत में कृषि वस्तुओं के लिए एक ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म है। मंडियों के आधुनिकीकरण से साफ, ग्रेडेड और पैक्ड उपज के कारण उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार होगा और प्रदेश के कृषि उत्पादों की राष्ट्रीय बाजारों में भागीदारी में बढ़ोत्तरी होगी। इससे किसानों को बेहतर एवं प्रतिस्पर्धी मूल्य प्राप्त होंगे तथा किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित की जा सकेगी। मंडियों में पारदर्शी नीलामी, अनियमितताओं की रोकथाम, पुराने प्रांगणों को व्यवस्थित करने, अतिक्रमण से संभावित क्षति को रोकने और नवाचार करते हुए दक्षता संवर्धन के प्रयास किए जाएंगे। कृषि अवसंरचना निधि (एआईएफ) योजना में भारत सरकार के सहयोग से प्रदेश में फसलोत्तर प्रबंधन, अवसंरचनाओं और कृषि परिसंपत्तियों के निर्माण औरविगकास के लिए भी गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

किसान एवं कृषि से जुड़े उद्यामियों को देंगे नई दिशा और अवसर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2026 किसानों के कल्याण का साल है। इस दौरान हमारा पूरा फोकस किसानों पर ही रहेगा। इस साल हम कृषि आधारित उद्योगों के विकास पर विशेष ध्यान देंगे, जिससे

किसानों और कृषि से जुड़े उद्यमियों को नई दिशा और अवसर मिलेंगे। गेहूं की खरीदी पर हम किसानों को 175 रुपये प्रति क्विंटल बोनस दे रहे हैं। हम किसानों की आय बढ़ायेंगे। किसानों को अन्नदाता से ऊर्जादाता बनायेंगे। इसके लिए प्रदेश के 32 लाख किसानों को सोलर पम्प उपलब्ध करायेंगे। हर साल 10 लाख किसानों को सोलर पम्प दिए जाएंगे। इससे उन्हें बिजली बिल से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाएगी। किसान खुद बिजली उत्पन्न करके खेतों में सिंचाई, छोटा-मोटा व्यवसाय और निजी उपभोग भी कर सकेंगे। साथ ही सरप्लस बिजली बेचकर अतिरिक्त आयार्जन भी वे कर सकेंगे। राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रभावी कदम उठा रही है।

किसान-कल्याण सर्वोपरि : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों के कल्याण के लिए हमने किसानों को प्राकृतिक आपदा से फसलों को हुए नुकसान के लिए लगभग 3 हजार करोड़ की राशि बांटी है। भावांतर योजना से प्रदेश के 6.50 लाख किसानों को 1300 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं। पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना (पीकेसी) के लिए हमारी सरकार ने राजस्थान के साथ सालों पुराने विवाद को खत्म किया। इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार ने 70 हजार करोड़ रुपए दिए। प्रदेश में अब तीन नदी जोड़ो अभियान पर कार्य निरंतर जारी है। केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से बुंदेलखंड के 13 जिले के किसान लाभान्वित होंगे। मां नर्मदा के आशीर्वाद से मालवा-निमाड़ को पहले ही सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल रहा है।

सोयाबीन किसानों का सुरक्षा कवच : भावांतर योजना

- *प्रदेश के 6.25 लाख किसानों को 1300 करोड़ भावांतर राशि का भुगतान*

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भावांतर, केवल एक योजना नहीं किसानों के प्रति सरकार का श्रद्धाभाव है। भावांतर की राशि किसानों के अधिकार की राशि है। यह राशि किसानों की समृद्धि के प्रति सरकार के संकल्प का प्रतीक है। किसानों के कल्याण के लिए हम कभी भी पीछे नहीं रहेंगे। नए वर्ष 2026 को हमने अन्नदाताओं के कल्याण को ही समर्पित किया है। इस वर्ष हम कृषि उत्सव मनाएंगे। किसान भाइयों की समृद्धि का उल्लास मनाएंगे। आधुनिक तरीके से खेती, कृषि विस्तार सेवाएं और नई-नई तकनीकों को हम गांव-गांव तक पहुंचाएंगे, जिससे किसान भाई अपनी खेती-किसानी को और बेहतर बनाने के लिए सही समय पर सही निर्णय ले सकें। अन्नदाताओं के कल्याण को ही समर्पित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार अबतक प्रदेश के 6.25 लाख से अधिक सोयाबीन उत्पादक किसानों को करीब 1300 करोड़ रुपए की भावांतर राशि का भुगतान कर चुकी है। भावांतर योजना प्रदेश के किसानों का सुरक्षा कवच बन गई है।

प्रदेश की सिंचाई क्षमता 100 लाख हैक्टयर तक बढ़ाएंगे

प्रदेश में दो वर्ष में 7.31 लाख हैक्टेयर सिंचाई क्षेत्र का विस्तार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में गत दो वर्ष में 7.31 लाख हैक्टयर क्षेत्र में नई सिंचाई क्षमता विकसित हुई है। प्रदेश की सिंचाई क्षमता में वर्ष 2026 तक 8.44 लाख हैक्टयर की वृद्धि होगी। प्रदेश में सिंचाई क्षेत्र 100 लाख हैक्टेयर तक ले जाने का लक्ष्य लेकर कार्य किया जा रहा है। प्रदेश की सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा प्रधानमंत्री गतिशक्ति पोर्टल का प्रयोग कर की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पार्वती-काली-सिंध और चम्बल अंतर्राज्यीय लिंक परियोजना, केन-बेतवा अंतर्राज्यीय लिंक परियोजना की स्वीकृति और केंद्र सरकार के सहयोग को राज्य की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए राज्य में भी विभिन्न नदियों को जोड़ने के लिए नदी जोड़ो परियोजना के क्रियान्वयन के निर्देश दिए। राज्य में नदी जोड़ो परियोजना अंतर्गत उज्जैन जिले में

कान्ह-गंभीर, मंदसौर, नीमच और उज्जैन में कालीसिंध-चंबल, सतना जिले में केन और मंदाकिनी, सिवनी एवं छिंदवाड़ा जिले में शक्कर पेंच और दूधी तामिया, रायसेन जिले में जामनेर नेवन और नेवन-बीना नदियों का सर्वेक्षण किया गया है। इस सभी के क्रियान्वयन से कुल 5 लाख 97 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की जा सकेगी। इनकी अनुमानित लागत 9870 करोड़ रुपए होगी। सात जिलों के हजारों किसान इन योजनाओं से लाभान्वित होंगे।

राज्य की नदियों में बाढ़, जल प्रबंधन, जल के समुचित उपयोग नदी कछारों में पर्याप्त जल की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने के उद्देश्य से राज्य की नदियों को आपस में जोड़ने के लिए तकनीकी दल का गठन 13 नवम्बर 2024 को किया गया था । मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल की झील की प्राचीन तकनीक का अध्ययन कर इस तर्ज पर कम लागत में सुरक्षित जलाशय एवं बांध निर्माण की अवधारणा पर कार्य करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के इस मॉडल का प्रदर्शन करने के निर्देश भी विभाग को दिए।

राज्य में जल संसाधन और नर्मदा घाटी विकास विभाग द्वारा सिंचाई सुविधाओं के विस्तार का कार्य निरंतर किया जा रहा है। सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना उज्जैन जिसकी लागत 614.53 करोड़ रुपए है। इसकी भौतिक प्रगति 48 प्रतिशत है। इसी तरह कान्ह डायवर्सन क्लोज डक्ट परियोजना उज्जैन की लागत 919.94 करोड़ है। इस परियोजना की भौतिक प्रगति 42 प्रतिशत है। सिंहस्थः 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाट निर्माण एवं संबद्ध कार्य किए जा रहे हैं, जिनकी लागत 778.91 करोड़ है।

कार्यक्रम का समय और स्थान
जंबूरी मैदान, भोपाल

समयः मुख्य कार्यक्रम दोपहर 12:30 बजे से शुरू होगा।

मुख्य आकर्षणः मुख्यमंत्री दोपहर 12 बजे कोकता बायपास पर 1101 ट्रैक्टरों की मेगा रैली और कृषि रथ को हरी झंडी (फ्लैग ऑफ) दिखाकर रवाना करेंगे।

कार्यक्रम की मुख्य बातें

कृषि वर्ष 2026 का शुभारंभः मुख्यमंत्री आधिकारिक तौर पर इस साल को किसानों के कल्याण के लिए समर्पित 'कृषि वर्ष' घोषित करेंगे।

किसानों की भागीदारी : इस सम्मेलन में प्रदेश भर से लगभग 30,000 किसानों के जुटने की उम्मीद है।

भावी योजनाएं: सीएम किसानों को आने वाले तीन सालों के रोडमैप के बारे में बताएंगे, जिसमें कृषि यंत्रीकरण, खाद्य प्रसंस्करण, और निर्यात को बढ़ावा देने जैसी गतिविधियों पर जोर दिया जाएगा।

मप्र के अन्नदाता अब बनेंगे ऊर्जादाता, किसान करेंगे सूरज से खेती

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किसानों के हित में किये जा रहे अनेक कल्याणकारी कार्यों से प्रदेश में अन्न उत्पादन में लगातार वृद्धि हो रही है। किसानों को खेती के लिये खाद बीज की सहज उपलब्धता के साथ सिंचाई के संसाधन भी उपलब्ध कराये जा रहे है। इसी दिशा में एक कदम और आगे बढ़ाते हुए प्रदेश में 52 हजार किसानों के खेत में सोलर पंप स्थापित करने की योजना प्रारंभ की गई है। सोलर पंप स्थापित हो जाने से अब प्रदेश का किसान अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता भी बनेगा। अब प्रदेश के किसान सूरज से खेती करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस अभिनव पहल के तहत 34 हजार 600 इकाइयों को लेटर ऑफ अवार्ड जारी कर 33 हजार कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं। किसान के खेत में सोलर पम्प स्थापित होने से अब उन्हें विद्युत प्रदाय पर बिजली बिल का भुगतान नहीं करना पड़ेगा। बिजली बिल पर व्यय होने वाली यह राशि अब उनके पास बचत के रूप में रहेगी। इसके अतिरिक्त सोलर पम्प से उत्पादित अतिरिक्त ऊर्जा को किसान सरकार को बेच कर अतिरिक्त आय भी अर्जित कर सकेंगे। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग द्वारा लगातार किसानों को सोलर प्रोजेक्ट लगाने के लिए विभिन्न योजनाओं में लाभ प्रदान कर सक्षम बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में निरंतर उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए 52 हजार किसानों के खेतों में सोलर पम्प लगाने का अभिनव नवाचार किया है।

सोलर पंप के द्वारा निर्मित ऊर्जा के दैनिक उपयोग के बाद उत्पार्दित अतिरिक्तत ऊर्जा के वैकल्पिक उपयोग के लिये भी किसानों को विकल्प दिया जा रहा है। इसका उपयोग नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देश अनुसार किया जा सकेगा। समान क्षमता के यू.एस.पी.सी. युक्त पंपों पर बिना यू.एस.पी.सी. (सामान्यग कन्ट्रो लर) के सोलर पंप पर देय अनुदान ही लागू होगा। स्थापित सोलर पम्पोंत के, 5 वर्ष तक रख-रखाव की जिम्मेरदारी, संबंधित स्थापनाकर्ता इकाई की है।

प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना: प्रदेश में प्रधानमंत्री कुसुम (प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान) योजना के द्वारा किसानों के लिये ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। केन्द्र सरकार की इस योजना को प्रदेश में प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजनाह के नाम से संचालित किया जा रहा है। इसमें (कुसुम-ब) कृषकों के यहां ऑफ ग्रिड सोलर पम्पों की स्थाापना की जाती है। योजना में किसानों को 1 एच.पी. से 7.5 एच.पी. तक क्षमता के पम्प पर 90 प्रतिशत सब्सिडी (अनुदान) दिये जाने का प्रावधान किया गया है। इसमें सभी बर्ग को समान सब्सिडी (अनुदान) प्रदान की जाती है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया स्वच्छ जल अभियान का आगाज

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रांत व्यापी स्वच्छ जल अभियान का आगाज हुआ। यह अभियान शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में एक साथ शुरू किया गया है। अभियान में नगरीय निकायों एवं पंचायत जनप्रतिनिधियों के साथ पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन, स्वास्थ्य और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के राज्य एवं जिला स्तर के अधिकारी भी अभियान का हिस्सा बनाए गए हैं। अभियान का मुख्य उद्देश्य सभी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल गुणवत्ता का व्यापक परीक्षण करना है।

साथ ही जल आपूर्ति प्रणाली में लीकेज, दूषित जल की पहचान कर समय पर सुधार करना, जिससे जल-जनित बीमारियों से बचाव हो सके। स्वच्छ जल के लिए नागरिकों को प्रोत्साहित और जांच प्रक्रिया में सहभागिता के लिए जागरूक करना, जिससे आमजन स्वयं ही पानी की गुणवत्ता पर ध्यान दें और समय रहते प्रशासन को अवगत करा सकें।

D- 16140/25

नई दिल्ली में 53वें विश्व पुस्तक मेले का प्रधान ने किया उद्घाटन

टैंबोरिन बजाकर की कार्यक्रम की शुरुआत, भारत को बताया दुनिया का एक प्रतिष्ठित व भरोसेमंद तीसरा बड़ा प्रकाशन केंद्र

भारत मंडपम में 53वें नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2026 की शुरुआत

रीडिंग कल्चर को बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता

'पढ़ोगे, तो नेतृत्व करोगे' का किया उल्लेख

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत मंडपम में 53वें नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2026 का भव्य उद्घाटन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने किया। उद्घाटन समारोह के दौरान उन्होंने टैम्बोरिन बजाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि पिछले 53 वर्षों से लगातार आयोजित हो रहा दिल्ली पुस्तक मेला आज प्रकाशन जगत का एक प्रतिष्ठित और भरोसेमंद मंच बन चुका है।

यह देश की बौद्धिक -सांस्कृतिक शक्ति का प्रतीक

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान

उन्होंने बताया कि आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा प्रकाशन और पुस्तक व्यापार केंद्र बनकर उभरा है, जो देश की बौद्धिक और सांस्कृतिक शक्ति को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पीएम मोदी हमेशा कहते हैं, पढ़ोगे, तो नेतृत्व करोगे। सरकार देश में पढ़ने की संस्कृति को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि रीडिंग कल्चर को बढ़ाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

चाबिल साईं के बलिदान पर आधारित पुस्तक प्रकाशित

प्रधान ने बताया कि 19वीं सदी की शुरुआत में ओडिशा के संबलपुर में अंग्रेजों के खिलाफ हुए एक बड़े संघर्ष में वीर सुरेंद्र साईं के भाई चाबिल साईं ने कुडोपाली में अपने प्राणों की आहुति दी थी। इस बलिदान की कहानी अब एक पुस्तक के रूप में प्रकाशित की गई है, जिसका अनुवाद कई विदेशी भाषाओं में किया गया है।

ई-लाइब्रेरी से 23 भाषाओं में 6,000 मुफ्त ई-बुक्स होंगी

डिजिटल युग पर बात करते हुए प्रधान ने कहा कि आज सरकार का लक्ष्य ज्ञान को सुलभ और समावेशी बनाना है, जहां भाषा बाधा नहीं बल्कि सेतु बने। इसी सोच के तहत राष्ट्रीय ई-लाइब्रेरी जैसी पहलें डिजिटल इंडिया के विजन को साकार कर रही हैं। उन्होंने बताया कि इन प्लेटफॉर्म्स पर 23 से अधिक भाषाओं में 6,000 से ज्यादा मुफ्त ई-बुक्स उपलब्ध होंगी, जिनमें टेक्स्ट-टू-स्पीच जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

'वंदे मातरम' को बताया भारत के जन्म का सांस्कृतिक उत्सव

कार्यक्रम में उन्होंने 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ऑल इंडिया रेडियो पर ओंकारनाथ ठाकुर द्वारा गाया गया वंदे मातरम केवल एक संगीत प्रस्तुति नहीं थी, बल्कि स्वतंत्र भारत के जन्म का सांस्कृतिक उत्सव था। इस ऐतिहासिक विरासत को आज दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में प्रदर्शित किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

चंडीगढ़ में 'आप' के जेजे ने छोड़ी पार्टी

चंडीगढ़। यहां आम आदमी पार्टी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दो दिन पहले येंकी कालिया के इस्तीफा देने

के बाद शनिवार को जेजे सिंह ने भी आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। सिंह आम आदमी पार्टी के शिकायत निवारण कमेटी के चेयरमैन थे। जेजे सिंह ने बताया कि आप में अब कुछ भी नहीं रह गया है। यह पार्टी नेतृत्व विहीन हो गई है। पार्टी में दम घुट रहा था।

टकराने के बाद हवा में उछली कार, हानि नहीं

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक कार सवार अचानक

अनियंत्रित होकर एक दुकान में जा घुसा। गनीमत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। हादसे के समय कार चालक नशे में था, जिस वजह से यह हादसा हो गया। कार सवार बाईं मुड़ने की जगह सीधे आता है और डिवाजर से टकराकर हवा में उछलता है।

बेकाबू ऑडी कार ने ली 1 की जान

जयपुर। यहां के मानसरोवर इलाके में शुक्रवार की रात तेज रफ्तार कार कहर बनकर टूटी।

पत्रकार कॉलोनी के पास दो कारों की कथित रेसिंग में एक शख्स की जान चली गई। एक बेकाबू ऑडी कार ने सड़क किनारे खड़े ठेलों और लोगों को कुचल दिया। इस दर्दनाक हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

दक्षिण 24 परगना में धमाका, 4 घायल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में शनिवार को एक पटाखा बनाने की फैक्टरी

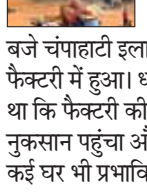

में जोरदार धमाका हो गया। इस हादसे में 4लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह विस्फोट दोपहर करीब 1 बजे चंपाहाटी इलाके में स्थित फैक्टरी में हुआ। धमाका इतना तेज था कि फैक्टरी की इमारत को भारी नुकसान पहुंचा और आसपास के कई घर भी प्रभावित हुए।

बृजभूषण शरण अचानक मुंह के बल गिर पड़े

गोंडा। भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह मंच पर अचानक मुंह के बल गिर गए और

गुलाटी खा गए। इस दौरान पास में खड़े सुरक्षाकर्मी उन्हें बचाने की कोशिश करते रह गए लेकिन उन्हें गिरने से रोक नहीं पाए। थोड़ी देर के लिए सुरक्षाकर्मियों के साथ-साथ हर कोई हक्का-बक्का रह गया लेकिन गिरने के तुरंत बाद बृजभूषण शरण सिंह उठे और मुस्कुराने लगे।

कोलकाता के आई- पैक मामले में बढ़ी रार, बंगाल सीएम ने किया पलटवार

डायरेक्टर जैन के ठिकानों पर छापेमारी बनी वजह

ईडी ने सुप्रीम कोर्ट का खटखटाया दरवाजा, ममता ने कैविएट दायर की

ईडी ने कहा- ममता ने रेड के दौरान अधिकारियों से छीने सबूत, बाधा डाली

बंगाल के बवाल पर अब दिल्ली में सवाल

ममता बोलीं- राज्य सरकार का पक्ष सुने बिना कोई आदेश न दें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार कोआई- पैक मामले में देश के सर्वोच्च न्यायलय में याचिका दाखिल कर दी है। ई डी ने सुप्रीम कोर्ट में दर्ज याचिका में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी पर एजेंसी की कार्रवाई में दखल देने का आरोप लगाया है. एजेंसी ने याचिका में कहा कि कोलकाता में आई- पैक के डायरेक्टर प्रतीक जैन के ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई के दौरान मुख्यमंत्री ममता ने ईडी के अधिकारियों से जरूरी फाइलें, हार्ड डिस्क और मोबाइल फोन छीन लिए थे। ईडी ने इस मामले में शुक्रवार को पहले कोलकाता हाई कोर्ट में भी याचिका दाखिल की थी, जिस पर बुधवार को सुनवाई होगी। ईडी ने अदालत का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया था कि उसकी जांच में जान-बूझकर बाधा बैदा की गई ताकि काम प्रभावित हो। ईडी की ओर से दायर याचिका में मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की गई। साथ ही, एजेंसी ने अदालत में आवेदन दाखिल कर इस संबंध में केस दर्ज करने की भी अनुमति मांगी।

कैविएट इसलिए ताकि एकतरफा आदेश न हो

सुप्रीम कोर्ट

दूसरी तरफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के साथ जारी खींचतान के बीच पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट में कैविएट एप्लीकेशन दाखिल कर दी है। कैविएट दाखिल कर पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से स्पष्ट रूप से आग्रह किया है कि अगर इस मामले में कोई भी याचिका या अपील दायर की जाती है, तो राज्य सरकार का पक्ष सुने बिना कोई आदेश पारित न किया जाए। सरकार के इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अदालत किसी भी एकतरफा आदेश से पहले संबंधित पक्ष को सुनवाई का पूरा अवसर दे।

यह है पूरा मामला?

दरअसल, ईडी ने गुरुवार को कोयला घोटाला मामले को लेकर राजनीतिक कंसलटेंसी फर्म आई-पैक के डायरेक्टर प्रतीक जैन के आवास और ऑफिस पर छापेमारी की थी। ईडी की कार्रवाई के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य प्रशासन और पुलिस के सीनियर अधिकारियों के साथ प्रतीक जैन के घर और फिर ऑफिस पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने कथित तौर पर कुछ फाइलें और इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज निकालकर अपनी गाड़ी में रखवाए थे।

सिब्बल बोले

विपक्ष को डराने का औजार बनी एजेंसी

पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्रवाई को

लेकर राज्य से लेकर देशभर की राजनीति में गरमाहट तेज है। इसी बीच इस कार्रवाई को लेकर राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि चुनाव आते ही जांच एजेंसियों को अचानक दस्तावेजों की याद आ जाती है और इसका मकसद सिर्फ विपक्षी नेताओं को परेशान करना होता है। सिब्बल ने पश्चिम बंगाल में ईडी की कार्रवाई का मामला उठाया।

कोयला घोटाला आरोप पर ममता को भेजा कानूनी नोटिस, 72 घंटे में सबूत दें

विपक्ष के नेता सुवेंदु ने की कार्रवाई

पश्चिम बंगाल की सियासत एक बार फिर उबाल पर है। इस बार मुद्दा है कोयला घोटाला, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई और मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी के गंभीर आरोप। राज्य के नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने ममता को कानूनी नोटिस भेजकर सीधा चुनौती दे दी है कि वे 72 घंटे के भीतर अपने दावों के सबूत पेश करें, वरना उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया जाएगा। यह पूरा विवाद उस बयान से भड़का है जिसमें ममता ने दावा किया था कि कोयला घोटाले का पैसा सुवेंदु अधिकारी के जरिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तक पहुंचाया जाता है। 8 जनवरी को कोलकाता में आई- पैक कार्यालय पर ईडी की छापेमारी के विरोध में ममता एक रैली को संबोधित कर रही थीं।

राजस्थान दौरे पर गृह मंत्री शाह

माहेश्वरी समाज की महासभा में दिखी श्रद्धा-सांस्कृतिक एकता

- 27 देशों से यहां प्रतिनिधि आए
- 40 हजार माहेश्वरी समाजबंधु पहुंचे
- 12 विशाल डोम बनाए गए
- 750 स्टॉल्स लगाए गए

3 दिवसीय माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन

एजेंसी ▶▶ जोधपुर

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह राजस्थान दौरे के दूसरे दिन जोधपुर और जयपुर में अहम कार्यक्रमों में शिरकत की। शनिवार को शाह जोधपुर के पॉलिटेक्निक कॉलेज मैदान में माहेश्वरी समाज के ग्लोबल महाकुंभ में जनसभा को संबोधित किया। शाह शुक्रवार देर रात ही जोधपुर पहुंचे। उनके साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी मौजूद रहे। राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टि से यह दौरा अहम माना जा रहा है। एयरफोर्स स्टेशन से शाह सीधे बीएसएफ कैंप स्थित ऑफिसर्स मेस पहुंचे, जहां उन्होंने रात्रि विश्राम किया। यहांएक विशाल ग्लोबल एक्सपो भी लगाया गया है, जिसमें करीब 750 स्टॉल्स लगाए गए हैं। इन स्टॉल्स में उद्योग, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक और सामाजिक नवाचार से जुड़ी जानकारियां प्रदर्शित की जा रही हैं। देश-विदेश से आए समाजबंधु यहां आपसी संवाद किए।

माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन का उद्घाटन शुक्रवार को हुआ था। शनिवार को केंद्रीय गृहमंत्री शाह सम्मेलन की मुख्य जनसभा को संबोधित किया, जिसे लेकर समाज के लोगों में खासा उत्साह दिखा। इस सम्मेलन में भारत सहित दुनिया के 27 देशों से करीब 40 हजार माहेश्वरी समाजबंधु हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम के लिए कॉलेज परिसर में लगभग 250 बीघा क्षेत्र में एक अस्थायी शहर बसाया गया है। यहां देश के 12 ज्योतिर्लिंगों के नाम पर 12 विशाल डोम बनाए गए हैं, जो श्रद्धा और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बने हुए हैं।

पुलिस कॉन्स्टेबलों को 10 हजार नियुक्ति पत्र देंगे

जयपुर स्थित राजस्थान पुलिस अकादमी में वे राज्य के 10 हजार नव चयनित पुलिस कॉन्स्टेबलों को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे। यह कार्यक्रम राज्य सरकार की भर्ती प्रक्रिया और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और पुलिस प्रशासन के आला अफसर भी मौजूद रहेंगे। नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को लेकर अभ्यर्थियों और उनके परिवारों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

मलयालम भाषा विधेयक पर सियासी रार

सीएम ने नए कानून को बताया समावेशी और अधिकारों का रक्षक, सभी आशंकाएं निरर्थक

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

केरल के मलयालम भाषा विधेयक 2025 को लेकर कर्नाटक समेत कई जगहों पर विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है यह कानून दूसरी भाषाओं पर जबरन मलयालम थोपेगा। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने सभी दावों को खारिज करते हुए कहा,जो आशंकाएं जताई जा रही हैं, वे तथ्यों पर आधारित नहीं हैं। विधानसभा द्वारा पारित यह कानून पूरी तरह समावेशी है और इसमें भाषाई अल्पसंख्यकों के अधिकारों की विशेष सुरक्षा की गई है।

संवैधानिक मूल्यों को पूरी मजबूती मिलेगी

केरल की प्रगति हमेशा समानता, भाईचारे की रही

एक्स पर पोस्ट में विजयन ने कहा कि केरल की प्रगति हमेशा समानता, भाईचारे और समग्र विकास पर आधारित रही है। राज्य सरकार धर्मनिरपेक्षता और बहुलतावाद जैसे संवैधानिक मूल्यों को पूरी मजबूती से बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

कन्नड़ और तमिल भाषी समुदायों का हित सुरक्षित रहेगा

विजयन ने स्पष्ट किया कि मलयालम भाषा विधेयक में एक साफ और मजबूत प्रावधान (धारा 7) शामिल है, जो भाषाई अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करता है। कन्नड़ और तमिल भाषी समुदायों के हितों को सुरक्षित रखा गया है।

यंग लीडर्स डायलॉग में मांडविया ने की जमकर तारीफ

युवाओं को बनाना होगा विकसित भारत का राही, देश आगे बढ़ रहा,अब नहीं रुकने वाला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

'भारत मंडपम' में 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' कार्यक्रम आयोजित हुआ। शनिवार को केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया, केंद्रीय राज्य मंत्री रक्षा खडसे और एनएसए अजीत डोभाल ने दीप प्रज्वलित कर इसकी शुरुआत की। उद्घाटन भाषण में मांडविया ने कहा कि 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' के लिए क्विज प्रतियोगिता में 50 लाख से ज्यादा युवाओं ने हिस्सा लिया है। 3 लाख युवाओं ने 'विकसित भारत' के लिए निबंध लिखे। 30 हजार युवा चुनकर आए, जिन्हें स्टेट चैंपियनशिप में स्टेट लेवल पर प्रेजेंटेशन के लिए बुलाया गया। 3 हजार युवा 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' का हिस्सा हैं।

क्विज में 50 लाख युवा शामिल हुए

3 लाख युवाओं ने विकसित भारत पर निबंध लिखे

युवाओं को बताया देश का भविष्य

मांडविया ने 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' में शामिल 3 हजार युवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आप जैसे युवा देश का भविष्य हैं। 'विकसित भारत' के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने आप पर भरोसा किया है।

मांडविया ने भारत को युवा देश बताया

प्रधानमंत्री के 5संकल्पों को दोहराते हुए मांडविया ने कहा कि जैसे सरकार के प्रति हमारी अपेक्षा होती है, उसी तरह देश के प्रति हर नागरिक का कर्तव्य होता है। हमें 'विकसित भारत' का राही अपने देश के युवाओं को बनाना है। उन्होंने कहा कि भारत युवा देश है। हम ऐसे दौर से गुजर रहे हैं, जहां भारत को कोई भी आगे बढ़ने से नहीं रोक सकता है।

पीएम ने युवाओं से संवाद को लेकर उत्सुकता जताई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' में देश के युवाओं से संवाद करेंगे। शनिवार को उन्होंने कहा कि वे 'लीडर्स डायलॉग' में देशभर के अपने युवा साथियों से संवाद को लेकर बेहद उत्सुक हैं।

मीरा भायंदर में भाजपा ने जारी किया घोषणापत्र

लिंक और कोस्टल रोड करेंगे पूरा, मुफ्त मेट्रो-बस सुविधा देंगे

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और विधायक नरेंद्र मेहता ने मीरा भायंदर नगर निगम चुनाव के लिए भाजपा का घोषणापत्र जारी किया। 15 जनवरी को होने वाले इन चुनावों के लिए पार्टी ने 'मीरा-भायंदर के विकास का संकल्प' लिया है। इसमें शहर को आधुनिक और सुरक्षित बनाने के लिए एक विस्तृत रोडमैप पेश किया गया है।

सड़क मेट्रो और पानी जैसे लुभावने वादे किए

100 से ज्यादा नई कंक्रीट सड़कें बनाएंगे

पार्टी ने किए विकास के वादे

महायुति के दो सहयोगी भाजपा और शिवसेना नगर निकाय पर नियंत्रण पाने की दौड़ में हैं। घोषणापत्र में 'ट्रिपल इंजन' सरकार पर जोर दिया गया है, ताकि केंद्र और राज्य की सत्ता का लाभ स्थानीय विकास में मिल सके। पार्टी ने शहर को गड्ढों से मुक्त करने के लिए 100 से ज्यादा नई कंक्रीट सड़कें बनाने का वादा किया है। इसके अलावा, मेट्रो रेल, दहिसर-भायंदर लिंक रोड और जेसल पार्क-घोड़बंदर कोस्टल रोड को पूरा करने की बात कही गई है।

24 घंटे होगी जलापूर्ति, बनाएंगे सिविल अस्पताल

पानी की समस्या सुलझाने के लिए सूर्य परियोजना और 75 एमएलडी की नई योजना के जरिए 24 घंटे जलापूर्ति का भरोसा दिलाया गया है। पार्टी ने कहा कि वह नगर निकाय में सत्ता में आती है, तो वह एक नया 300 बेड का सिविल अस्पताल स्थापित करेगी।

पुणे घोषणापत्र के मुख्य वादे

निःशुल्क मेट्रो और बस सेवाएं: पुणे के सभी नागरिकों को निःशुल्क मेट्रो और पीएमपीएमएल बस यात्रा मिलेगी, जिससे दैनिक आवागमन सुरक्षित, किफायती और आसान हो जाएगा। सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देने और निजी वाहनों पर निर्भरता कम करने के लिए अंतिम-मील कनेक्टिविटी और फीडर बस सेवाओं में सुधार करेंगे।

जल आपूर्ति एवं प्रबंधन: सभी 41 वार्डों में नलों के माध्यम से रोजाना हाई प्रेशर वाला जल आपूर्ति , निर्धारित समय सारणी का सख्ती से पालन किया जाएगा। टैंकर माफिया पर कड़ी कार्रवाई होगी। जीरो रिसाव जल नेटवर्क की सुविधा होगी।

ओवैसी के बयान पर कांग्रेस के मसूद बोले

हिजाब पहनने वाली लड़की बनेगी पीएम, वे दिन में तारे देख रहे

एजेंसी ▶▶ सहारनपुर

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने शनिवार को एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के उस बयान पर

प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने कहा था कि एक दिन हिजाब पहनने वाली लड़की प्रधानमंत्री बनेगी। ओवैसी के इस बयान को मसूद ने दिन में तारे देखने जैसी बात बताई है। ओवैसी ने महाराष्ट्र की एक रैली में यह बयान दिया था, जिसके बाद भाजपा, कांग्रेस से लेकर तमाम दलों के नेताओं ने रिएक्ट किया। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा, वे ऐसी बातें कर रहे हैं जो नामुमकिन हैं, यह दिन में तारे देखने जैसा है। वे नामुमकिन बात कर रहे हैं। लोकतंत्र में सभी को अधिकार हैं। हिजाब पहनना या न पहनना एक निजी मामला है। ओवैसी ने कहा था कि एक दिन हिजाब पहनने वाली बेटी भारत की प्रधानमंत्री बनेगी, जो भारतीय संविधान की समावेशिता को दिखाता है। ओवैसी ने कहा, पाकिस्तान के संविधान में ऐसी समावेशिता नहीं है, जो दूसरे धर्मों के लोगों को बड़े पदों पर बैठने से रोकता है।

जबलपुर
रविवार, 11 जनवरी 2026
माघ मास कृष्ण पक्ष-08
वर्ष : 20, अंक : 253
पृष्ठ : 2+6+6=14 मूल्य : 3.00 *

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

मौसम
अधि. 25
न्यून. 11

रैली मिसरोद, सलैया, फंदा ब्लॉक, बैरसिया रोड, रातीबड़ और नीलबड़ से गुजरेगी

1101 ट्रैक्टरों की निकलेगी रैली, इसमें करीब '30 हजार' किसान होंगे शामिल

आज दोपहर 12 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कोकता आरटीओ दफ्तर से इस रैली को हरी झंडी दिखाएंगे, मुख्य आयोजन जंबूरी मैदान में होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में रविवार को जंबूरी मैदान पर एक बड़ा किसान सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। मोहन सरकार ने वर्ष-2026 को किसानों के नाम करने का फैसला लिया है। जिसके तहत जनवरी से लेकर दिसंबर तक किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए कार्यक्रमों का वार्षिक कैलेंडर तैयार किया है। प्रदेश के अलग-अलग में किसानों से जुड़े कार्यक्रम किए जाएंगे।

फाइल फोटो

- जनवरी में कृषि कौशल सम्मेलन नवंबर में होगा गन्ना महोत्सव
- किसानों की आमदनी बढ़ाने सरकार ने बनाया 3 साल का रोडमैप
- जून में कृषि निर्यात कार्यशाला अक्टूबर में होगा सब्जी महोत्सव

कब-कहां होंगे कार्यक्रम?

कृषि वर्ष के तहत जनवरी में नर्मदापुरम में कृषि कौशल सम्मेलन, मंदसौर में सोयाबीन भावांतर विस्तार और भोपाल में गुलाब महोत्सव होगा। फरवरी में डिंडोरी-मंडला में कोदा कुटकी मिलेट मेला, भोपाल, जबलपुर, उज्जैन में एग्री प्रोसेसिंग और सहकारिता सम्मेलन, मार्च में भोपाल में प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, ग्वालियर में दुग्ध उत्पादन सम्मेलन, इंदौर में पशुपालन कार्यक्रम, अप्रैल में जबलपुर में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग समागम, मई में सिवनी में धान महोत्सव, इंदौर-जबलपुर में पोल्ट्री उद्योग सम्मेलन, जून में भोपाल में आम महोत्सव, सागर में सोया महोत्सव, ब्राजील भ्रमण सहित अन्य कार्यक्रमों को तैयार किया है।

अयोध्या : राम मंदिर की सुरक्षा में सेंध

सीता रसोई के पास ही नमाज पढ़ रहा था शख्स हिरासत में लिया गया

आरोपी अहमद शेख कश्मीर के शोपियां का रहने वाला

आरोपी के कब्जे से कुछ ड्राई फ्रूट्स और 2700 रु. मिले

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

अयोध्या में राम मंदिर की सुरक्षा में सेंध लगने का मामला सामने आया है। शनिवार सुबह एक विशेष समुदाय के शख्स ने राम मंदिर परिसर में सीता रसोई के पास नमाज पढ़ने की कोशिश की। रोके जाने पर शख्स ने एक संप्रदाय विशेष के नारे लगाए। मौके पर मौजूद सुरक्षा बलों ने शख्स को हिरासत में लिया है। शख्स राम मंदिर के गेट डी1 से घुसा था। सुरक्षा एजेंसियां आरोपी से पूछताछ कर रही हैं।

अहमद शेख

नॉन-वेज खाने की डिलीवरी व शराब पर रोक

वहीं, अयोध्या प्रशासन ने राम मंदिर के 15 किलोमीटर के दायरे में नॉन-वेज खाने की डिलीवरी पर रोक लगा दी है। यह इलाका पांच कोसी परिक्रमा क्षेत्र में आता है। अयोध्या शहर के होटलों और होमस्टे को भी चेतावनी जारी की गई है, जो कथित तौर पर अपने मेहमानों को नॉन-वेज खाना और शराब परोस रहे थे।

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

सीएम बोले- छात्रा की पढ़ाई में मदद करेंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सीधी में थे। इसी दौरान छात्रा अनामिका बैगा उनसे मिलने के लिए पहुंच गई। वहां मौजूद मीडिया के सामने उसने रोते-बिलखते कहा -मैं बैगा आदिवासी हूं, मुझे डॉक्टर बनना है। पापा के पास पैसा नहीं है। सीएम तक वीडियो पहुंचा उन्होंने कहा मदद करेंगे।

नूर होंगे भारत में अफगान के प्रमुख

नई दिल्ली। तालिबान के वरिष्ठ सदस्य मुफ्ती नूर अहमद नूर भारत की राजधानी नई दिल्ली पहुंचे हैं। अधिकारियों की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, नूर अफगानिस्तान दूतावास में चार्ज डी'अफेयर्स (सीडीए) का पद संभालेंगे। इससे पहले नूर अहमद अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय में रह चुके हैं।

हैक एंड मेक आज से, सीएम करेंगे सम्मानित

भोपाल। भोपाल में 'हैक एंड मेक' 2026 का आयोजन भोपाल के जहांनुमा पैलेस होटल में 11-12 जनवरी को किया जाएगा। इस मौके पर सीएम डॉ.मोहन यादव प्रतिभाओं को सम्मानित करेंगे। भारत की पहली राज्य-स्तरीय ट्राई-ट्रैक नवाचार एवं नए व्यापारिक समाधान होंगे।

रूस के तेल का दिया विकल्प : अमेरिका कंट्रोल्ड नियमों के तहत यह बिक्री होगी

ट्रंप भारत को वेनेजुएला का तेल बेचने को तैयार, इस पर बात जारी

कम से कम 100 अरब डॉलर खर्च करेगी कंपनी

ट्रंप ने यह भी साफ कर दिया कि अब वेनेजुएला के तेल पर वेनेजुएला का कोई हक नहीं रह गया है। उन्होंने कहा कि तेल कंपनियां सीधे अमेरिका से डील करेंगी, वेनेजुएला से नहीं। उन्होंने कहा कि वह तय करेंगे कि कौन सी तेल कंपनियां वेनेजुएला जाएंगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि व्हाइट हाउस ने संकेत दिया है कि वो अमेरिका कंट्रोल्ड नियमों के तहत भारत को वेनेजुएला से तेल खरीदने की अनुमति देने के लिए तैयार हैं, जिससे अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ठप पड़े व्यापार के फिर से शुरू होने की संभावना बढ़ गई है।

जब पूछा गया कि क्या अमेरिका वेनेजुएला की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए भारत को वेनेजुएला से कच्चे तेल की खरीद फिर से शुरू करने की अनुमति देने के लिए तैयार है, तो जवाब स्पष्ट था। प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया हां, साथ ही इस बात पर जोर दिया कि इस पर अभी काम चल रहा है। अमेरिकी ऊर्जा सचिव क्रिस्टोफर राइट की हालिया टिप्पणियों का अधिकारी ने जिक्र किया, जिसमें कहा गया था कि वॉशिंगटन लगभग सभी देशों को वेनेजुएला का तेल बेचने के लिए तैयार होगा।

अमेरिकी बैन से पहले भारत वेनेजुएला के सबसे बड़े तेल ग्राहकों में एक था

फाइल फोटो

दुनिया भर के देशों को कुल 5 करोड़ बैरल तेल बेचेगा

- *वेनेजुएला से अब तक अमेरिका को 3 करोड़ बैरल तेल मिला था*
- *दावा : भारत को एनर्जी इंपोर्ट में विविधता लाने में मदद मिल सकेगी*

भारत भारी मात्रा में कच्चे तेल की खरीद करता था

अमेरिकी बैन से पहले भारत वेनेजुएला के सबसे बड़े तेल ग्राहकों में एक था, जो उसकी जटिल रिफाइनरियों को चलाने के लिए भारी मात्रा में कच्चे तेल की खरीद करता था। ये दोबारा शुरू होने से भारत को एनर्जी इंपोर्ट में विविधता लाने में मदद मिल सकती है, क्योंकि मांग लगातार बढ़ रही है। न्यूयॉर्क में एक एनर्जी कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए राइट ने कहा कि अमेरिका वर्तमान में वेनेजुएला के 30 से 50 मिलियन बैरल तेल को बेचने की योजना बना रहा है, जिसके बाद भविष्य के प्रोडक्शन की लगातार बिक्री होगी।

तेल की मार्केटिंग अमेरिकी सरकार करेगी

अमेरिका, वेनेजुएला के तेल को दोबारा वैश्विक बाजार में जाने की अनुमति दे रहा है, लेकिन यह सब कड़े नियंत्रण वाले ढांचे के तहत होगा। इसकी मार्केटिंग अमेरिकी सरकार करेगी। पैसा तय खातों में ही जाएगा। ट्रंप ने कहा कि वह जल्द ही एक डील करेंगे, जिसमें यह तय होगा कि कौन सी अमेरिकी तेल कंपनियां वेनेजुएला जा सकती हैं और वहां के एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर को फिर से बना सकती हैं। अमेरिकी कंपनियां वेनेजुएला में कम से कम 100 अरब डॉलर खर्च करेंगी। ट्रंप ने कहा कि अगले हफ्ते तेल कंपनियों के साथ एक और मीटिंग की जाएगी।

जॉय महापात्रो (मृतक)
बांग्लादेश में सड़क पर भीड़

बांग्लादेश में एक और हिंदू व्यक्ति की हत्या

पहले बुरी तरह से पीटा फिर जहर खिलाकर ले ली जान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हत्याओं के मामले रोज बढ़ रहे हैं। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक काफी डरे हुए हैं और लोगों में आक्रोश साफ दिखाई दे रहा है। बांग्लादेश में एक और हिंदू समुदाय की हत्या कर दी गई।

गुरुवार को सुनामगंज जिले में जॉय महापात्रो नाम के एक हिंदू व्यक्ति को बुरी तरीके से पीटा गया।

हिंदुओं पर ताबड़तोड़ हमले

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल के दौरान अल्पसंख्यकों पर हमले काफी बढ़ गए हैं। कुछ दिनों पहले ही बांग्लादेश के नरसिंगदी शहर में एक 40 वर्षीय हिंदू व्यक्ति की अज्ञात हमलावरों ने धारदार हथियार से वार करके हत्या कर दी थी।

इंदौर में 7 वाहन टकराए, कार पर चढ़ी पिकअप

ट्रक अनियंत्रित हुआ और सामने वाले वाहन में घुस गया

महू। इंदौर के महू में 7 वाहन आपस में टकरा गए। ट्रक और गैस टैंकर कारों पर चढ़ गए। हादसा मानपुर भेरू घाट पर शनिवार सुबह हुआ। मुंबई-आगरा नेशनल हाईवे बंद हो गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घाट सेक्शन में जहां हादसा हुआ, वहां करीब दो किलोमीटर तक की ढलान है।

6 जिलों में 5 डिग्री तक पारा, विजिबिलिटी 1000 मीटर

शनिवार को प्रदेश के 6 जिलों में रात में तेज सर्दी। लेकिन कोहरे में कमी आई। दिन के तापमान में औसतन एक डिग्री की बढ़त रही। अधिकांश जिलों में दिन-रात का पारा सामान्य से अधिक रहा। प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम पारा छतपुर 3.6, शिवपुरी 4, 4.4, कल्याणुर (शहडोल), दतिया 4.6 और नौगांव में न्यूनतम पारा 5 डिग्री रहा है।

चयनित प्रतिभागी 10 विषयगत ट्रैकों में प्रधानमंत्री के समक्ष अपनी अंतिम प्रस्तुतियां देंगे

कल होगा 'विकसित भारत युवा नेतृत्व' संवाद करीब 3000 युवाओं से बात करेंगे प्रधानमंत्री

सोमनाथ मंदिर में पूजन करते पीएम मोदी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को आयोजित होने वाले विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद में 3,000 से अधिक युवाओं से सीधे बातचीत करेंगे। इस दौरान युवा विभिन्न राष्ट्रीय और सामाजिक मुद्दों पर अपने विचार और सुझाव पीएम मोदी के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शनिवार को एक बयान में यह जानकारी दी।

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के 2026 संस्करण के चयनित प्रतिभागी 10 विषयगत ट्रैकों में प्रधानमंत्री के समक्ष अपनी अंतिम प्रस्तुतियां देंगे, जिसमें राष्ट्रीय महत्व के प्रमुख क्षेत्रों पर युवाओं के नेतृत्व वाले दृष्टिकोण और व्यावहारिक विचार साझा किए जाएंगे।

मोदी निबंध संकलन का करेंगे विमोचन

प्रधानमंत्री विकसित भारत युवा नेता संवाद 2026 के लिए निबंध संकलन का विमोचन करेंगे, जिसमें भारत की विकासात्मक प्राथमिकताओं और दीर्घकालिक राष्ट्र निर्माण लक्ष्यों पर युवा प्रतिभागियों द्वारा लिखित चयनित निबंध शामिल हैं। विकसित भारत युवा नेता संवाद प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस के उस आह्वान के अनुरूप है जिसमें 1 लाख युवाओं को बिना किसी राजनीतिक संबद्धता के राजनीति में शामिल करने और उन्हें विकसित भारत के अपने विचारों को साकार करने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करने की बात कही गई थी।

30 सेकंड में लूटी 2 करोड़ की ज्वेलरी, बाजार में की फायरिंग

7 बदमाशों ने व्यापारी पर हमला किया

खंडवा। यहां एक सराफा कारोबारी पर जानलेवा हमला कर फिल्मी स्टाइल में करीब 2 करोड़ रुपए कीमत का सोने-चांदी का माल लूट लिया गया। 7 बदमाशों ने व्यापारी पर अचानक हमला कर घायल कर जेवर से भरा बैग छीन लिया। कुछ लोगों ने पीछा करने का प्रयास किया तो बदमाशों ने फायरिंग कर दी, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। पुनासा कस्बे में शाम साप्ताहिक हाट और मेले की भीड़ का फायदा उठाकर 7 बेखौफ बदमाशों ने सराफा व्यापारी राकेश सोनी पर उस समय हमला कर दिया, जब वे दुकान बंद कर, बैग में सोने-चांदी का सामान रखकर घर जा रहे थे। बदमाशों के अचानक हुए हमले में वे संभल नहीं पाए। बैग में करीब 80 किलो चांदी और 900 ग्राम सोने के जेवर बताए जा रहे हैं। सीसीटीवी में कैद घटना के अनुसार यह वारदात सोलंकी मार्केट स्थित कृष्णा ज्वेलर्स की है। लुटेरे पकड़े नहीं जा सके हैं।

भारतीय सांस्कृतिक विरासत को मिली वैश्विक पहचान

पिछला साल भारतीय कला, साहित्य व संस्कृति के लिए बहुत महत्वपूर्ण और उत्साहवर्धक रहा। साल के शुरुआत में यूनेस्को ने भारत के दो प्राचीन ग्रंथों 'श्रीमद्भगवद्गीता' और 'नाट्यशास्त्र' को मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया, जोकि भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक पहचान व मान्यता देता है। वहीं साल के अंतिम महीने में यूनेस्को ने भारत के प्रमुख पर्व दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया। ये उपलब्धियां भारत की कला, आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत को विश्व में एक विशेष स्थान व मान्यता प्रदान करती हैं। कला-संस्कृति से जुड़े दिग्गज, बता रहे हैं वे इस उपलब्धि को किस तरह देखते हैं?

{ आवरण कथा }

यह देश के लिए सांस्कृतिक पुनर्जागरण का ऐतिहासिक क्षण है

डॉ. संध्या पुरेचा अध्यक्ष-संगीत नाटक अकादमी

यूनेस्को द्वारा प्राचीन ग्रंथों 'नाट्यशास्त्र' और 'श्रीमद्भगवद्गीता' का पंजीकरण तथा दीपावली का भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में घोषित होना, भारत के लिए अत्यंत गौरव, आत्म-सम्मान के साथ ही सांस्कृतिक पुनर्जागरण का ऐतिहासिक क्षण है। यह केवल अंतरराष्ट्रीय मान्यता नहीं बल्कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, दार्शनिक दृष्टि और जीवन मूल्यों की वैश्विक स्वीकृति है।

'नाट्यशास्त्र' भारतीय कलाओं की आत्मा है। यह रंगमंच, नृत्य और संगीत का शास्त्र होने के साथ-साथ मानव भावनाओं, रस अभिव्यक्ति और सौंदर्यबोध का वैज्ञानिक और सार्वकालिक ग्रंथ है। वहीं 'श्रीमद्भगवद्गीता' कर्म, धर्म, भक्ति और ज्ञान के माध्यम से मानव जीवन के लिए एक सार्वभौमिक दर्शन प्रस्तुत करती है। इन दोनों ग्रंथों को यूनेस्को में स्थान मिलना यह सिद्ध करता है कि भारतीय ज्ञान परंपरा आज भी संपूर्ण मानवता के लिए प्रासंगिक और मार्गदर्शक है। दीपावली का अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता पाना भारत की लोक-आस्थाओं और सांस्कृतिक चेतना की वैश्विक स्वीकृति है। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि सामाजिक एकता, नैतिक मूल्यों, आशा और सद्भाव का उत्सव है, जो संपूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में बांधता है और मानवता को सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है। इन उपलब्धियों का भारत की सांस्कृतिक कूटनीति, कला, शिक्षा, अनुसंधान, पर्यटन तथा परंपरागत ज्ञान के संरक्षण और संवर्धन पर दूरगामी प्रभाव होगा। इससे हमारी युवा पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति के वैश्विक महत्व को भी समझ सकेगी। संगीत नाटक अकादमी भी इस दिशा में सतत प्रयास करेगी कि हमारी परंपराएं जीवंत बनी रहें, अगली पीढ़ियों तक पहुंचे और वैश्विक मंच पर गरिमापूर्ण ढंग से प्रस्तुत हों। *

भारतवासियों के लिए विश्वस्तर की यह बड़ी उपलब्धि है

रोहित त्रिपाठी अभिनेता-निर्देशक, अध्यक्ष-अपस्टेज आर्ट ग्रुप

नाट्यशास्त्र को यूनेस्को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल करना दर्शाता है कि हमारा नाट्यशास्त्र प्राचीन नाट्यमंच पद्धति है। पूरे विश्व में यह स्वीकारोक्ति हुई है कि नाट्यशास्त्र वह ग्रंथ है, जिसमें हमें मंच पर प्रस्तुत करने की सारी विधाएं प्राचीन काल से बताई गई हैं। इसे अब यानी लंबे इंतजार के बाद वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया गया, जबकि यह काम बहुत पहले हो जाना चाहिए था। विश्व की यह स्वीकारोक्ति हमें बताती है कि विश्व के जितने भी महान रंगकर्मी हुए, उन्होंने कहीं न कहीं हमारे नाट्यशास्त्र से गहन अध्ययन किया और अपनी एक थ्योरी बनाकर प्रकाशित की। यह बहुत खुशी की बात है कि अभी हाल ही में दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में शामिल किया गया। इससे प्रतीत होता है कि हमारी सनातन परंपरा और उसके उत्सव विश्व को आगे ले जाने में कितनी मदद करते हैं। यह हम रंगकर्मियों के लिए भारतवासियों के लिए विश्वस्तर की एक बड़ी उपलब्धि है। स्वामी विवेकानंद ने इसीलिए कहा था कि समस्त विश्व के लोग हमारे भाई-बहन हैं। हम विश्व के कल्याण के लिए काम करते हैं। यह हम सभी रंगकर्मियों के लिए गर्व की बात है कि हमारे पास नाट्यशास्त्र है। बस उसे सरलतम बनाकर प्रस्तुत करने के लिए हमारे देश के विद्वानों को आगे आना चाहिए ताकि हर रंगकर्मी तक वह उनकी सरल भाषा में पहुंच सके। वे उसे समझकर अपना ज्ञानवर्धन कर सकें। *

ये उपलब्धियां हासिल होना हर भारतीय के लिए गौरव का पल है

पद्मश्री डॉ. भरत गुप्त कार्यकारी उपाध्यक्ष-एनएसडी

'श्रीमद्भगवद्गीता' व 'नाट्यशास्त्र' को यूनेस्को द्वारा मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया जाना, हर भारतीय के लिए गौरव का पल है। 'श्रीमद्भगवद्गीता' एक प्राचीन ग्रंथ है, जिसे सदियों से खूब पढ़ा जा रहा है। 'नाट्यशास्त्र' को लेकर मुझे विशेष प्रसन्नता है, क्योंकि पश्चिम के लोग अभी भी इस बात को नहीं जानते कि 'नाट्यशास्त्र' रंगमंच की व्याख्या है और इतनी व्यापक व्याख्या और कहीं नहीं है। बेशक कुछ पश्चिम के लोग नाट्यशास्त्र के विषय में जानते हैं लेकिन अब और विदेशी इसे पढ़ेंगे। दोनों ग्रंथों को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में रखवाने में आईजीएनसीए की बड़ी भूमिका रही। मैं आईजीएनसीए में ट्रस्टी हूं, हमारी पूरी टीम इस काम में लगी थी।

'श्रीमद्भगवद्गीता' दर्शन का ग्रंथ है, जिसमें कर्म, योग, ज्ञान और भक्ति की व्याख्या है। जीवन में क्या करना है, जीवन कैसे, किन मूल्य को लेकर जीना है, आप कैसे कर्म करेंगे? यह हमें गीता सिखाती है। इस तरह 'श्रीमद्भगवद्गीता' एक योद्धा की किताब है। उस योद्धा की मानसिकता की मनोदशा, हम सभी की जिंदगी में कभी न कभी किसी न किसी रूप में आती रहती है। गीता हमें सिखाती है कि श्रेष्ठ जीवन कैसा हो? जीवन जैसा भी है, अच्छा, बुरा, कुछ ऊंचे पात्र, कुछ नीचे, नायक, खलनायक इन सबको दिखाने वाला ग्रंथ 'नाट्यशास्त्र' है। गीता के संदेश को हम बच्चे से लेकर बुजुर्गों तक नाटक के माध्यम से पहुंचा सकते हैं। इन ग्रंथों को जनता तक पहुंचाना बहुत जरूरी है।

दीपावली के संदर्भ में यही कहूंगा कि यूनेस्को ने इसे सांस्कृतिक धरोहर माना है। यह गर्व की बात है लेकिन अब हमें देखना होगा कि क्या हम दीपावली को उसके मूल स्वरूप में मना रहे हैं? साथ ही विजया दशमी के महत्व को समझें, तभी दीपावली का सही अर्थ समझ आएगा। *

हम सांस्कृतिक पुनर्जागरण का युग देख रहे हैं

डॉ. सच्चिदानंद जोशी सदस्य सचिव-इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र

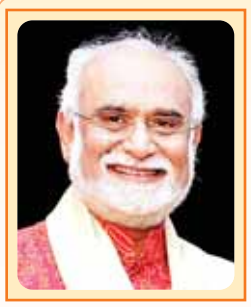

हम सांस्कृतिक पुनर्जागरण का युग देख रहे हैं। स्वतंत्रता से पूर्व हम गुलाम मानसिकता में जीते रहे इसलिए हमें हमारी सांस्कृतिक विरासत व वैभव का अहसास नहीं हुआ। हमारी अस्मिता बोध को जगाने का काम इस समय हो रहा है। यह निरंतर प्रक्रिया चल रही है। विरासत भी विकास भी, का मंत्र लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। इस दृष्टि से देखें तो पिछला एक साल उसी निरंतर किए जा रहे कार्यों का गौरवशाली साल रहा। पहले हमने 'नाट्यशास्त्र' व 'श्रीमद्भगवदगीता' को यूनेस्को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में दर्ज कराया। यह इस बात को रेखांकित करता है कि हमारी परंपराएं कितनी पुरानी हैं, हमारी सांस्कृतिक जड़ें कितनी गहरी हैं। श्रीमद्भगवद्गीता को काफी पहले से ही विश्वभर में बहुत आदर, सम्मान के साथ पढ़ा जाता रहा है। अब जब हमारा नाट्यशास्त्र वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल होता है तो हमें पूरे विश्व को यह बताने का अवसर मिलता है कि ऐसा शास्त्र हमारे यहां दो हजार साल पूर्व लिखा गया। तब जबकि विश्व की अधिकांश सभ्यताएं इस पूरे शास्त्र के बारे में जानती भी नहीं थीं। इस दृष्टि से यह बहुत महत्वपूर्ण है। दीपावली का अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर में शामिल होना, हमें विश्व को यह बताने का अवसर देता है कि हमारे देश में पर्व मनाने की निरंतरता कितनी बड़ी है। साथ ही यह भी कि हमारे पर्व किस तरह से सर्वसमावेशी हैं। हमने किस तरह अपनी पुरातन परंपराओं को मान्यताओं को बचाकर रखा है और आगे तक बचाने का संकल्प किया है। इस तरह विश्वस्तर पर ये तीनों उपलब्धियां हमारे लिए बहुत मायने रखती हैं। *

प्रस्तुतिः रेनू खंतवाल

विशेषः राष्ट्रीय युवा दिवस, 12 जनवरी

स्वामी विवेकानंद ने न केवल भारत की सांस्कृतिक श्रेष्ठता को संपूर्ण विश्व में प्रतिष्ठित किया, यहां की धार्मिक चेतना का पुनर्जागरण करने में भी भूमिका निभाई। यही नहीं लगभग सवा सदी से अधिक समय गुजरने के बाद भी स्वामी विवेकानंद, देश के युवाओं के लिए आदर्श और अद्वितीय मार्गदर्शक बने हुए हैं।

स्वामी विवेकानंद आज भी हैं युवाओं के आदर्श-मार्गदर्शक

{ प्रेरक व्यक्तित्व }

शिखर चंद जैन

ब्रिटिश शासनकाल के समय पश्चिमी देश, भारत की उपेक्षा किया करते थे। दरअसल, वे हमारे देश की अद्वितीय सनातन संस्कृति और गौरवमयी सभ्यता से परिचित ही नहीं थे। ऐसे समय में 12 जनवरी 1863 को जन्मे स्वामी विवेकानंद (बचपन का नाम नरेंद्र) ने युवावस्था में ही दुनिया में भारतवर्ष का मान बढ़ाने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई।

भारतीय संस्कृति को दिलाया मानः स्वामी विवेकानंद, भारत के पहले युवा संत थे, जिन्होंने सनातन धर्म का संदेश विश्व भर में फैलाया और इसकी महत्ता पूरे विश्व को समझाई। उन्होंने विश्व में सनातन मूल्यों, धर्म और भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठता को स्थापित किया और इसका मान बढ़ाया। 11 सितंबर, 1893 को अमेरिका स्थित शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में उनके भाषण ने दुनिया भर के धार्मिक और आध्यात्मिक संतों पर एक अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने अपने उद्बोधन की शुरुआत जब 'मेरे प्यारे अमेरिकी बहनों और भाइयों' से की तो पूरा हाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस पर उन्होंने कहा, 'जिस गर्मजोशी और सौहार्दपूर्ण माहौल में मेरा स्वागत किया है, उससे मेरा हृदय गद-गद है। भारत भूमि के सभी समुदायों, वर्गों, लाखों-करोड़ों भारतीयों की तरफ से मैं आपको कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूं।' उन्होंने यह भी कहा, 'मुझे उस धर्म व राष्ट्र से संबंध रखने पर गर्व है, जिसने दुनिया को सहिष्णुता और सार्वभौमिकता का पाठ सिखाया। हम न केवल सार्वभौमिक सहनशीलता में विश्वास रखते हैं बल्कि सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करते हैं। मुझे भारतीय होने पर गर्व है, जिसने विभिन्न राष्ट्रों के पीड़ितों और शरणार्थियों को आश्रय दिया है।'

धार्मिक सहिष्णुता के पक्षधरः भारतीय संस्कृति के मूल भाव धर्मनिरपेक्षता को वे बहुत महत्वपूर्ण मानते थे। उन्होंने सदैव सार्वजनिक संस्कृति के रूप में धार्मिक सहिष्णुता का समर्थन किया, क्योंकि वे सद्भाव और शांति के पक्षधर थे। स्वामीजी, जाति या धर्म के आधार पर बिना किसी भेदभाव के लोगों की सेवा करने को सर्वश्रेष्ठ मानव धर्म मानते थे। उनके विचारों में धर्मनिरपेक्षता के संबंध में तुष्टिकरण के लिए कोई स्थान नहीं था। 1893 में विश्व धर्म संसद में ऐतिहासिक व्याख्यान देने के बाद उन्होंने यूरोप का भी दौरा किया। स्वामी विवेकानंद ने देश की महान आध्यात्मिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए एकता की भावना को प्रसारित किया।

मातृभूमि के प्रति अगाध श्रद्धाः स्वामीजी जब अमेरिका और ब्रिटेन की यात्रा कर चार साल बाद भारत लौटे तो उन्होंने यहां की पवित्र भूमि को साष्टांग दंडवत कर नमन किया। उनके मन में मातृभूमि के प्रति अपार श्रद्धा और प्रेम था। वे कहते थे कि मातृभूमि का कण-कण पवित्र और प्रेरक होता है, इसलिए इस धूलि में रमा हुआ हूं।

परम विद्वान-विनम्र व्यक्तित्वः स्वामी विवेकानंद के बारे में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने लिखा है, 'स्वामीजी इसलिए महान हैं कि उन्होंने पूर्व और पश्चिम, धर्म और विज्ञान, अतीत और वर्तमान में सामंजस्य स्थापित किया, देशवासियों ने उनकी शिक्षाओं से अभूतपूर्व आत्म-सम्मान, आत्मनिर्भरता और आत्म-विश्वास आत्मसात किया है।' इसी ऐतिहासिक संबोधन से प्रभावित होकर प्रख्यात ब्रिटिश इतिहासकार ए.एल. बाशम ने कहा था, 'स्वामी विवेकानंद जी को भविष्य में आधुनिक दुनिया के प्रमुख निर्माता के रूप में हमेशा याद किया जाएगा।'

युवाओं के प्रेरणास्रोतः स्वामी विवेकानंद मानते थे कि युवाशक्ति ही देश, समाज और दुनिया को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ा सकती है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा था 'उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाए।' वे युवाओं से भरपूर आशा और उम्मीद रखते थे। उनके लिए युवा पीढ़ी ही परिवर्तन की अग्रदूत हो सकती है। वे चाहते थे कि युवाओं में विशाल हृदय के साथ मातृभूमि और जनता की सेवा करने की दृढ़ इच्छा शक्ति हो। वे युवाओं का आह्वान करते हुए कहते थे, 'देश में जहां भी प्लेग या अकाल का प्रकोप है, या जहां भी लोग संकट में हैं, आप वहां जाएं और उनके दुःखों को दूर करें। आप पर देश के भविष्य की उम्मीदें टिकी हुई हैं।'

स्वामी विवेकानंद, आधुनिक भारत के उन महानतम आध्यात्मिक गुरुओं और विचारकों में से एक थे, जिन्होंने न केवल भारतीय संस्कृति का विश्व भर में गौरव बढ़ाया, बल्कि युवाओं को ऊर्जा, आत्मविश्वास और चरित्र-निर्माण का एक नया मार्ग भी दिखाया। स्वामी जी का दर्शन और आदर्श भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत आज भी बना हुआ है। स्वामी विवेकानंद के सुझाए रास्ते पर चलकर ही एक भारत-श्रेष्ठ भारत, आत्म-निर्भर भारत और भारत को विश्व गुरु बनाने का सपना साकार किया जा सकता है। *

{ कविता }

अवतार सिंह अक्षरजीवी

आगाह

ऐसा नहीं है कि आकर्षण नहीं है
मेरी आंखों में किसी के लिए,
ऐसा भी नहीं है कि मैं कह दूं कि
मेरी भावनाएं मुझे शून्य मानती हैं,
बहुत प्रेम कर लेने के बाद
प्रेम करने का जी नहीं करता
मेरा मन इस तरह का उदार भी नहीं है,
फिर क्या सत्य है?
जो प्राप्त है, उसे पाने के बाद से
लगातार खोते चले जाना
भव्यता से खंडहर हो जाना
भरी-पूरी झील से कीचड़ हो जाना
सुर मिलना, अंत में एकाकी रह जाना
मुझे प्रेम के प्रति आगाह करता है-
प्रेम को पा लेना
प्रेम के समापन की लंबी यात्रा है,
प्रेम को न पाना
प्रेम करते चले जाने की निष्क्रियता है।

{ व्यंग्य }

भूपेंद्र भारतीय

जैसे चुनावों के समय कुछ कार्यकर्ता निःस्वार्थ भाव से दल की सेवा करते हैं और चुनाव जीतने के बाद मेवा किसी और के हाथ लगता है। उसी तरह आखिर में मंगल जैसों की थाली में सिर्फ पतला तरीनुमा पानी रह जाता है।

तपेली में तरी ही बची

मंगल के साथ पिछले दिनों बड़ा धोखा हो गया। धोखा क्या कहूं, मंगल की भाषा में यह एक तरह से 'सेवा का शिकार' होने जैसा है। या कहें, ये वही धोखा था, जो एक आम राजनीतिक कार्यकर्ता के साथ चुनाव के बाद जीतने वाला दल करता है। वैसे ही जैसे बड़े बाबू, चपरासी और कार्यालय के अन्य छोटे बाबुओं के साथ करते हैं, रिश्वत में आया अधिकांश माल बड़े बाबू निगल लेते हैं और अन्य के पास सिर्फ पतली तरी बचती है। सिर्फ दाल का पानी ही पानी, फिर उस तपेली में चम्मच हिलाते रहो। ऐसा ही पिछले दिनों मंगल के साथ हुआ। वह पिछले दिनों अपनी जाति के प्रतिभा सम्मान आयोजन में गया था, जिसे बड़ी होशियारी से समाजवादी ढंग में सामाजिक आयोजन कहा गया था। पहले आयोजन में सामाजिक नेताओं के द्वारा भाषणबाज प्रतिभाओं को जैसे जबरन पकड़कर सम्मानित किया गया हो। उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए जातिगत नेताओं द्वारा दो शब्द कहे गए। वे दो शब्द स्वयं की प्रशंसा में ज्यादा थे।

मंगल इस आयोजन में कार्यकर्ता की भूमिका में था। उसे किसी ने बोला नहीं था। ना ही चुनावी उम्मीदवारों की सूची जैसी किसी सूची में उसका नाम था और ना ही इसके लिए उसने कोई याचिका लगाई थी। वह भावुकता में चला गया। उसे सेवा करने का भी कुछ मन हुआ था। जैसे आजकल सब तरफ सेवा के लिए लोग जाते हैं। नेतागण देश की सेवा के लिए पागल हो रहे हैं। युवा अलग तरह से सेवा करना चाहता है। जैसे राष्ट्रीय स्तर पर इस देश का युवा 'देश सेवा' के लिए गलाकाट प्रतियोगी परीक्षा पास करता है और फिर कुछ ही वर्षों में सेवा के नाम पर भ्रष्टाचार के मामलों से देश के अखबारों में बड़ी-बड़ी हेडलाइन बनाता है। वहीं संसदीय और विधायी समितियों में जनप्रतिनिधि देश सेवा व नवाचार के नाम पर चार-पांच देशों की यात्रा करते हैं और जनप्रतिनिधि होने का कर्त्तव्य निभाते हैं। वैसे ही मंगल भी उस आयोजन में सेवा के लिए चला गया। जैसे युवा शुरू-शुरू में राजनीतिक-सामाजिक आंदोलनों में जाता है और भीड़ का शिकार हो या तो भावुकता में अपने हाथ-पैर तुड़वा लेता है या फिर पुलिस थाने के रजिस्टर में अपना नाम दर्ज कराकर राजनीति का स्थाई खिलाड़ी बन जाता है।

मंगल को भी लगा कि बड़े आयोजन में उसके हाथ कुछ तो आएगा। उसके जीवन में भी कुछ मंगल हो जाएगा। जैसे कर्मठ कार्यकर्ताओं की सेवा से मंत्रीजी जनसेवा करते हैं। उसे भी नेतृत्व की अग्रिम पंक्ति में आने का रोग चढ़ा। उसे भी लगा, समाज सेवा करने पर गाढ़ी तरी व साग दोनों का आनंद मिलेगा। वह भी अब नया कुर्ता-पायजामा पहनकर समाज सेवा की तपेली में अपनी सेवा रूपी चम्मच हिलाने गया था। उसने पढ़ा था, इस सेवा के लिए आजादी से पूर्व और उसके बाद बड़े-बड़े लोग, अपनी जमी-जमाई वकालत, व्यापार, जागीरदारी आदि छोड़कर इस सेवा में कूद पड़े थे। तो भला मंगल अपने समाज के आयोजन में टाट-पट्टी बिछाने से लेकर भोजन परोसने तक का काम क्यों नहीं कर सकता? आगे मंच और माइक भी मिलेगा। पूर्व में तो उसके जैसे कार्यकर्ताओं द्वारा समाज सेवा के लिए प्राण तक न्यौछावर कर दिए। क्या उन्होंने कम तरी-साग का आनंद उठाया? कैसे मालामाल हो गए! जैसे वे इस सेवा के लिए ही बने हों।

मंगल की मानें तो उस आयोजन में वह समाज सेवा के भाव से गया था। लेकिन उसका भाव वही था, जो अधिकांश सामाजिक संगठनों का रहता है। समाज में दबे-कुचले लोगों की सेवा के नाम पर सरकार से अनुदान की तरी-साग दोनों का आनंद उठाते हैं। मंगल सबको साग-तरी परोसता है। उसने सोचा यह सब मुझे भी मिलेगा। उसे भी दूसरे कार्यकर्ता तरी वाली साग परोसने आएंगे। जैसे मतदाता पांच साल में एक बार मतदान करने जाता है तो उसे लगता है कि देश अब उसके मत से चलेगा। लेकिन परिणाम देखकर कुछ दिनों में उसका मत बदल जाता है। और देश की राजनीति अपने मद में चलने लगती है। सत्ता के हाथी की चाल में उसकी आवाज दब जाती है। कहां तो वह दबे-कुचलों की आवाज उठाने आया था और चुनाव बाद वह स्वयं दबा-कुचला-सा हो जाता है।

धीरे-धीरे वह तरी-साग की सच्चाई जानने लगता है। कौन तरी खा रहा है और किसके हिस्से साग आता है? और अंत में बड़ी जनसंख्या को सिर्फ साग के पतले पानी से ही संतुष्ट होना पड़ता है। जैसे उस दिन मंगल ने बहुत मेहनत की थी। भाग-भाग कर सबको भोजन कराया। आयोजन को सफल बनाने में निःस्वार्थ भाव से सेवा की। जैसे चुनावों के समय कुछ कार्यकर्ता निःस्वार्थ भाव से दल की सेवा करते हैं और चुनाव जीतने के बाद मेवा किसी और के हाथ लगता है। उसी तरह आखिर में मंगल जैसों की थाली में सिर्फ पतला तरीनुमा पानी रह जाता है। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

काव्यात्मक गद्य में लेखिका के मनोभाव

वर्तमान हिंदी कविता परिदृश्य में नीलेश रघुवंशी एक प्रतिष्ठित नाम हैं। कविता से इतर उनके द्वारा रचित दो उपन्यासों को भी बहुत पसंद किया गया है। अब हाल में प्रकाशित होकर आई पुस्तक 'गद्य का पानी' में उनके काव्यात्मक गद्य की रवानगी देखते ही बनती है। यह किसी एक विधा की सीमाओं में बंधी किताब नहीं है। यहां कई विधाओं का ऐसा मनोरम कोलाज नजर आता है, जो हमें लेखिका के भावजगत में उतरने, उनकी रचनात्मकता को बिल्कुल करीब से महसूसने और उनकी महीन संवेदनाओं को स्पर्श करने का रास्ता मुहैया कराता है। चार खंडों में बंटी इस किताब में नीलेश अपने अतीत से लेकर वर्तमान में आवाजाही करती नजर आती हैं। 'मन की चिट्ठी' खंड में वे मन, जीवन और समाज के विभिन्न तलों में उतरकर सृजन के रहस्य तलाशती हैं तो 'गद्य का पानी' खंड में अपने कुछ प्रिय रचनाकारों के सृजन जगत से गुजरते हुए, उत्पन्न विचारों को भी संजोती चलती हैं। उनके कुछ संस्मरणों और यात्रा संस्मरणों को 'आवारगी' खंड में पढ़ सकते हैं। अंतिम खंड 'जनरल बोगी' में संकलित उनके कुछ वक्तव्य और टिप्पणियां, हमें रचनाकार की अबूझ-अनदेखी सी सृजन भूमि में झांकने का झरोखा उपलब्ध कराती हैं। कहना चाहिए कि यह पुस्तक, पाठक को कई विधाओं से तैयार किश्ती के जरिए लेखिका के काव्यात्मक गद्य के अप्रतिम प्रवाह का आनंद लेने का अवसर प्रदान करती है। *

पुस्तकः गद्य का पानी,
लेखिकाः नीलेश रघुवंशी,
मूल्यः 399 रुपए,
प्रकाशकः राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

हल्दिया बड़ा कमांड नहीं होगा, बल्कि छोटा बेस होगा। यहां पर फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट और 300 टन के न्यू वॉटर जेट फास्ट अटैक क्राफ्ट की तैनाती की जाएगी। ये दोनों समुद्र में तेज गति से चलने वाली आक्रमणकारी क्राफ्ट है, जो 40-45 समुद्री मील प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकते हैं और मशीन गन से लैस हैं

बांग्लादेश-चीन पर रहेगी पैनी नजर

पश्चिम बंगाल के हल्दिया में नेवी बेस बना रहा भारत, बढ़ेगी ताकत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के पाकिस्तान के साथ तो तनाव दशकों पुराना है। चीन और बांग्लादेश जैसे देशों से भी भारत को खतरा पैदा हो रहा है। ऐसे में किसी भी खराब स्थिति से निपटने के लिए भारतीय सेना हर समय पूरी तरह से तैयार रहती है। समुद्री खतरों से भारत को सुरक्षित रखने के लिए भारतीय नौसेना पश्चिम बंगाल के हल्दिया में बंगाल की खाड़ी के उत्तर में एक नया बेस बनाने जा रही है।

चीन की नौसेना की बढ़ती गतिविधियों, बांग्लादेश से समुद्री घुसपैठ और पाकिस्तान के साथ बदलते क्षेत्रीय हालात के बीच यह कदम बहुत महत्वपूर्ण है। नेवी बेस पर युद्धपोतों को तैनात किया जाएगा। बेस के जरिए भारत कभी भी चीन और बांग्लादेश की हरकतों को मुंहतोड़ जवाब दे सकेगा। इससे नेवी की ताकत में कई गुना इजाफा होने की संभावना है।

यह बेस भारत की समुद्री निगरानी, तटीय सुरक्षा की क्षमताओं को और बढ़ाएगा

नौसेना के युद्धपोत पर उतरता युद्धक हेलिकॉप्टर

फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट होंगे तैनात

यह बड़ा कमांड नहीं होगा, बल्कि छोटा बेस होगा। यहां पर फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट और 300 टन के न्यू वॉटर जेट फास्ट अटैक क्राफ्ट की तैनाती की जाएगी। ये दोनों समुद्र में तेज गति से चलने वाली आक्रमणकारी क्राफ्ट है, जो 40-45 समुद्री मील प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकते हैं और मशीन गन से लैस हैं। इंटरसेप्टर क्राफ्ट 100 टन के करीब होते हैं और 10-12 लोग चला सकते हैं। वहीं, न्यू वॉटर जेट फास्ट अटैक क्राफ्ट्स 300 टन के जहाज हैं जो सीआरएन-91 गन से लैस होंगे और नागास्त्र जैसे लूटरिंग मुनिशन (ड्रोन जैसी स्मार्ट मिसाइलें) से भी तैनात हो सकते हैं। ये निगरानी, हमला और सटीक स्ट्राइक के लिए हैं।

100 अधिकारी और नाविक रहेंगे

इस बेस पर 100 अधिकारी व नाविक ही तैनात होंगे, लेकिन इसपर सभी सुविधाएं मॉडर्न होंगी। साल 2024 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल ने 120 फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट और 31 न्यू वॉटर जेट फास्ट अटैक क्राफ्ट्स की खरीद को मंजूरी दी थी। ये जहाज तटीय सुरक्षा, घुसपैठ रोकने, बंदरगाह सुरक्षा और स्पेशल ऑपरेशंस के लिए हैं।

मौजूदा डॉक कॉम्प्लेक्स का उपयोग

हल्दिया, पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से करीब 100 किमी दूर हुगली नदी पर स्थित है, जहां से बंगाल की खाड़ी में सीधा पहुंच है। मौजूदा हल्दिया डॉक कॉम्प्लेक्स (1970 से चल रहा) का इस्तेमाल किया जाएगा। शुरुआत में एक विशेष जहाज बांधने की जगह और शोर सपोर्ट सुविधाएं बनाई जाएंगी। इससे बेस जल्दी तैयार हो जाएगा, ज्यादा नए बुनियादी ढांचे की जरूरत नहीं पड़ेगी।

समुद्री मार्गों की सुरक्षा

इस बेस से हल्दिया से मलक्का स्ट्रेट तक निगरानी आसान होगी, जो वैश्विक व्यापार का महत्वपूर्ण चोकपॉइंट है। यह बेस भारत को बंगाल की खाड़ी में तेज प्रतिक्रिया (क्विक रिस्पॉन्स) देने की क्षमता देगा। घुसपैठ, तस्करी, समुद्री डकैती

चीन से सुरक्षा

यह बेस बंगाल की खाड़ी में चीनी जहाजों की निगरानी के लिए जरूरी है। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी हिंद महासागर में ज्यादा सक्रिय हो रही है। चीन ने बांग्लादेश नेवी को दो पनडुब्बियां भी सौंपी हैं और चटगांव के पास एक बेस भी बना रहा है। पहले इसका नाम बीएनएस शेख हसीना था, लेकिन अब इसे बदल दिया गया है। ऐसे में बंगाल के हल्दिया का यह नया बेस चीन और बांग्लादेश के खिलाफ भारत की समुद्री निगरानी, तटीय सुरक्षा की क्षमताओं को और बढ़ाएगा। भारत-बांग्लादेश सीमा पर पानी के रास्ते से अवैध घुसपैठ बढ़ रही है। उथले पानी और घने समुद्री यातायात में तेज जहाज बहुत उपयोगी हैं।

देशभर में कई बेस

अभी भारतीय नौसेना के देशभर में कई बेस मौजूद हैं। मुख्य बेस मुंबई, गोवा, कारवार, कोच्चि, चेन्नई, विशाखापत्तनम, कोलकाता और पोर्ट ब्लेयर में हैं। भारतीय नौसेना ने पूर्वी तट पर पहले से ही विशाखापत्तनम (ईस्टर्न नेवल कमांड) और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में बड़े बेस हैं। लेकिन उत्तरी बंगाल की खाड़ी में मजबूत मौजूदगी की जरूरत इसलिए है क्योंकि भारत से खराब होते संबंधों के बीच चीन और बांग्लादेश करीब जा रहे हैं।

'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' के उद्घाटन समारोह में एनएसए डोभाल की सीख

आत्मविश्वास नहीं, तो सारी शक्ति और हथियार बेकार, आप शक्तिशाली हैं तो स्वतंत्र रह सकेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

डोभाल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी इस देश को ऐसे मुकाम पर ले गए हैं कि अगर यह ऑटोपायलट पर भी चलता रहे, तो भी यह विकसित भारत बन जाएगा

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल शनिवार को 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' (वीबीवाईएलडी) के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। इस दौरान अजीत डोभाल ने युवाओं से संवाद किया। डोभाल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी इस देश को ऐसे मुकाम पर ले गए हैं कि अगर यह ऑटोपायलट पर भी चलता रहे, तो भी यह विकसित भारत बन जाएगा।

उन्होंने कहा कि दुनिया भर में चल रहे सभी संघर्ष और युद्ध इसलिए हैं क्योंकि कुछ देश दूसरों पर अपनी इच्छा थोपना चाहते हैं और इसके लिए अपनी पूरी शक्ति का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन अगर आप शक्तिशाली हैं, तो आप स्वतंत्र रहेंगे। अगर आत्मविश्वास नहीं है, तो सारी शक्ति और हथियार बेकार हैं।

आज हमारे देश में ऐसा नेतृत्व होना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। उनकी प्रतिबद्धता, समर्पण और कड़ी मेहनत हम सभी के लिए प्रेरणा है। जैसा कि नेपोलियन ने एक बार कहा था कि मैं एक भेड़ के नेतृत्व में 1000 शेरों से नहीं डरता, बल्कि एक शेर के नेतृत्व में 1000 भेड़ों से डरता हूं।

◀ आपको हर कदम पर फैसले लेने होंगे

◀ दुनिया के देश अपनी इच्छा थोप रहे हैं

एनएसए अजीत डोभाल

भारत विकसित होगा, यह निश्चित है

अजीत डोभाल ने कहा कि आज इतना कुछ बदल गया है कि मुझे सब कुछ पता नहीं है। लेकिन एक बात समान है, चाहे आप इसे महसूस करें या न करें - एक छोटी सी बात जो आपके जीवन की दिशा तय करती है: निर्णय लेने की क्षमता। आप सभी हर दिन छोटे-बड़े फैसले लेते हैं, और जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ेगी, आपको हर कदम पर फैसले लेने होंगे।

स्वतंत्रता के लिए कई लोगों ने जान दी

एनएसए ने कहा कि यह भारत वैसा स्वतंत्र नहीं था जैसा आप आज देखते हैं। हमारे पूर्वजों ने बलिदान दिए, अपमान सहे और कई लोगों को फांसी दी गई। भगत सिंह को फांसी दी गई, सुभाष चंद्र बोस ने जीवन भर संघर्ष किया और महात्मा गांधी ने सत्याग्रह का मार्ग प्रशस्त किया।

राष्ट्रवाद और राष्ट्र को निरंतर मजबूत करना होता है

एनएसए ने युवाओं को बताया कि भारत ने कई सफलताएं देखी हैं। हम कभी विज्ञान, अर्थव्यवस्था और प्रौद्योगिकी के शिखर पर थे, लेकिन हमारा पतन हुआ क्योंकि कुछ भी स्थायी नहीं है। यह एक निरंतर संघर्ष है। राष्ट्रवाद और स्वयं राष्ट्र को मजबूत बने रहने के लिए निरंतर कोशिश की जरूरत होती है, और यह संघर्ष कभी समाप्त नहीं होता।

1700 वर्षों तक भारत की अर्थव्यवस्था अच्छी रही

डोभाल ने कहा कि पश्चिम में इस बात पर चर्चा शुरू हुई कि क्या कोई एशियाई देश पश्चिम से आगे निकल सकता है। कैम्ब्रिज के एक प्रोफेसर को इस पर अध्ययन करने के लिए कहा गया और बाद में उन्होंने 'विश्व अर्थव्यवस्था का इतिहास' नामक पुस्तक लिखी, जिसमें पहली से उन्नीसवीं शताब्दी तक का इतिहास शामिल है। इसमें 1700 वर्षों तक की भारत की अर्थव्यवस्था का उल्लेख है।

मेरी जवानी तो कब की बीत चुकी

एनएसए डोभाल ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि 'मेरा कार्यक्षेत्र अलग है, मेरा अनुभव अलग है, और युवाओं के साथ उम्र का बहुत बड़ा अंतर है। आपमें से अधिकांश मुझसे 60 वर्ष से अधिक छोटे हैं, इसलिए मैं थोड़ा असमंजस में था कि आऊं या नहीं। मेरा जन्म स्वतंत्र भारत में नहीं, बल्कि स्वतंत्रता-पूर्व भारत में हुआ था। मेरी जवानी तो कब की बीत चुकी है।

ईरान में प्रदर्शन 31 प्रांतों के 100 से अधिक शहरों और कस्बों में फैला

सेना की देशवासियों से अपील दुश्मन की साजिश करें नाकाम

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान इस समय गंभीर आर्थिक संकट के बीच देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों की चपेट में है। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और डॉलर के मुकाबले कमजोर होती मुद्रा (ईरानी रियाल) ने आम जनता के गुस्से को और भड़का दिया है। सरकार द्वारा इंटरनेट और फोन सेवाओं पर सख्त पाबंदियां लगाए जाने के बावजूद प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। मानवाधिकार समूहों के अनुसार विरोध प्रदर्शन देश के सभी 31 प्रांतों के 100 से अधिक शहरों और कस्बों में फैल चुके हैं, जिससे यह हाल के इतिहास में देश के सबसे व्यापक विरोध आंदोलनों में से एक बन गया है। प्रदर्शकारियों ने अयातुल्ला अली खामेनेई के सत्ता के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है। विरोध प्रदर्शन शनिवार (10 जनवरी) को 13वें दिन में प्रवेश कर चुका है। ये आंदोलन 2022 के बाद इस्लामिक गणराज्य के सामने सबसे बड़ी चुनौती माने जा रहे हैं। मानवाधिकार संगठनों के मुताबिक ईरान में अब तक कम से कम 62 लोगों की मौत हो चुकी है।

सड़कों पर प्रदर्शनकारी

'एक्स' ने बदला ईरान का झंडा

ईरान में व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' ने एक महत्वपूर्ण डिजिटल बदलाव किया है। इस बदलाव के तहत ईरान के आधिकारिक झंडे के प्रतीक को बदल कर उसमें 1979 की इस्लामिक क्रांति से पहले इस्तेमाल होता था शाही प्रतीक 'लायन एंड सन' को शामिल किया गया है। यह प्रतीक सदियों तक ईरान के झंडे पर शाही शासन के दौरान रहा है और इसे ईरान की पारंपरिक राष्ट्रीय पहचान के रूप में देखा जाता है। इस बदलाव का असर पूरे प्लेटफॉर्म पर दिख रहा है, यहां तक कि ईरान सरकार और उससे जुड़े मीडिया संस्थानों, जैसे तसनीम न्यूज़ के अकाउंट्स पर भी अब यही पुराना शाही प्रतीक नजर आ रहा है। एक्स के प्रोडक्ट हेड निकिता बियर ने इस अपडेट को एक यूज़र की मांग पर लागू करने की बात स्वीकार की थी, और इससे पहले संकेत दिया था कि वे इस पर काम कर रहे हैं।

वहीं मारेंगे जहां सबसे ज्यादा दर्द होगा: ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान के हालात पर बहुत करीब से नजर रखी जा रही है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि देश में प्रदर्शनकारी सुरक्षित रहेंगे। वहीं उन्होंने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर प्रदर्शनकारियों को मारा गया, तो अमेरिका दखल देगा और वहीं हमला करेगा, जहां सबसे ज्यादा दर्द होगा। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शन पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबिया ने एक्स पोस्ट में कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान के बहादुर लोगों का समर्थन करता है।

खबर संक्षेप

अमेरिका में गोलाबारी 6 लोगों की मौत

वेस्ट प्वाइंट। अमेरिका के पूर्वी मिसिसिपी में गोलीबारी की घटनाओं में छह लोगों की मौत के बाद शनिवार को एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। क्ले काउंटी के शेरिफ एडी स्कॉट ने 'फेसबुक' पर एक पोस्ट में कहा कि अलबामा सीमा के पास वेस्ट प्वाइंट कस्बे में हिंसा के कारण कई निर्दोष लोगों की जान गईं। शेरिफ ने बताया कि तीन स्थानों पर छह लोगों की मौत हुई। एक संदिग्ध हिरासत में है और लोगों को कोई खतरा नहीं है।

आग लगने से परिवार के 3 सदस्यों की मौत

मुंबई। मुंबई के उपनगर गोरेगांव के भगत सिंह नगर इलाके में शनिवार तड़के एक आवासीय इमारत में आग लग जाने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। यह एक मंजिला इमारत राजाराम लेन में स्थित है। दमकलकर्मियों ने बताया कि परिवार के तीनों सदस्यों को ट्रॉमा केयर अस्पताल ले जाया गया, मृतकों की पहचान हर्षदा पावस्कर (19), कुशल पावस्कर (12) और संजोग पावस्कर (48) के रूप में हुई है।

6 घायल, पायलट गंभीर रूप से जख्मी, डीजीसीए ने शुरू की जांच

एजेंसी ▶▶ राउरकेला

ओडिशा के राउरकेला में शनिवार को एक छोटा विमान हादसे का शिकार हो गया। विमान प्राइवेट एयरलाइन का बताया जा रहा है, जिसमें छह लोग घायल हो गए। इस हादसे में पायलट को गंभीर चोंटे आई हैं। राज्य के वाणिज्य और परिवहन मंत्री बी बी जेना ने बताया कि प्राइवेट एयरलाइन के छोटे विमान की क्रैश लैंडिंग में छह लोग मामूली रूप से घायल हो गए। मंत्री जेना ने बताया कि यात्रियों को ले जा रहा एक ए-1 नौ सीटर प्राइवेट विमान हादसे का शिकार हो गया है। यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं और उनकी हालत स्थिर है।

यह घटना राउरकेला से 10 किलोमीटर दूर जल्दा में हुई। हादसे में घायल यात्रियों को बचाकर पास के अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया। दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को स्थिति के बारे में बता दिया है। उन्होंने कहा कि हमारे डायरेक्टर भी जल्द ही दुर्घटनास्थल का दौरा करेंगे। वहीं बीजू पटनायक इंटरनेशनल एयरपोर्ट के डायरेक्टर प्रसन्ना प्रधान ने कहा कि फ्लाइट भुवनेश्वर से राउरकेला जा रही थी। राउरकेला से 10 किमी पहले इसकी क्रैश लैंडिंग हुई। इसमें 4 यात्री और 2 क्रू मेंबर थे। सभी सुरक्षित हैं। यह फ्लाइट इंडिया वन एयरलाइंस की है।

दुश्मन भारत में धर्म के नाम पर फूट डालने के प्रयास में जुटा है

एजेंसी:नई दिल्ली। भारतीय सेना के वेस्टर्न आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने आगाह करते हुए कहा कि दुश्मन (पाकिस्तान) की एक साजिश हमारे देश में धर्म के नाम पर फूट डालने की भी है।
वेस्टर्न कमांड की इन्वेस्टिचर सेरेमनी (अलंकरण समारोह) में उन्होंने कहा कि हमें दुश्मन की किसी भी साजिश को नाकाम करने के लिए तैयारी जारी रखनी है। दुश्मन की एक साजिश हमारे देश में धर्म के नाम पर फूट डालने की भी है। जरूरी है कि हम सावधान रहें। हमारी सेना में देश के कोने-कोने से आए लोग हैं, हर धर्म और हर जाति के सैनिक हैं। हम विविधता में एकता की मिसाल हैं।

भारतीय उच्चायुक्त वर्मा ने तारिक रहमान से शिष्टाचार भेंट की

ढाका। बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने शनिवार को बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान से मुलाकात की। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) द्वारा 12 फरवरी को होने वाले चुनावों से पहले उन्हें आधिकारिक तौर पर इस पद के लिए चुने जाने के एक दिन बाद यह मुलाकात हुई। बीएनपी के मीडिया प्रकोष्ठ के प्रवक्ता सैरुल कबीर खान ने बताया कि लगभग 40 मिनट तक यह बैठक हुई। उन्होंने इसे शिष्टाचार भेंट बताया। बांग्लादेश की राजनीति में बीएनपी अग्रणी दल के रूप में उभरी है, जबकि कभी उसकी महत्वपूर्ण सहयोगी रही जमात-ए-इस्लामी मुख्य प्रतिद्वंद्वी है, क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अब भंग हो चुकी अवामी लीग चुनावों में हिस्सा नहीं ले रही।

पानी के रास्ते आने वाली ड्रग्स को खत्म किया, अब जमीन की ड्रग्स की बारी

वेनेजुएला के बाद मेक्सिको ट्रंप के निशाने पर, दी हमले की धमकी

कहा- मेक्सिको में ड्रग कार्टेल चल रहा, खत्म करके ही रहेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों धमकियां देने के मूड में नजर आ रहे हैं। दरअसल, वेनेजुएला के खिलाफ कार्रवाई के बाद अब ट्रंप की नजर ग्रीनलैंड पर है।

इसके अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति ने संकेत दिए हैं कि वह मैक्सिकन इलाके में ड्रग कार्टेल के खिलाफ हमले का ऑर्डर दे सकते हैं। ट्रंप ने मैक्सिको पर अमेरिका में ड्रग्स और अवैध प्रवासियों को भेजने का भी आरोप लगाया है, जिनमें से कई को उन्होंने हिंसक क्रिमिनल बताया है।

डोनाल्ड ट्रंप

क्लाउडिया शीनबाम

करेंगे कार्रवाई

ट्रंप ने कहा कि हमने पानी के रास्ते आने वाली 97 फीसदी ड्रग्स को खत्म कर दिया है। और अब हम कार्टेल के मामले में जमीनी स्तर से भी ड्रग्स ले जाने के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने जा रहे हैं।

ट्रंप से करेंगे बात: मेक्सिको राष्ट्रपति शीनबाम

ट्रंप ने कहा कि मेक्सिको को कार्टेल चला रहे हैं। उस देश के साथ जो हुआ है, उसे देखना बहुत, बहुत दुख की बात है। वहीं मैक्सिकन राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने ट्रंप के इस बयान को उनके बात करने के एक तरीके का हिस्सा बताया। शीनबाम ने आगे कहा कि उन्होंने विदेश मंत्री जुआन रेमन डे ला फुएंते को अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो से और अगर जरूरी हो, तो ट्रंप से सहयोग मजबूत करने के लिए बात करने के लिए कहा है।

ग्रीनलैंड पर सैन्य कार्रवाई के पक्ष में नहीं इटली: मेलोनी

इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने उम्मीद जताई है कि अमेरिका की ओर से ग्रीनलैंड पर सैन्य हमला नहीं किया जाएगा। मेलोनी ने कहा कि सैन्य कार्रवाई किसी के लिए भी अच्छे नतीजे लाने वाली नहीं होगी। ऐसे में मुझे लगता है कि इस मुद्दे का कोई न कोई हल निकलेगा। ग्रीनलैंड में मिलिट्री कार्रवाई किसी के फायदे में नहीं होगी और इसका नाटो पर भी बुरा असर होगा। मेलोनी ने कहा कि अमेरिकी सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए आर्कटिक क्षेत्र में नाटो की भूमिका मजबूत की जानी चाहिए। मेलोनी ने यह भी साफ किया कि इटली सैन्य कार्रवाई किसी भी कदम का समर्थन नहीं करेगा।

हम अमेरिकी नहीं बनेंगे: ग्रीनलैंड सांसद

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड को लेकर धमकी भरा लहजा अपनाया हुआ है। ग्रीनलैंड की संसद के सभी पांच प्रमुख राजनीतिक दलों ने संयुक्त बयान जारी कर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को दो टूक जवाब दिया है। राजनीतिक दलों ने ट्रंप की ग्रीनलैंड को अमेरिका के नियंत्रण में लेने की धमकियों को कड़े शब्दों में खारिज किया है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि ग्रीनलैंड 'अमेरिकन नहीं होगा' और उसका भविष्य सिर्फ ग्रीनलैंड के लोगों की तरफ से तय किया जाना चाहिए।

पानी पर बसा है दुनिया का ये अनोखा गांव, हिलती-डुलती रहती है जमीन

नई दिल्ली। मणिपुर की लोकटक झील दुनिया की सबसे अनोखी जगहों में से एक है, जहां घर, द्वीप और पूरा जीवन पानी पर तैरता है। फुमदी, तैरता नेशनल पार्क और 'आंसुओं की झील' की पहचान इसे प्रकृति का अद्भुत चमत्कार बनाती है। सोचिए जरा, एक ऐसा गांव जहां घर जमीन पर टिके नहीं होते, बल्कि पानी की सतह पर तैरते रहते हैं। जहां हवा का हल्का सा झोंका और पानी की छोटी-छोटी लहरें घरों को धीरे-धीरे झुलाती रहती हैं। जहां आप ठीक से खड़े भी नहीं हो सकते. जहां दरवाजा खोलते ही सामने सड़क नहीं, बल्कि चमकता हुआ पानी दिखाई देता है। पहली नजर में यह सब किसी फिल्म का सीन जैसा लगता है, लेकिन यह कोई सपना नहीं, बल्कि हकीकत है। यह अनोखी जगह है मणिपुर की लोकटक झील, जो अपने आप में प्रकृति का एक अद्भुत चमत्कार है।

फुमदी क्या हैं?

फुमदी कोई जमीन का टुकड़ा नहीं होता, बल्कि यह सड़ चुके पौधों, जड़ों, मिट्टी और जैविक पदार्थों की कई परतों से बनता है। सालों-साल तक ये परतें एक-दूसरे पर जमती जाती हैं और धीरे-धीरे एक ठोस स्ट्रक्चर का रूप ले लेती हैं। यही वजह है कि इन पर न सिर्फ घास उगती है, बल्कि लोग अपने घर भी बना लेते हैं। लोकटक झील में रहने वाले लोग पूरी तरह फुमदी पर निर्भर हैं। उनके घर, रोजमर्रा की जिंदगी और आजीविका सब कुछ पानी पर ही चलता है। यहां लोग नाव से एक जगह से दूसरी जगह जाते हैं। बच्चे नाव में बैठकर स्कूल जाते हैं और मछली पकड़ना यहां के लोगों की सबसे बड़ी रोजी-रोटी है। यह झील एक पूरा प्राकृतिक इकोसिस्टम है, जो स्थानीय लोगों को जीवन देता है।

क्यों कहा जाता है आंसुओं की झील?

लोकटक झील को 'आंसुओं की झील' के नाम से भी जाना जाता है। स्थानीय लोगों के बीच यह नाम इसलिए प्रचलित हुआ, क्योंकि कभी यह झील धीरे-धीरे सूखने लगती है और फिर बारिश के मौसम में दोबारा भरकर जीवंत हो उठती है, मानो प्रकृति की आंखों से आंसू बह रहे हों। इसे एशिया की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील मानी जाती है।

यहीं मौजूद है दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ नेशनल पार्क

लोकटक झील के भीतर केवलादेव नेशनल पार्क नहीं, बल्कि केइबुल लामजाओ नेशनल पार्क स्थित है। यह दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ नेशनल पार्क है। इस पार्क की सबसे खास बात यह है कि पूरा पार्क पानी पर तैरते हुए पौधों और फुमदी पर बना हुआ है। यहां एक बेहद दुर्लभ प्रजाति का हिरण पाया जाता है, जिसे सांगाई हिरण या नाचता हुआ हिरण कहा जाता है। यह हिरण केवल इसी क्षेत्र में पाया जाता है और इसकी संख्या बहुत कम रह गई है। इसी अनोखी प्रजाति को संरक्षण देने के उद्देश्य से 1977 में केइबुल लामजाओ को नेशनल पार्क घोषित किया गया था।

रोचक खबरें

क्या 6 सौ साल बाद फिर लौटेगा 12 फीट का दानव पक्षी

वेलिंगटन। कुछ वैज्ञानिक मिलकर मोआ नाम के लुप्त हो चुके पक्षी को फिर से वापस लाने की योजना बना रहे हैं। यह एक ना उड़ने वाला पक्षी था जो न्यूजीलैंड में रहा करता था। कभी न्यूजीलैंड में पाया जाने वाला एक ऐसा जो उड़ नहीं सकता था, 600 साल पहले विलुप्त हो चुका है। यह कद में इंसानों से कहीं ज्यादा लंबा हुआ करता था, लगभग 12 फीट ऊंचा और 230 किलो से ज्यादा भारी. कोलोसल बायोसाइंसेज नाम की कंपनी इस काम में मशहूर फिल्म लॉर्ड ऑफ द रिंग्स के डायरेक्टर पीटर जैक्सन की मदद ले रही है। करीब 600 साल पहले जब इंसान न्यूजीलैंड पहुंचे तो उन्होंने इस पक्षी का इतना शिकार किया कि यह हमेशा के लिए गायब हो गए। अब वैज्ञानिक नई तकनीक की मदद से इसे फिर से जिंदा करने की कोशिश कर रहे हैं। न्यूजीलैंड की प्रमुख माओरी जनजाति और वहां की यूनिवर्सिटी मिलकर इस प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। जानकारों का कहना है कि ये पक्षी उनकी पुरानी कहानियों और संस्कृति का एक बहुत बड़ा हिस्सा रहे हैं। वे इस पक्षी को सिर्फ जानवर नहीं, बल्कि अपनी विरासत मानते हैं। इस प्रोजेक्ट को पुराने रीति-रिवाज और आधुनिक विज्ञान को जोड़कर देखा जा रहा है।

80 साल पहले जिसे मरा मान लिया था, वो जिंदा निकला

केनबरा। लगभग 80 साल बाद एक ऐसा जानवर फिर से देखा गया है, जिसके बारे में सबको लगा था कि वह हमेशा के लिए खत्म हो चुका है। यह अनोखा जीव ऑस्ट्रेलिया की धरती से गायब माना जा रहा था, लेकिन अब इसके दोबारा दिखने से वैज्ञानिक काफी उत्साहित हैं। वैज्ञानिकों और प्रकृति प्रेमियों को डर था कि एक खास जीव हमेशा के लिए खत्म हो चुका है। लेकिन, 80 साल के लंबे इंतजार के बाद यह रहस्यमयी जीव एक बार फिर दिखाई दिया है। इस जीव के दोबारा मिलने से पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों में खुशी और उम्मीद की लहर दौड़ गई है। इसे पर्यावरण और लुप्त हो रहे जानवरों को बचाने की जंग में एक बड़ी जीत माना जा रहा है।

हड़कंप

अंतरिक्ष में मेडिकल इमरजेंसी...

नासा ने बीच में ही रोका मिशन वापस बुलाए 4 अंतरिक्ष यात्री

वॉशिंगटन। धरती से 400 किमी ऊपर ISS पर एक मेडिकल इमरजेंसी ने हड़कंप मचा दिया है। नासा ने अपने क्रू-11 मिशन को बीच में ही रोककर चारों अंतरिक्ष यात्रियों तो तुरंत धरती पर वापस लाने का फैसला लिया गया है। नासा ने फैसला किया है कि क्रू-11 मिशन के चारों अंतरिक्ष यात्रियों को जल्द ही अंतरिक्ष स्टेशन से वापस धरती पर बुलाएगा। एक अंतरिक्ष यात्री की तबीयत खराब होने की वजह से यह फैसला लिया गया है। इसी वजह से 8 जनवरी को होने वाली स्पेसवॉक को भी स्थगित कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया है कि बीमार अंतरिक्ष यात्री की हालत अभी स्थिर है और उनकी जान को किसी तरह का खतरा नहीं है। लेकिन, नासा कोई रिस्क नहीं लेना चाहता इसलिए चाहता है कि उनका इलाज धरती पर हो।

क्या होता है शरीर पर अंतरिक्ष का असर?

जीरो ग्रैविटी में रहने से शरीर में खून और तरल पदार्थों का बैलेंस बिगड़ जाता है, हड्डियां कमजोर होने लगती हैं और नसों में खून के थक्के जमने का खतरा बढ़ जाता है। अंतरिक्ष यात्रियों बीमार होने पर खुद का इलाज करने की भी ट्रेनिंग लेते हैं। उनके पास मेडिकल किट होती है और वे धरती पर मौजूद डॉक्टरों से वीडियो कॉल के जरिए बात भी कर सकते हैं।

क्या था पूरा मिशन?

अंतरिक्ष यात्री माइक फिंके और जेना कार्डमैन को अंतरिक्ष में पैदल चलकर सोलर पैनल और बिजली की मशीनों को ठीक करना था। यह काम अंतरिक्ष स्टेशन की पावर सप्लाई के लिए बहुत जरूरी था। माइक पहले भी कई बार स्पेसवॉक कर चुके हैं, जबकि जेना कार्डमैन के लिए यह नया अनुभव होने वाला था। बुधवार देर रात नासा ने एक अंतरिक्ष यात्री की सेहत बिगड़ने पर अभी इस काम को टाल दिया है।

आसान नहीं है अंतरिक्ष की राह

धरती से 400 किमी अंतरिक्ष में रहना कितना मुश्किल है, यह इस घटना से पता चलता है। स्पेस में हर फैसला सोच-समझकर लेना पड़ता है। नासा ने साफ किया है कि उनके लिए लोगों की जान सबसे कीमती है और किसी भी प्रयोग के लिए अंतरिक्ष यात्रियों की सेहत से समझौता नहीं करेंगे। नासा ने वादा किया है कि अगले 24 घंटों के अंदर वह पूरी जानकारी देगा।

किन देशों के एस्ट्रोनॉट्स हैं शामिल?

कुछ महीने पहले शुरू हुए इस मिशन क्रू-11 में अमेरिका, जापान और रूस के अंतरिक्ष यात्री मिलकर काम कर रहे हैं। ये सभी अंतरिक्ष यात्री वहां विज्ञान से जुड़े जरूरी प्रयोग कर रहे हैं जैसे, जीरो ग्रैविटी का इंसानी शरीर पर क्या असर पड़ता है और अंतरिक्ष में पौधे कैसे उगते हैं और नई तकनीकें कैसे काम करती हैं। बता दें कि, नासा के नियमों के चलते बीमार एस्ट्रोनॉट्स का नाम छिपाकर रखा गया है।

बिना पेट्रोल-डीजल सालों तक कैसे उड़ते हैं सैटेलाइट? चौंका देगा इसके पीछे का विज्ञान

वॉशिंगटन। लोग अक्सर सोचते हैं कि सैटेलाइट अंतरिक्ष में एक जगह टिक कर मंडरा रहे हैं, लेकिन यह सच नहीं है। सैटेलाइट वास्तव में एक लगातार गिरने की हालत में होते हैं। दुनिया भर में 13,000 से भी ज्यादा सैटेलाइट धरती के चक्कर लगा रहे हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि वे गुरुत्वाकर्षण होने के बावजूद ज़मीन पर क्यों नहीं गिरते? सैटेलाइट के नीचे ना गिरने के पीछे बहुत ही बारीक संतुलन है। एक तरफ धरती की ग्रैविटी उसे अपनी तरफ खींचती है तो दूसरी तरफ सैटेलाइट की अपनी आगे बढ़ने की बहुत तेज रफ्तार उसे दूर धकेलती है। इन दोनों ताकतों के मेल से एक गोल रास्ता बनता है, जिस पर सैटेलाइट घूमता रहता है। सैटेलाइट जितनी तेजी से नीचे गिरने की कोशिश करता है, उतनी ही तेजी से धरती की सतह उसके नीचे से घूम जाती है।

काम आ रहा है न्यूटन का नियम

महान वैज्ञानिक न्यूटन के नियमों की वजह से ही आज हम जीपीएस और मौसम की जानकारी जैसी सुविधाओं का इस्तेमाल कर पा रहे हैं। आज अंतरिक्ष में 10,000 से भी ज्यादा सैटेलाइट चक्कर लगा रहे हैं और यह सब उन्हीं वैज्ञानिक सिद्धांतों की वजह से ही संभव हो पाया है और इसी वजह से सैटेलाइट स्पेस में काम कर पा रहे हैं।

खिंचाव और रफ्तार का जबरदस्त मुकाबला : धरती की ग्रैविटी एक चुंबक की तरह सैटेलाइट को लगातार अपनी ओर खींचती है। यह तेज रफ्तार एक फोर्स पैदा करती है और यहीं ताकत धरती के खिंचाव को ठीक उसी तरह रोक लेती है, जैसे एक हाथ में धागे से बंधा पत्थर घुमाते समय वह पत्थर दूर भागने की कोशिश करता है। ये दोनों ताकतें एक-दूसरे को बराबर कर देती हैं, जिससे सैटेलाइट टिका रहता है।

आवश्यकता
आवश्यकता है- एयरपोर्ट हेतु पक्की परमानेंट नौकरी बिना इंटरव्यू आठवीं पास ग्रेजुएट लड़के लड़कियां(2250068500) महीना लोडर, चैकर, सुपरवाइजर, रहना -खाना, फंड - बोनस I-9953158238 (रायपुर /12/जन. 26)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 इंच लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। वर्षों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

राशिफल

मेष कारोबार के कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष मन परेशान हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है।

मिथुन परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा।

कर्क आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में सफलता मिलेगी।

सिंह बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा।

कन्या नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला भाग-दौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। शैक्षिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। व्यर्थ की चिंताओं से मन विचलित रहेगा।

धनु व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मकर परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। धन प्राप्ति के मार्ग बनेंगे।

कुंभ मन प्रसन्न रहेगा। फिर भी आत्मसंयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मीन तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

दातुन बेचकर हर दिन 10 हजार की कमाई! माघ मेले में आई 2 महिलाओं का खुलासा

प्रयागराज। सोशल मीडिया पर इन दिनों प्रयागराज के माघ मेले से जुड़ा एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दातुन बेचने वाली दो महिलाएं अपनी कमाई को लेकर चौंकाने वाला खुलासा करती नजर आ रही हैं। वीडियो में दोनों महिलाएं एक शख्स से बातचीत के दौरान बताती हैं कि उन्होंने सिर्फ एक दिन में दातुन बेचकर करीब 10 हजार रुपए कमा लिए हैं। वीडियो में महिलाएं बताती हैं कि माघ मेले में वे सुबह करीब 3 बजे से ही दातुन बेचना शुरू कर देती हैं। मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होने की वजह से दिन ही नहीं, बल्कि रातभर भी बिक्री चलती रहती है। महिलाओं का कहना है कि यहां इतनी भीड़ रहती है कि दातुन की मांग कभी खत्म ही नहीं होती।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग, जिला डिण्डौरी, (म.प्र.)
दूरभाष क्र/ फैक्स क्र. 0761-2678279 ई-मेल eepwdbrijbp@nic-in

एनआईटी नं.- 32/2025/ केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/जी/मु.अ. (भ.) जबलपुर दिनांक 31.12.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

स. क्र.	पोर्टल टेंण्डर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रू. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2025_PWPIU _469808_1	डिग्री कालेज गाडासरई में बाउण्ड्रीवॉल का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	डिण्डौरी	29.12	50000.00	5000.00	03 माह वर्षाऋतु सहित
2	2026_PWPIU _473980_1	डिग्री कालेज गाडासरई में पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	डिण्डौरी	198.81	198810.00	12500.00	08 माह वर्षाऋतु सहित

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाईट https://mpeproc.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन लाईन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑन लाईन दिनांक 07.01.2026 समय 18:00 से दिनांक 17.01.2026 समय 18:00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी बेबसाईट पर देखी जा सकती
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्य यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग डिण्डौरी, (म.प्र.)

जी - 24223/25 स्वच्छता ही सेवा

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
सांकेतिक सूचना
सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों की पुनः नियुक्ति के लिए
Notification No.: P/NAG/RCT/2024/11/1 Dated: 06.01.2026

द.पू.म. रेलवे के नागपुर मंडल में निम्नलिखित श्रेणी के रिक्त पदों के लिए मासिक पारिश्रमिक के आधार पर **सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों** से पुनर्नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित है:
आवेदक नागपुर मंडल के लिए दिए लिंक के माध्यम से **secr.indianrailways.gov.in** इस वेबसाइट से निर्धारित प्रारूप (अर्थात अनुलग्नक-1) डाउनलोड कर सकते हैं।
आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे निर्धारित प्रारूप अर्थात अनुलग्नक-1 में आवेदन करें और स्कैन की गई प्रति को **PDF** प्रारूप में आवश्यक दस्तावेज़ों के साथ अधिसूचना में दिए गए आधिकारिक ईमेल आईडी पर **19.01.2026** तक भेजें।
विस्तृत पात्रता और अन्य नियम व शर्तें वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

Sr. No.	Vacant Posts		Pay-level	आवश्यक स्टाफ संख्या
	Department	Designation		
1	Signal & Telecom	SSE (Signal)	Level-7 & 8	02

पथ इस प्रकार है: Recruitment / News / Press Release Recruitment > Nagpur Division Notification for re-engagement of Retired Railway Staff (SSE-Signal)

मंडल कार्मिक अधिकारी, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर
swacch bharat - keepindiaclean FL/60-268

शब्द पहेली - 6105

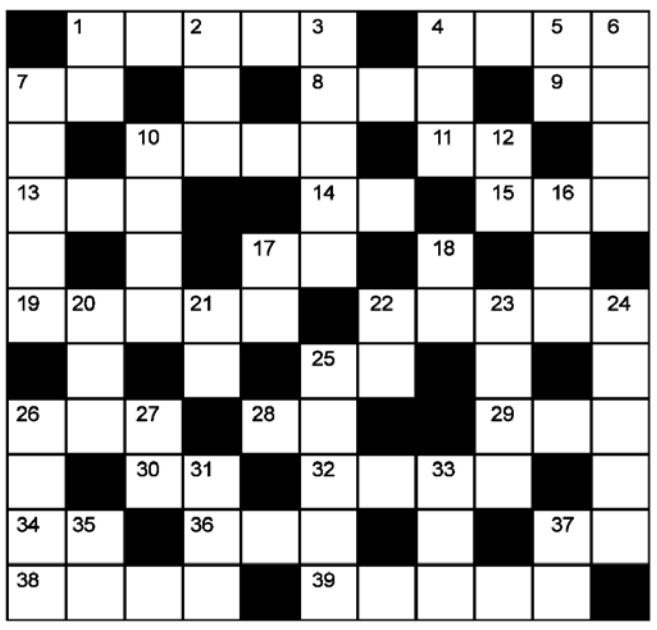

बाएँ से दाएँ
1.सहयोग की भावना-5
4.अकस्मात,एकाएक-4
7.पराजय-2
8.नाव चलाने वाला-3
9.भीगा हुआ-2
10.अनुवाद-4
11.बेल-2
13.योग्य,सही-3
14.घोड़ा गाड़ी-2
15.काव्य,गजल-3
17.अद्वैतभाव,कुर्बान-2
19.नामकरण-2,3
22.राजा का महल-5
25.प्रेम,ममता-2
26.कपड़े की दीवार-3
28.रास्ता,मार्ग-2
29.सिर,खोपड़ी-3
30.माप-2
32.गुस्सा करना-4
34.व्यंग,चुटीली बात-2
36.नायक,नेता-3
37.एक आंख वाला-2
38.रचनाकार-4
39.कृष्ण का एक नाम-3,2

ऊपर से नीचे
1.महोदय (अंग्रेजी-2)
2.डरपोक,भीरू-3
3.व्यंग कसना -5
4.बुद्धि-3
5.झुका हुआ-2
6.कर देने वाला-4
7.चोरी करना,छीनना (मु.-2,3)
10.तहखाना-4
12.एकटक देखना-2
16.वियोग,जुदाई-3
17.आमिर,काजोल की नई फिल्म-2
18.खुजली-2
20.घोटना,मंथन करना-3
21.पत्र,चिट्ठी-2
22.रास्ता-2
23.सुगंधित होना-4
24.बिजली का कौंधना-5
25.कुलीन स्त्री,देवी (उर्दू-5)
26.भगवान,ईश्वर-4
27.पेड़ का मध्य भाग-2
31.पटाखे की बाती,-3
33.अभिव्यक्ति-3
35.नृत्य,डांस-2
37.छोटी सवारी गाड़ी-2

शब्द पहेली- 6104 का हल

सूडोकु नवताल- 6115

सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6114 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

सबालेंका ने मुचोवा को हराया, फाइनल में बनाई जगह

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल

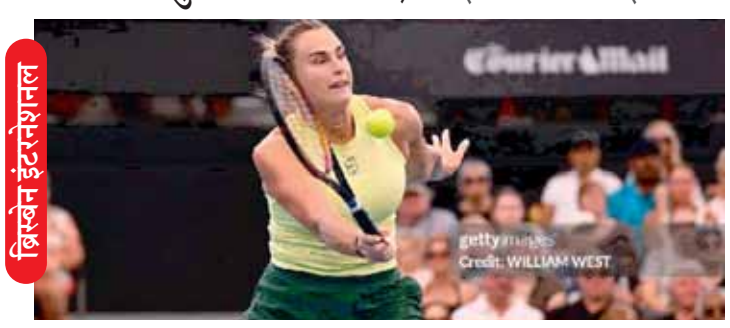

एजेंसी ▶▶| ब्रिसबेन

विश्व नंबर एक एरीना सबालेंका ने ब्रिसबेन इंटरनेशनल के सेमीफाइनल में कैरोलिना मुचोवा को 6-3, 6-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। मौजूदा चैंपियन सबालेंका ने पैट राफ्टर एरिना में खेले गए मुकाबले में चौथे मैच प्वाइंट पर जीत दर्ज की। सबालेंका के सामने रविवार को होने वाले फाइनल में मार्ता कोस्तयुक की चुनौती होगी। मार्ता ने चौथी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 6-0, 6-3 से हराकर रैंकिंग में शीर्ष 10 में शामिल खिलाड़ी के खिलाफ लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इससे पहले शुक्रवार को सबालेंका ने मैडिसन कीज को 6-3, 6-3 से मात दी थी। कीज ने पिछले साल मेलबर्न पार्क में खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में सबालेंका को हराकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम महिला एकल खिताब जीता था। ब्रिसबेन में चल रहे पुरुष वर्ग के टूर्नामेंट में अमेरिका के दो खिलाड़ियों के बीच हुए सेमीफाइनल में ब्रैंडन नकाशिमा ने एलेक्जेंडर कोवासेविच को 7-6 , 6-4 से हराया।

एलिना स्वितोलिना की फाइनल में एंट्री, अब शिंजु से मुकाबला

ऑकलैंड टूर्नामेंट

एजेंसी ▶▶| ऑकलैंड

शीर्ष वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने अमेरिकी युवा इवा जोविक को 7-6 (5), 6-2 से हराकर दूसरी बार ऑकलैंड डब्ल्यूटीए टूर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज स्वितोलिना इससे पहले 2024 में भी इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थीं, जिसमें उन्हें अमेरिकी स्टार कोको गॉफ से हार का सामना करना पड़ा था। अब रविवार को होने वाले फाइनल में स्वितोलिना का मुकाबला चीन की सातवीं वरीयता प्राप्त वांग शिंजु से होगा। वांग ने दूसरे सेमीफाइनल में फिलीपींस की चौथी वरीय एलेक्जेंड्रा ईला को 5-7, 7-5, 6-4 से हराया।

बेलिंडा का शानदार प्रदर्शन, पहली बार फाइनल में स्विट्जरलैंड

यूनाइटेड कप

एजेंसी ▶▶| सिडनी

बेलिंडा बेनसिच ने सप्ताह का अपना आठवां मुकाबला जीतते हुए निर्णायक मिश्रित युगल में याकूब पॉल के साथ मिलकर बेल्जियम की एलिस मर्टेंस और जिजू बुर्ग्स की जोड़ी को 6-3, 0-6, 10-5 से हराकर स्विट्जरलैंड को यूनाइटेड कप के फाइनल में पहुंचा दिया। इस टीम स्पर्धा में बेनसिच ने इस सप्ताह अपने चारों एकल मुकाबले और चारों मिश्रित युगल मैच जीतकर शानदार प्रदर्शन किया है। बेनसिच ने इससे पहले मर्टेंस को 6-3, 4-6, 7-6 से हराकर सत्र की अपनी अपराजेय एकल जीत का सिलसिला बरकरार रखा और स्विट्जरलैंड को 1-0 की बढ़त दिलाई। सत्र के अंत में संन्यास लेने जा रहे स्टान वावरिंका को बुर्ग्स ने 6-3, 6-7 (4), 6-3 से हराकर मुकाबला मिश्रित युगल तक पहुंचा दिया। रविवार को खेले जाने वाले फाइनल में स्विट्जरलैंड के सामने अमेरिका और पोलैंड के बीच खेले जा रहे सेमीफाइनल के विजेता की चुनौती होगी।

खबर संक्षेप

कोच जेलेज्नी से अलग हुए चोपड़ा, करार किया खत्म

नई दिल्ली। भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने चेक गणराज्य के दिग्गज कोच जान जेलेज्नी के साथ अपनी साझेदारी को एक ही सत्र के बाद समाप्त करने की घोषणा की। चोपड़ा ने जेलेज्नी के साथ करार खत्म करने का कारण नहीं बताया लेकिन कहा कि यह सफर 'प्रगति, सम्मान और खेल के प्रति साझा लगाव' से भरा रहा। जेलेज्नी के नाम इस खेल का विश्व रिकॉर्ड है और इस प्रतिष्ठित दिग्गज के मार्गदर्शन में चोपड़ा ने पिछले साल पहली बार 90 मीटर का थ्रो फेंका था। चोपड़ा ने अपने अनुभव पर बात करते हुए कहा कि बचपन से जिस एथलीट को वह आदर्श मानते थे, उन्हीं से खेल के गुर सीखना उनके लिए सपना पूरा होने जैसा था और इससे उन्हें 'अभ्यास, तकनीकी विचार और ताजा दृष्टिकोण' का बिलकुल नया टूलबॉक्स मिला।

गेंदबाजी एक्शन को लेकर जमां खान जांच के दायरे में

कराची। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज जमां खान बिग बैश लीग (बीबीएल) के एक मैच के दौरान अपने 'स्लिंगशॉट' गेंदबाजी एक्शन को लेकर जांच के दायरे में आ गए। सिडनी थंडर के लिए 82 रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डेविड

वॉर्नर को बार बार जमां के गेंदबाजी एक्शन पर सवाल उठाते और इस गेंदबाज का सामना करने के बाद मैदानी अंपायर से इस मुद्दे को उठाते देखा गया। पाकिस्तान के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी की जगह ब्रिस्बेन हीट से जुड़े जमां सत्र के अपने पहले मैच में संघर्ष करते नजर आए और उन्होंने तीन ओवर में 32 रन लुटा दिए। जमां की गेंदबाजी पर चिंता व्यक्त करने के बावजूद ब्रिस्बेन हीट ने सात विकेट से जीत दर्ज की। यह घटना पाकिस्तान के एक अन्य तेज गेंदबाज मोहम्मद हसनैन से जुड़े पुराने विवाद की याद दिलाती है।

ऑलराउंडर पूजा वस्त्रकार डब्ल्यूपीएल से बाहर

नवी मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की तेज गेंदबाज ऑलराउंडर पूजा वस्त्रकार हैमस्ट्रिंग (मांसपेशियों) की चोट के कारण मौजूदा महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) से कम से कम दो सप्ताह के लिए बाहर हो गई हैं।

इस 26 साल की खिलाड़ी ने अपना पिछला प्रतिस्पर्धी मैच अक्टूबर 2024 में टी20 विश्व कप में खेला था। उन्हें पिछले साल नवंबर में महिला प्रीमियर लीग की नीलामी में 85 लाख रुपए में खरीदा गया था। उनके इस लीग से वापसी की उम्मीद थी। आरसीबी की मुख्य कोच मालोलन रंगराजन ने कहा, 'पूजा वस्त्रकार मुंबई इंडियंस के खिलाफ चयन के लिए उपलब्ध नहीं थीं।' उन्होंने कहा,' बेंगलुरु स्थित उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) से छुट्टी मिलने से दो सप्ताह पहले दुर्भाग्य से उनकी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया। हमारे पास जो जानकारी है, उसके अनुसार वह दो सप्ताह और वहीं रहेंगी।'

दूसरा वनडे 14 जनवरी को राजकोट और 18 जनवरी को इंदौर में तीसरा वनडे

न्यूजीलैंड टीम में नए और युवा खिलाड़ियों की भरमार

रो-को से बड़ी पारी की आस, आज से न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज

एजेंसी ▶▶| वडोदरा

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में रविवार 11 जनवरी को खेले जाने वाले शुरुआती मैच में भारतीय टीम विराट कोहली और रोहित शर्मा की शानदार लय के साथ आगे बढ़ने की उम्मीद करेगी। न्यूजीलैंड की टीम नए और युवा खिलाड़ियों की भरमार है लेकिन पूरी ताकत के साथ उतर रही भारतीय टीम के लिए रोहित और कोहली के नजरिए से श्रृंखला अहम है। अगले महीने वाली टी20 विश्व कप के कारण वनडे श्रृंखला की अहमियत थोड़ी कम है लेकिन अगले सात दिनों में होने वाले तीन वनडे मैचों में कोहली और रोहित आकर्षण का केंद्र रहेंगे। दोनों दिग्गजों को हाल ही में विजय हजारे ट्रॉफी के लीग चरण में अच्छा मैच अभ्यास मिला है। उन्होंने इस घरेलू टूर्नामेंट में बड़े स्कोर बनाकर यह जता दिया कि उनका दौर अभी खत्म नहीं हुआ है।

जडेजा ने किया पूरे दमखम के साथ अभ्यास

रविंद्र जडेजा ने पूरे दमखम के साथ अभ्यास किया, जिससे उनकी उपलब्धता के संकेत मिले। जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को टी20 प्रतिबद्धताओं के मद्देनजर एकदिवसीय श्रृंखला से आराम दिया गया है। ऐसे में तेज गेंदबाजी का दारोमदार मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा पर रहेगा। कुलदीप यादव, वॉशिंगटन सुंदर और जडेजा स्पिन विभाग संभालेंगे। शाम की ओस और सपाट पिचों की प्रकृति को देखते हुए इस प्रारुप में आक्रामक विकेट लेने की बजाय रन रोकने पर अधिक जोर रहेगा यह पहला मौका होगा जब कोटाम्बी स्थित बड़ौदा क्रिकेट संघ के नए स्टेडियम में पुरुषों का कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले यह मैदान भारत और वेस्टइंडीज के बीच महिला वनडे श्रृंखला की मेजबानी कर चुका है।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, हर्षित

न्यूजीलैंड: माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), डेवोन कॉन्वे , मिचेल हे (विकेटकीपर), निक केली, हेनरी निकोल्स, विल यंग, जोश क्लार्कसन, जैक फॉल्क्स, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, आदित्य अशोक, क्रिस्टियन क्लर्क, काइल जैमीसन, जेडन लेनॉक्स,

खिलाड़ियों ने नेट में बहाया पसीना

तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपनी बल्लेबाजी में सुधार करके वनडे टीम में अपनी जगह पक्की करने के इरादे से न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाली वनडे श्रृंखला से पहले शनिवार को रोहित शर्मा से बल्लेबाजी के टिप्स लिए जबकि ऋषभ पंत को अभ्यास सत्र के दौरान चोट लगने के बाद थोड़ी देर के लिए उपचार लेने की जरुरत पड़ी। रोहित तब नेट के बाहर इंतजार कर रहे थे जब जल्दी बल्लेबाजी करने के लिए उतरे सिराज गेंद को जोर से मारने की कोशिश में चूक गए। भारतीय सलामी बल्लेबाज ने फिर तेज गेंदबाज को कुछ टिप्स दिए।

सैंटनर इंजरी के कारण श्रृंखला से बाहर

नियमित कप्तान मिचेल सैंटनर ग्रोइन इंजरी के कारण वनडे श्रृंखला से बाहर हैं, जबकि टॉम लाथम अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए स्वदेश लौट गए हैं। पूर्व कप्तान केन विलियमसन दक्षिण अफ्रीका में एसए 20 लीग में अपनी टी20 प्रतिबद्धताओं को निभा रहे हैं। रचिन रवींद्र और तेज गेंदबाज जैकब डफी को आराम दिया गया है। पिंडली की चोट से वापसी कर रहे मैट हेनरी टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए टी20 श्रृंखला पर ध्यान दे रहे है। इस दौरान लंबे कद के हरफनमौला काइल जैमीसन और 23 वर्षीय लेग स्पिनर आदित्य अशोक के प्रदर्शन पर भी नजरें रहेंगी। जेडन लेनॉक्स को सैंटनर के समान विकल्प के रूप में टीम में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड टीम में कई नए और अनुभवहीन चेहरों के बीच डेवोन कॉन्वे, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, विल यंग और ग्लेन फिलिप्स जैसे खिलाडियों की मौजूदगी से बल्लेबाजी मजबूत है।

तकदीर में जो होगा उसे कोई मुझसे छीन नहीं सकता: गिल

वडोदरा। टी20 विश्व कप टीम से बाहर किए जाने के बाद भारत के वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि वह चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करते हैं और जब भी मौका मिलेगा अपनी पूरी क्षमता के साथ योगदान देने की कोशिश करेंगे। गिल को अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए नहीं चुना गया लेकिन 26 साल का यह खिलाड़ी खेल के दो अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रारुप में भारत का नेतृत्व करता रहेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के शुरुआती वनडे से पहले गिल ने कहा, ' मैं वहीं हूं, जहां मुझे होना है। मेरी तकदीर में जो लिखा है उसे कोई मुझसे नहीं छीन सकता। एक खिलाड़ी हमेशा यह मानता है कि वह देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देगा। चयनकर्ताओं ने अपना निर्णय लिया है। मैं हमेशा वर्तमान में रहने की कोशिश करता हूं, इससे जीवन आसान हो जाता है।' भारत टी20 विश्व कप से पहले तीन वनडे और पांच टी20 मुकाबले खेलेगा। विश्व कप की शुरुआत सात फरवरी से होगी। गिल ने कहा, जब हमने पिछली बार न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे खेले थे तब मेरा पदार्पण हुआ था और मैं हमेशा उस दिन को संजोकर रखता हूं।' उन्होंने कहा, 'किसी भी प्रारुप को आसान नहीं मानना चाहिए। अगर आप देखें, तो भारतीय टीम ने 2011 के बाद कोई वनडे विश्व कप नहीं जीता है।

डब्ल्यूपीएल

गुजरात जायंट्स ने जीत के साथ किया आगाज

खास बातें

- गुजरात की कप्तान गार्डनर ने 42 गेंद में बनाए 65 रन
- फीबी लिचफील्ड यूपी वॉरियर्ज की तरफ से सर्वोच्च स्कोरर रही

एजेंसी ▶▶| नवी मुंबई

एश्ले गार्डनर की कप्तानी पारी के दम पर गुजरात जायंट्स ने डब्ल्यूपीएल 2026 में जीत के साथ आगाज किया। उसने चौथे सीजन के दूसरे मुकाबले में यूपी वॉरियर्ज को 10 रन से मात दी। डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए मैच में रनों की बारिश देखने को मिली।

एश्ले गार्डनर के 41 गेंद में 65 और अनुष्का शर्मा (44) की आतिशी पारियों से चार विकेट पर 207 रन का स्कोर बनाया। फिर बॉलिंग में एकजुट प्रदर्शन से यूपी को आठ विकेट पर 197 रन पर रोक दिया। उसकी तरफ से फीबी लिचफील्ड ने 78 रन की आतिशी पारी खेली।

यूपी की लैनिंग-लिचफील्ड की बड़ी साझेदारी

लक्ष्य का पीछा करते हुए यूपी ने किरण नवगिरे (1) को पहले ही ओवर में गंवा दिया। वह रेणुका सिंह की गेंद पर बोल्ड हुई। लेकिन कप्तान मेग लैनिंग (30) और लिचफील्ड ने मिलकर टीम को संभाला। दोनों ने ही तेजी से रन जुटाते हुए गुजरात पर दबाव बनाया। दूसरे विकेट के लिए लैनिंग-लिचफील्ड के बीच 70 रन की साझेदारी हुई। लैनिंग 27 गेंद में पांच चौकों से 30 रन बनाने के बाद जॉर्जिया वारहैम की शिकार बनी। यूपी ने हरलीन देओल (0) और दीप्ति शर्मा (1) तीन गेंद में आउट हो गई। इससे यूपी की पारी बेपटरी हुई।

गुजरात जायंट्स की तेज शुरुआत

गुजरात को बेथ मूनी और सॉफी डिवाइन की जोड़ी ने तेज शुरुआत दी. दोनों ने 4.1 ओवर में 41 रन जोड़े। मूनी खुलकर नहीं खेल पाई वह 12 गेंद में 13 रन बनाने के बाद पहले विकेट के रूप में आउट हुई। सॉफी एकलेस्टन को उनका विकेट मिला। डिवाइन ने 20 गेंद में पांच चौकों व दो छक्कों से 38 रन बनाए। उनके जाने के बाद अनुष्का शर्मा और कप्तान गार्डनर ने तीसरे विकेट के लिए तूफानी अंदाज में 103 रन की साझेदारी की। शुरू में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने समय लिया लेकिन एक बार आंखें जमने के बाद उन्होंने रनगति को सुपरफास्ट कर दिया। बअनुष्का 30 गेंद में सात चौकों से 44 रन बनाकर आउट हुई। गार्डनर ने 30 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।

सेमीफाइनल में वांग से हारी सिंधू, टूर्नामेंट में भारत का सफर समाप्त

कुआलालंपुर। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू का शानदार सफर सत्र के पहले मलेशिया ओपन सुपर 1000 के महिला एकल सेमीफाइनल में चीन की वांग झियी से सीधे गेम में हार के साथ समाप्त हो गया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू विश्व नंबर दो खिलाड़ी के दबाव को झेल नहीं पाई और 6-21, 15-21 से हार गई। उन्होंने मुकाबले में कई गलतियों का खामियाजा भुगतना पड़ा पिछले साल अक्टूबर से पैर की चोट के कारण मैदान से बाहर रहीं सिंधू अपना पहला टूर्नामेंट खेल रही थीं। वह दूसरे गेम में एक समय 11-6 की बढ़त के साथ वापसी कर रही थी लेकिन उन्होंने इसे गंवा दिया। इस हार के साथ ही टूर्नामेंट में भारत का सफर भी समाप्त हो गया।

सिंधू ने शुरुआत में प्रतिद्वंद्वी को दी कड़ी चुनौती

सिंधू ने शुरुआत में बेहतर रैंकिंग वाली प्रतिद्वंद्वी को कड़ी चुनौती दी। उन्होंने दमदार शॉट्स लगाए और अपनी लंबी पहुंच का प्रभावी उपयोग किया।

अफ्रीका कप : मोरक्को की सेमीफाइनल में एंट्री, कैमरुन को 2-0 से हराया

एजेंसी ▶▶| रबात

ब्राहिम डियाज के लगातार पांचवें मैच में गोल से मेजबान मोरक्को ने कैमरुन को 2-0 से हराकर 'अफ्रीका कप ऑफ नेशंस' के सेमीफाइनल में जगह बना ली। डियाज ने 27वें मिनट में कॉर्नर से आयूब एल काबी के हेडर को गोल में बदला जबकि इस्माइल सैबरी ने 74वें मिनट में दूसरे गोल के साथ टीम की जीत पक्की कर दी। इससे पांच बार के चैंपियन कैमरुन का सफर सेमीफाइनल में पहुंचने से पहले ही खत्म हो गया।

मोरक्को के सामने बुधवार को सेमीफाइनल में नाइजीरिया और अल्जीरिया के बीच खेले जाने वाले अंतिम आठ मैच के विजेता की चुनौती होगी। क्वार्टर फाइनल के अन्य मुकाबले में सेनेगल ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही माली की टीम को 1-0 से हराया। इस मैच का इकलौता गोल इलिमन नदिये ने 27वें मिनट में किया। साल 2021 की चैंपियन टीम को सेमीफाइनल में आइवरी कोस्ट और मिस्र के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ना होगा।

अंडर19 : सूर्यवंशी ने स्कॉटलैंड के खिलाफ वॉर्म अप मुकाबले में लगाए 9 चौके और 7 छक्के

वैभव ने 192 की स्ट्राइक रेट से जड़े 96 रन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वैभव सूर्यवंशी का अंडर 19 वर्ल्ड कप से पहले जबरदस्त खेल जारी है। उन्होंने टीम इंडिया के पहले वॉर्म अप मुकाबले में स्कॉटलैंड के खिलाफ 96 रन की आतिशी पारी खेली। वैभव सूर्यवंशी ने ओपन करते हुए 50 गेंद का सामना किया और नौ चौके व सात छक्के उड़ाए। उनकी स्ट्राइक रेट 192 की रही। सूर्यवंशी का यह लगातार तीसरा फिफ्टी प्लस स्कोर रहा।

इससे पहले साउथ अफ्रीका दौरे पर तीन वनडे की सीरीज में भी उन्होंने धूम मचाई थी। सूर्यवंशी और कप्तान आयुष म्हात्रे ने भारत के लिए ओपनिंग की। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए सात ओवर में 70 रन की साझेदारी हुई। कलाई की चोट से उबर कर लौटे म्हात्रे ने 19 गेंद खेली और चार चौकों से 22 रन बनाए। सूर्यवंशी ने छक्का लगाकर 27 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। उनके और एरॉन वर्गीज के बीच दूसरे विकेट के लिए 78 रन की पार्टनरशिप हुई। मनु सारस्वत की गेंद को उड़ाने की कोशिश में सूर्यवंशी आउट हुए।

वर्गीज,मल्होत्रा और कुंडु ने लगाए अर्धशतक

सूर्यवंशी के अलावा वर्गीज (61), विहान मल्होत्रा (77) और अभिज्ञान कुंडु (55) ने भी अर्धशतक लगाया। इससे टीम इंडिया ने 350 रन का आंकड़ा पार किया और आठ विकेट पर 374 रन का स्कोर बनाया। भारत का अगला वॉर्म अप मुकाबला 12 जनवरी को न्यूजीलैंड के साथ है।

वैभव ने साउथ अफ्रीका दौरे पर मचाया था धमाल

इससे पहले सूर्यवंशी ने साउथ अफ्रीका दौरे पर 11, 68 और 127 रन की पारियां खेली थी। वह पहले मुकाबले में ज्यादा कुछ नहीं कर पाए लेकिन अगले दो मैचों में उनका तूफानी प्रदर्शन देखने को मिला। आखिरी वनडे में सूर्यवंशी ने केवल 74 गेंद में 127 रन कूट दिए थे। तब उन्होंने नौ चौके व 10 छक्के लगाए। सूर्यवंशी ने आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने के बाद से कमाल का प्रदर्शन किया है। वे तब सबसे कम उम्र में इस लीग में खेलने और शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने। इसके बाद उन्होंने अंडर 19 टीम इंडिया के लिए इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी तूफानी पारियां खेली थी। हाल ही में बिहार की तरफ से खेलते हुए विजय हजारे ट्रॉफी में उन्होंने 190 रन की पारी खेली थी।

बड़ा हादसा टला, जबलपुर कटनी-सिंगरौली रेलखंड में हड़कंप

कोयला लदी मालगाड़ी का ब्रेक फेल, उल्टी दौड़ी गाड़ी

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर रेल मंडल अंतर्गत कटनी-सिंगरौली रेलखंड पर गत दिवस एक बड़ा रेल हादसा टल गया। सिंगरौली से एनकेजे (न्यू कटनी जंक्शन) आ रही कोयला लदी मालगाड़ी मड़वासग्राम स्टेशन के पास अचानक ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित हो गई। ढलान होने के कारण गाड़ी करीब 300 मीटर पीछे की ओर लुढक़ गई, जिससे हड़कंप मच गया। रेलवे अधिकारियों द्वारा मालगाड़ी के वैगन व इंजन को एनकेजे में खड़ा कराया गया है. यहां इनकी जांच की जा रही है।

बताया जाता है कि मालगाड़ी को मड़वासग्राम स्टेशन पर लोको पायलट गुड्स द्वारा रोका गया था. ट्रेन रोकने के कुछ दूर बाद ही अचानक ढलान होने के कारण मालगाड़ी पीछे की ओर लुढ़कने लगी.

मालगाड़ी में कुल 56 वैगन थे। मालगाड़ी को ब्रेक फेल होते ही चालक और गार्ड ने सूझबूझ दिखाते हुए बार-बार ब्रेक लगाए। इसके बाद लाइन पर गिट्टी रखकर गाड़ी को रोकने का प्रयास किया गया, जिससे संभावित डिरेलमेंट टल गया। हालांकि इस दौरान रेल लाइन का प्वाइंट भी टूट गया।

बड़ा हादसा टला

रेलवे सूत्रों के मुताबिक यदि गाड़ी और अधिक पीछे लुढक़ती तो डिरेल होने की पूरी आशंका थी. राहत की बात यह रही कि समय रहते स्थिति पर नियंत्रण पा लिया गया और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई. यदि ट्रेक पर पीछे कोई यात्री ट्रेन होती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

डीआरएम ने जांच कमेटी गठित की

घटना की गंभीरता को देखते हुए जबलपुर मंडल द्वारा कनिष्ठ प्रशासनिक वर्ग के अधिकारियों की जांच कमेटी गठित कर दी गई है। सूचना मिलते ही सीनियर डीएसओ अमित साहनी और सीनियर डीओएम अजय शुक्ला सडक़ मार्ग से मड़वासग्राम पहुंचे और मौके पर जांच शुरू की। बताया गया है कि इंजन संख्या 27192 (खडग़पुर शेड) से संबंधित ब्रेक सिस्टम की जांच की जाएगी। इसके साथ ही वैगनों की विशेष जांच भी एनकेजे में शुरू कर दी गई है।

लोड डिस्पैच सेंटर जबलपुर की तैयारी परखी

जल विद्युत गृह का ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल किया गया

जबलपुर। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) के 132 केवी करेरा (शिवपुरी)सबस्टेशन के माध्यम से मड़ीखेड़ा जल विद्युत गृह का ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल सफलतापूर्वक किया गया। यह अभ्यास ग्रिड फेलियर की स्थिति में विद्युत आपूर्ति की त्वरित बहाली सुनिश्चित करने एम पी ट्रांसको के स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर जबलपुर द्वारा की जा रही तैयारियों के अंतर्गत किया गया। अभ्यास के दौरान मड़ीखेड़ा जल विद्युत गृह की ब्लैक स्टार्ट क्षमता का सफलतापूर्वक परीक्षण हुआ तथा 132 केवी करेरा सबस्टेशन के माध्यम से विद्युत का क्रमबद्ध रूप से ट्रांसमिशन किया गया।यह मॉक ड्रिल प्रदेश की ट्रांसमिशन,जेनरेशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के मध्य समन्वय के के कारण संभव हुई।

सुरक्षा मानकों के तहत माक ड्रिल

एमपी ट्रांसको स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर जबलपुर के मुख्य अभियंता राजेश गुप्ता ने बताया कि ब्लैक स्टार्ट माकड्रिल के दौरान स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर जबलपुर और सबस्टेशन पर संपूर्ण प्रक्रिया की सतत निगरानी के साथ सभी निर्धारित सुरक्षा एवं परिचालन मानकों का पालन सुनिश्चित किया गया। मॉक ड्रिल से आपातकालीन परिस्थितियों में मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी), संचार व्यवस्था, कार्मिकों की तकनीकी दक्षता, तत्परता एवं रिस्पांस टाइम की भी प्रभावी परख की गई।

संवेदनशीलता : रेलवे चिकित्सकों ने राइल्स ट्यूब बदला

चलती ट्रेन में बुजुर्ग यात्री को मिला जीवनरक्षक सहयोग

जबलपुर। मुख्य रेल्वे स्टेशन पर जबलपुर रेल मंडल ने शनिवार की सुबह रेल्वे कर्मचारियों, अधिकारियों ने एक बार फिर संवेदनशीलता और तत्परता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। शनिवार को प्रातः रेल मदद (139) के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि जबलपुर मुख्य रेल्वे स्टेशन पर गोरखपुर जंक्शन से मुंबई लोकमान्य तिलक टर्मिनस जा रही गाड़ी संख्या 11082 के कोच एस-8 में यात्रा कर रहे एक 70 वर्षीय पैरालिसिस से पीड़ित बुजुर्ग यात्री रामजी विश्वकर्मा को यात्रा के दौरान गंभीर स्वास्थ्य समस्या उत्पन्न हो गई है। उनका राइल्स ट्यूब निकल जाने के कारण वे भोजन एवं पानी ग्रहण करने में असमर्थ हो गए हैं। इस स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मंडल के रेल अधिकारियो द्वारा संबंधित यात्री और उसके परिजनों को उपचार हेतु उतरने का सुझाव दिया गया, किंतु परिजनों द्वारा यह बताया गया कि अगले दिन सुबह मुंबई के एक अस्पताल में चिकित्सकीय अपॉइंटमेंट निर्धारित है, अतः वे यात्रा जारी रखना चाहते हैं।

इस पर यात्री की तकलीफ को समझते हुए जबलपुर स्टेशन पर तैनात वाणिज्य विभाग के उप स्टेशन प्रबंधक बलवंत द्वारा तुरंत मानवीय पहल करते हुए स्थानीय बाजार से राइल्स ट्यूब की व्यवस्था कराई गई। इसके उपरांत स्टेशन पर डॉ. पंकज पुरोहित एवं नर्सिंग स्टाफ अतुल द्वारा लगभग 20 मिनट के चिकित्सकीय प्रयास के बाद सफलतापूर्वक राइल्स ट्यूब लगाया गया। इस त्वरित एवं समन्वित प्रयास से बुजुर्ग यात्री को तत्काल राहत मिली और परिजनों ने रेलवे प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

चाकू से हमले में युवक गंभीर, 4 आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। संजीवनी नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत धनवंतरी नगर चौकी के परसवाड़ा क्षेत्र में 6 बदमाशों ने दो युवक पर लाठी डंडों और धारदार हथियार से प्राणघातक हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया, घटना में घायल हुआ युवक अपने दोस्त के साथ खाना खाने के बाद घर के बाहर टहलने के लिए निकला हुआ था इसी दौरान बाइक में आए बदमाशों ने पता पूछने की बात को लेकर चाकुओं से हमला कर युवक को गंभीर रूप से घायल कर दिया, घटना को अंजाम देने वाले आरोपी मोहल्ले के ही शातिर बदमाश फरार हो गए। घायल युवक को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। परिजनों के मुताबिक परसवाड़ा निवासी विकास चौधरी परसवाड़ा खाना खाने के बाद नाले के पास परसवाड़ा में बैठा था, तभी बेखौफ बदमाश सतपाल ठाकुर, शरद ठाकुर, सौरभ ठाकुर, सोनू बर्मन, ने पता पूछने की बात पर चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।

धोखाधड़ी : ट्रक एक्सीडेंट की कहानी रची

झारखंड के लिए निकला अनार रास्ते में बेच दिया

हरिभूमि जबलपुर।

गुजरात से झारखंड के लिए 1 हजार 195 बॉक्स अनार भेजने के लिए गुजरात के व्यापारी ने जबलपुर के गुरुकृपा ट्रांसपोर्ट से ट्रक रवाना किया, लेकिन ट्रक चालक ने माल सही जगह नहीं पहुंचाया और पता करने पर ट्रक का एक्सीडेंट होना बता दिया। मामलें की जब जांच की गई तब पता चला कि जिस जगह पर घटना होना बताई गई थी वहां कोई घटना नहीं हुई थी। पुलिस ने व्यापारी की शिकायत पर तीन आरोपियों के खिलाफ अमानत में ख्यानत का प्रकरण दर्ज कर लिया है।

शहपुरा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार धरती फल मंडी शेख पीर चौक भुज गुजरात निवासी 48 वर्षीय ट्रांसपोर्ट व्यापारी बलकार सिंह भट्टी द्वारा गत 12 दिसंबर 2025 को 1 हजार 195 बाक्स अनार के भरकर झारखंड भेजा जाना था। व्यापारी बलकार सिंह भट्टी ने सिंधु भट्टी भुज गुजरात ट्रांसपोर्ट के द्वारा जबलपुर में श्री गुरूकृपा ट्रांसपोर्ट के संचालक ओमकार पटैल के माध्यम से उक्त माल को गुजरात से झारखण्ड ट्रांसपोर्ट करने हेतु ट्रक क्रमांक एमएच 40 सीटी 3732 लगाया था। गाड़ी मालिक तुषाय कुशवाहा ,चालक आफताब खान एवं क्लीनर दानिश था। दिनांक 11 दिसंबर 2025 को रात लगभग 10 बजे उक्त ट्रक में 1 हजार 195 अनार बाक्स को भरवाकर उसने अपने सिंधु भट्टी भुज गुजरात ट्रांसपोर्ट से झारखंड के लिये रवाना किया। दिनांक 16 दिसंबर 2025 को उक्त ट्रक के चालक आफताब खान ने जानकरी दी कि जिस ट्रक पर अनार लादकर भेजा गया था जो दिनांक 13 दिसंबर 2025 की रात को पाटन ब्रिज के पास हाईवे रोड शहपुरा में रात के समय गाय के सामने आ जाने के कारण ट्रक अनियंत्रित होकर गड्ढे में चला गया जिससे गाड़ी में नुकसान हुआ है तथा गाड़ी में लोड अनार गिर कर बिखर गये, घटना की सूचना मिलने पर उसने लोकल ट्रांसपोर्ट से जानकारी प्राप्त की जहां से उसे जानकारी मिली कि ट्रक पर लदे हुये 1 हजार 195 बाक्स अनार जहां पर पहुंचाये जाने थे वहां पर नहीं पहुंचाये गये उसके द्वारा ट्रक मालिक तुषाय से सम्पर्क करने पर पता चला कि जिस ट्रक पर अनार के बाक्स लदे थे उसका एक्सीडेंट हो गया है ट्रक पलटने से अनार के 1 हजार 195 बाक्स में से केवल 345 अनार के बाक्स बचे हैं बाकी के 850 अनार के बाक्स खराब हो गये हैं। उक्त घटना की जानकारी लेने व्यापारी जबलपुर आया उसे पता चला कि जिस जगह पर उसे एक्सीडेंट की घटना बतायी थी, वहॉ किसी प्रकार के कोई ट्रक पलटने या एक्सीडेंट नहीं होना पाया गया, उसे पता चला कि ट्रक मालिक तुषाय कुशवाह, ट्रक डाईवर आफताब खान एवं क्लीनर दानिश ने मिलकर ट्रक में लोड 850 बॉक्स अनार सुनियोजित तरीके से किसी और को बेच दिया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 316(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

बरेला शारदा मंदिर के समीप सुबह-सुबह घटी दुर्घटना

ट्राले और कंटेनर में भिडंत, लंबा जाम लगा

जबलपुर। बरेला थानांतर्गत शारदा मंदिर के समीप शनिवार की सुबह एक तेज रप्तार ट्राला और कंटेनर के बीच हुई टक्कर के फलस्वरूप जहां कंटेनर का चालक घायल हो गया वहीं जबलपुर – मंडला मार्ग पर दोनों ओर लंबा जाम लग गया था। कडी मशक्कत के बाद पुलिस ने दोनों वाहनों को सडक से किनारे कर पुनः यातायात सामान्य कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बरेला शारदा मंदिर के पास शनिवार की सुबह सुबह सरिया लादकर जा रहे ट्राले और कंटेनर में साधी भिडंत हो गई। इस दौरान जबलपुर से मंडला की ओर जाने वाली सडक पर लंबा जाम लग गया था। सूचना पाकर पुलिस दल मौके पर पहुंचा और कंटेनर के घायल चालक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया तथा दोनों वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात पुनः बहाल कराया। प्रत्यक्षर्शियों के मुताबिक सुबह सुबह इस मार्ग पर यातायात का दबाव कम होने के कारण बडा हादसा टल गया ।

मकर संक्रांति व नर्मदा जन्मोत्सव पर गौरीघाट स्टेशन में 8 गाडियों का हाल्ट

जबलपुर। नर्मदा तट गौरीघाट पर मकर संक्रांति, नर्मदा जन्मोत्सव व बसंत पंचमी पर भरने वाले मेले में बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 8 ट्रेनों का अस्थायी हाल्ट घोषित किया है। दक्षिण-पूर्व-मध्य रेलवे बिलासपुर जोन ने इस संबंध में एक आदेश जारी कर दिया है। साथ ही जिन गाडियों का हाल्ट दिया गया है, उसकी तारीख, समय व विस्तृत समय सारिणी भी जारी की है। जारी आदेश में 13 जनवरी से 15 जनवरी तक फिर बसंत पंचमी के अवसर पर 22 जनवरी से 26 जनवरी तक हाल्ट रहेगा।

धूप से ठंड से राहत, शाम ढलते ही चली शीतलहर

पश्चिमी विक्षोभ : दिन के तापमान में आया उछाल

जबलपुर। उत्तर भारत में हुए हिमपात के कारण समूचा पश्चिमी मध्यप्रदेश शीतलहर की गिरफ्त में आ गया है। शनिवार को सुबह से लेकर दोपहर तक अच्छी धूप निकली रही जिससे लोगों को ठंड से राहत मिली। लेकिन शाम ढलते ही शीतलहर चलने लगी थी।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के प्रवक्ता ने बताया कि पिछले दिनों उत्तर भारत में हुए हिमपात की वजह से शहर बर्फीली हवाओं की चपेट में आ गया। इस कारण कड़ाके की ठंड महसूस की जा रही है। पश्चिमी विक्षोभ के बाद तापमान में आंशिक वृद्धि हुई है जिससे लोगों को ठंड से हल्की राहत मिली हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान पिछले 24 घंटों के दौरान 26.2 डिग्री सेल्सियस समान्य से 2 डिग्री अधिक रिकार्ड किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 09.04 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जो सामान्य से 1 डिग्री कम रहा। हवा मे नमी प्रातःकाल 77 प्रतिशत और सायंकाल 46 प्रतिशत दर्ज की गई। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 23.7 और न्यूनतम 11.06 तापमान दर्ज किया गया। सूर्यउदय 6.54 और सूर्यास्त 5 .43 बजे हुआ। प्रदेश में सबसे कम 3.8 डिग्री तापमान खजुराहो में दर्ज किया गया। अगले 24 घंटे के दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना है। उत्तरी पूर्वी हवाएं 3 से 4 घंटे की प्रतिरफ्तार से चली।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No.: MPHIN/2008/24240

चेक बाउन्स के मामले पर जिला अदालत का आदेश

फरार डायरेक्टर के खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी

हरिभूमि जबलपुर।

चेक बाउन्स के 8 साल पुराने मामले में जिला अदालत ने एक रियल्टी कंपनी के डायरेक्टर के लगातार गैरहाजिर रहने को गंभीरता से लेते हुए न सिर्फ उसे फरार घोषित किया, बल्कि उसके खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी करने के भी निर्देश दिए हैं। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी राखी साहू की अदालत ने बार-बार जारी नोटिस के तामील न होने के मद्देनजर यह आदेश दिया।

आवेदक धर्मेन्द्र शर्मा व अन्य की ओर से दायर इस मामले में कहा गया है कि उन्होंने दो प्लॉट को खरीदने का अनुबंध राइट टाउन में स्थित आईजीआईएस रियल्टी प्रा. लि. कंपनी के डायरेक्टर विपिन तिवारी से वर्ष 2016 में किया था। इसके लिए आवेदकों ने विपिन तिवारी को 6-6 लाख (कुल 12 लाख) रुपए का भुगतान किया था। डायरेक्टर द्वारा लगातार की जा रही टालमटोली से तंग आकर आवेदकों ने प्लॉट खरीदने से मना कर दिया और दी गई राशि वापस मांगी। कंपनी के डायरेक्टर विपिन तिवारी

ने आवेदकों को 6-6 लाख रुपए के दो चेक दिए। बेंक में पेश किए जाने पर दोनों ही चेक बाउन्स हो जाने पर यह मामला जिला अदालत में वर्ष 2017 में दाखिल किया गया था।

मामले पर हुई सुनवाई के दौरान आवेदक की ओर से अधिवक्ता अतुल जैसवानी हाजिर हुए। अदालत ने पाया कि कंपनी के डायरेक्टर विपिन तिवारी के खिलाफ लगातार वारंट जारी होने के बाद भी वह हाजिर नहीं हुआ है। इसे गंभीरता से लेते हुए अदालत ने विपिन तिवारी के खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी करने के निर्देश दिए।

कुल्हाड़ी मारकर हत्या करने वाले को आजीवन कारावास

जबलपुर। अपर सत्र न्यायाधीश ओमप्रकाश रजक की अदालत ने कुल्हाड़ी हत्या के आरोपित जबलपुर निवासी कल्याण सिंह का दोष सिद्ध पाया। इसी के साथ उसे आजीवन कारावास की सजा सुना दी। साथ ही साढ़े तीन हजार रुपये जुर्माना लगाया। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक संदीप जैन ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि चरगवां के ग्राम हीरापुर में विवाद होने की सूचना पर पहुंची पुलिस को पन्नालाल ने बताया था कि उसकी चचेरी बहन गुड्डी बाई का विवाह आरोपित कल्याण सिंह के साथ हुआ था। गुड्डी बाई की पुत्री भागवती ग्राम कोहली निवासी अमलेश के साथ भाग गई थी। जिस बात को लेकर आरोपित कल्याण सिंह उसे अर्थात गुड्डी बाई को परेशान करता था। 28 दिसंबर, 2020 को आरोपित कल्याण सिंह ने गुड्डी बाई के साथ मारपीट की थी। उसके बाद कल्याण सिंह के पुत्र शिवम ने फोन कर बताया कि उसके पिता कल्याण सिंह दवाई पीकर लेटे है, जो उठ नहीं रहे। जिसके बाद पन्नालाल अपनी पत्नी कल्लू बाई, बहू अंजना बाई, पन्नालाल का चाचा रज्जू, चाची पार्वती बाई तथा पन्नालाल की चचेरी बहन गुड्डी बाई, ग्राम हीरापुर स्थित आरोपित कल्याण सिंह के घर पहुंचे। जिनकी आवाज सुनकर आरोपित घर से बाहर आया और गालीगलौज करने लगा। इसके बाद अंदर से कुल्हाड़ी लेकर आया सभी पर हमला कर दिया। जिसके बाद पीड़ित पक्ष अपनी जान बचाकर यहां वहां भागे, उसी दौरान आरोपित कल्याण सिंह ने रज्जू सिंह की गर्दन पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। शिकायत पर पुलिस ने हत्या सहित अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर अदालत के समक्ष चालान पेश किया था। विचारण उपरांत न्यायालय ने कल्याण सिंह को उक्त सजा से दंडित किया।

स्वामी विवेकानंद जयंती अंतर्गत युवा सप्ताह में हुआ नशा मुक्ति कार्यक्रम

सिहोरा। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिहोरा में विवेकानंद जयंती युवा दिवस सेवा सप्ताह के अंतर्गत नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन डॉक्टर धीरेंद्र बघेल के नेतृत्व में एन एस एस एवं युवा रेड क्रॉस क्लब द्वारा आयोजित किया गया। नशा मुक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा नशा मुक्ति पर पोस्टर बनाए गए। इसी कार्यक्रम में नशा मुक्ति पर एक व्याख्यान माला का आयोजित किया गया सर्वप्रथम डॉक्टर बघेल ने विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने की हिदायत दी। नशा व्यक्ति की सोचने समझने की ताकत छीन लेता है और देश के युवाओं का भविष्य बर्बाद कर रहा है इससे हमें दूर रहना है। इस अवसर पर डॉक्टर मीनाक्षी डॉ.सुदेश कुमार महरौलिया एवं सुश्री सुषमा मरावी ने अपने विचार रखें।

सरस्वती शिशु मंदिर उमावि गढ़ा में विद्वत परिषद सम्मेलन आज

जबलपुर। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गंगानगर गढ़ा में विद्वत परिषद सम्मेलन आज 11 जनवरी को जगतगुरु नरसिंह देवाचार्य महाराज के सान्निध्य में आयोजित है, जिसके मुख्य अतिथि राकेश सिंह कैबिनेट मंत्री मप्र, मुख्य वक्ता अमित दवे प्रांत संगठन मंत्री महाकोशल प्रांत, विशिष्ट अतिथि डॉ. सुधीर अग्रवाल प्रादेशिक सचिव महाकोशल प्रांत होंगे। कार्यक्रम में गढ़ा शिक्षा समिति के समस्त पदाधिकारीगणों ने समस्त गढ़ा क्षेत्र के विद्वानजनों को आमंत्रित किया है।

महर्षि पत्रकारिता सम्मान समारोह कल

हरिभूमि जबलपुर के संपादकीय प्रभारी योगेश गुप्ता होंगे सम्मानित

जबलपुर। विश्व के 200 से अधिक देशों में भारतीय आध्यात्म एवं भावातीत ध्यान के जनक, नर्मदा की माटी के गौरव पुत्र महर्षि महेश योगी की 107वी जयंती पर पूरी दुनिया में धूमधाम से आयोजन किये जा रहे हैं। इसी क्रम में पिछले 25 वर्षों से सकारात्मक पत्रकारिता के लिये निरंतर जारी 'महर्षि पत्रकारिता सम्मान समारोह' इस वर्ष भी 12 जनवरी को अपराह्न 1 बजे शहीद स्मारक परिसर में आयोजित किया जा रहा है। सम्मान समारोह में हरिभूमि जबलपुर के संपादकीय प्रभारी योगेश गुप्ता को महर्षि पत्रकारिता सम्मान से पुरुस्कृत किया जायेगा। चयन समिति के डॉ. पंकज शुक्ला, मनीष गुप्ता, व्ही. के. सिन्हा, अविनाश दीक्षित के चयन अनुसार लाईफ टाईम अचीवमेंट अवार्ड इस वर्ष वरिष्ठ पत्रकार विपल्व अग्रवाल व उज्जवल शुक्ला को प्रदान किया जायेगा। वहीं देवेन्द्र केशरवानी, अमित चौरसिया, विवेक दुबे, अभिशंकर नागाईच, योगेश गुप्ता, विकास तिवारी, नीरज मिश्रा, मनीष दुबे, फोटोग्राफर शंकर विश्वकर्मा, फोटोग्राफर अमित सहित इलेक्ट्रोनिक्स मीडिया से मिस्टर डेविड एवं मैडम भाटिया आदि को प्रदान किया जायेगा। कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, युवा समाजसेवी बाबू विश्वमोहन, महापौर जगत बहादुर 'अन्नू', पूर्व विधायक नित्यनिरंजन खम्परिया, उद्योगपति कैलाश गुप्ता उपस्थित रहेंगे। महर्षि संस्थान के संस्थापक जादूगर एस. के. निगम ने बताया कि मुख्य वक्ता के रूप में हिन्दी एक्सप्रेस के रविन्द्र बाजपेई मार्गदर्शन करेंगे। आयोजन समिति के विजय जयसवाल, आर. के. टेहनगुरिया, विंग कमांडर चंदन शर्मा, पूर्व न्यायाधीश मीना भट्ट, प्रतुल श्रीवास्तव, मोहित ओबेराय, राजेश पाठक, राजीव गुप्ता, मुन्ना गुजर आदि ने उपस्थिति की अपील की हैं।

खटवानी किआ शोरुम में हुआ एसयूवी ऑल न्यू सेलटॉस का लॉन्चिग समारोह

जबलपुर। खटवानी किआ के नए करमेता शोरूम में लोकप्रिय एसयूवी ऑल न्यू सेलटॉस का भव्य लॉन्च हुआ। इस अवसर पर खटवानी किआ के संचालक श्री रोहित खटवानी ने बताया कि पिछले 6 वर्षों में जबलपुर में 7,500 से अधिक संतुष्ट किआ ग्राहक बनाकर कंपनी ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। GM श्री शरद शर्मा ने कहा कि नई SELTOS अपनी श्रेणी में सबसे लंबी SUV है और इसमें 24 स्टैंडर्ड सेफ्टी फीचर्स, 18 इंच एलॉय व्हील्स, 30 इंच ट्रिनिटी पैनोरमिक डिस्प्ले, 10-वे एडजस्टेबल ड्राइवर सीट और ADAS लेवल 2 के अंतर्गत 21 सेफ्टी फीचर्स उपलब्ध हैं। मुख्य अतिथि श्री अभिलाष पांडे, विधायक जबलपुर पूर्व ने नई SELTOS का लोकार्पण किया। मध्यप्रदेश की पहली कार डॉ. सुरेश पटेल और शुभमय जैन को दी गई। खटवानी ग्रुप ने नववर्ष के अवसर पर सभी SUV मॉडल पर नए ग्राहकों के लिए आकर्षक उपहार, फाइनेंस और एक्सचेंज सुविधा की घोषणा की। लॉन्चिंग में ग्राहक नई SELTOS की डिज़ाइन और सुविधाओं से काफी प्रभावित नजर आए।

महापौर, अध्यक्ष, एमआईसी सदस्य तथा जनसंगठनों ने पुलिया का किया निरीक्षण

गोहलपुर पुलिया की कुल चौड़ाई 80 फीट होगी

जबलपुर। गोहलपुर पुलिया के चौड़ीकरण हेतु तीन करोड़ 54 लाख का टेंडर जारी हुआ है, महत्वपूर्ण यह है कि इस पुलिया का 80 फुट तक चौड़ीकरण होगा, जिससे आये दिन हो रही जाम की स्थिति से राहत मिलेगी। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने 10 जनवरी को अध्यक्ष रिंकू विज तथा एमआईसी सदस्यों के साथ गोहलपुर पुलिया का मौके पर निरीक्षण किया। इस अवसर पर नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच तथा भारतीय वरिष्ठ नागरिक एसोसियेशन के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने बताया कि टेंडर की अवधि एक माह की रखी गई है उसके पश्चात मार्च माह में कार्य का भूमि पूजन कर इस नये पुल का लोकार्पण जून में किया जाएगा। डॉ. पीजी नाजपांडे ने बताया कि पूर्व में 06 टेंडर जारी हो चुके थे जिनमें वॉटर सप्लाई की पाइप लाइनों की अड़चनों के कारण टेंडर पर काम नहीं हुआ, लेकिन इस अवरोध को टाला गया है। इस अवसर पर टीके रायघटक, संतोष श्रीवास्तव, अर्जुन कुमार, लखनलाल प्रजापति, सुशीला कनौजिया, कुंदनसिंह नेगी, मोहम्मद हारून, पीएस राजपूत तथा राममिलन शर्मा ने नये टेंडर पर खुशी जाहिर करते हुए उम्मीद जताई है कि आगामी छह माह के भीतर गोहलपुर पुलिया की समस्या हमेशा के लिए दूर हो जाएगी।

भाटादोन में कांग्रेस का मिलन समारोह आयोजित

सिहोरा। ग्राम भाटादोन मे प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार एवं जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव के मार्गदर्शन में एवं विधानसभा प्रभारी देवी सिंह चौहान की उपस्थिति में संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने हेतु बिहारी पटेल अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस सिहोरा के संयोजन में कार्यकर्ता मिलन समारोह एवं वन भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सभी कांग्रेस जनों ने अतिथियों का स्वागत किया। मिलन समारोह मे संगठन सृजन के अंतर्गत जिन मुख्य विंदुओं पर चर्चा की गई उसमें मंडलम एवं पंचायत स्तर पर मजबूत कमेटियों के साथ नगर पालिका क्षेत्र में वार्ड कमेटियों का गठन करने के साथ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का गठन,महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना सहित बी,एल,ए,पुनर्गठन पर चर्चा की गई। मिलन समारोह मे आगामी लक्ष्यों हेतु कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा प्रदान करने हेतु विचार विमर्श किया इस अवसर पर अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्टेशन चेकिंग के दौरान जीआरपी चौकी मदनमहल ने पकड़ी अंग्रेजी शराब

जबलपुर। पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर शिमाला प्रसाद के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर भावना मरावी के दिशा निर्देशन में उप पुलिस अधीक्षक रेल अंकिता सुल्या के मार्गदर्शन में एवं थाना प्रभारी जीआरपी थाना जबलपुर संजीवनी राजपूत के कुशल नेतृत्व में जीआरपी मदनमहल में गठित टीम द्वारा दिनाँक 09.01.2026 को ट्रेनों में व स्टेशनों में चोरी करने वाले अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष धरपकड़ अभियान व स्टेशन चेकिंग के दौरान मुखबिर से प्राप्त सूचना पर रेलवे स्टेशन मदनमहल के प्लेटफार्म नं. 04 स्लैब ब्रिज के पास आरोपी अंशु रायकवार पिता गौरीशंकर रायकवार उम्र 19 साल निवासी ग्राम चितुवा थाना चिरूला जिला दतिया (मध्यप्रदेश) को पकड़ा गया, जिसके कब्जे से 24 नग (हाफ) शीशी प्रत्येक 375 एमएल की कुल 09 लीटर अंग्रेजी शराब पेंटागान गोल्ड एडीशन कंपनी की कुल कीमती 8640/- रूपये की अवैध रूप से रखे पाये जाने पर मौके पर विधिवत जब्ती की गई। आरोपी से शराब के परिवहन (लाने ले जाने के संबंध में) पूछताछ की जा रही है। आरोपी का कृत्य अपराध धारा 34 आबकारी एक्ट के अंतर्गत पाये जाने से आरोपी के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर मामले की विवेचना की जा रही है। उक्त कार्यवाही में चौकी प्रभारी सउनि जे.एस. धुर्वे, प्र.आर. 281 विनोद तिवारी, आरक्षक 03 मनीष शर्मा, आर. 315 विमलेश ठाकुर की सराहनीय भूमिका रही।

सहायिकाओं को संगठन ने बांटे गर्म कपड़े

जबलपुर। ठंड के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन द्वारा शालाओं में कार्यरत सहायिकाओं को गर्म/ऊलन वस्त्र वितरित किए गए। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि कड़ाके की ठंड में सुबह से शाम तक विद्यालयों में बर्तन साफ करने, भोजन वितरण व साफ-सफाई जैसे कार्य करने वाली सहायिकाओं को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। गर्म कपड़ों के अभाव में उनके स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए संगठन ने यह सेवा कार्य किया, जिससे उन्हें ठंड से राहत मिल सके। इस अवसर पर संगठन के कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

आलगोडा में मारुति नंदन महायज्ञ की पूर्णाहुति आज

सिहोरा। निकटवर्ती ग्राम आलगोडा में आयोजित सप्त दिवसीय श्री मारुति नंदन महायज्ञ का पूर्णाहुति के साथ ही आज समापन होगा। ग्राम में आयोजित हो रहे यज्ञ में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। 1008 श्री सुरेन्द्र दास जी महाराज की अगुआई में चल रहे यज्ञ में प्रतिदिन पंडित हेमंत पांडे वृंदावन धाम द्वारा प्रवचनों की अमृत वर्षा की जा रही है इसमें यज्ञाचार्य पूज्य गुरुदेव हरिहर महाराज है। आज समापन होने वाले यज्ञ में आलगोडा के साथ निकटवर्ती दर्जनों ग्रामों के भक्त गण पहुंचकर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। सोमवार को विशाल कन्या भोजन एंव भंडारे का आयोजन किया गया है।

विश्व हिन्दी दिवस पर हुई अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

जबलपुर। हिन्दी विभाग, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय महाकौशल कॉलेज जबलपुर द्वारा विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर "वैश्विक परिदृश्य में हिन्दी : भाषा, साहित्य और तकनीक" विषय पर अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन हाइब्रिड मोड में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. पुष्पिता अवस्थी तथा मुख्य वक्ता डॉ. संदीप अवस्थी और डॉ. निशा गिरि रहे। वक्ताओं ने हिन्दी के वैश्विक विस्तार, साहित्य के योगदान एवं तकनीक व एआई में हिन्दी की भूमिका पर प्रकाश डाला। तकनीकी सत्र में लगभग 20 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी ने हिन्दी के शुद्ध प्रयोग पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तृप्ति उकास ने किया तथा आभार प्रदर्शन लल्ला बाई लोधी ने किया।

पोंडा तहसील के ग्राम पोड़ी कला का मामला

प्रशासन ने गरीब के आवास पर बुलडोजर चलाकर छीना आशियाना

सिहोरा। महंगाई के दौर में पूरी जमा-पूंजी लगाने के बाद भी अपने सपनों का आशियाना खड़ा करने जैसे मुश्किल काम को आसान करते हुऐ केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित योजना प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) ने लोगों के सपनों को तो सकार कर दिया लेकिन प्रशासन के नुमाइंदे ही सपनों के घरोंदों का जमींदोज करने उतारु है।मामला पोंडा. तहसील अन्तर्गत ग्राम पोंडीक़ला है । जहां गत दिवस राजस्व अमले ने पी एम आवास स्वामी की अनुपस्थिती में न केवल बुलडोजर चलवाकर आवास जमींदोज कर दिया बल्कि गरीब की ग्रहस्थी भी चकनाचूर कर दी। मानवता की सारी हदें पार करते हुए प्रशासन ने बेदखली की कार्यवाही को उस समय अंजाम दिया जब पीड़ित त्रयोदशी कार्यक्रम में किसी अन्य शहर गया था।

कड़कड़ाती ठण्ड में खुले आसमान के नीचे गुजारी रात

प्राप्त जानकारी के अनुसार पोड़ी कला निवासी शर्मा दंपती रेखा पति राजेन्द्र शर्मा जब त्रयोदशी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद गांव पहुंचे तब तक उनका आशियाना पुरी तरह उजड़ गया था जहां तहां गरीब की ग्रहस्थी का समान बिखरा पड़ा था।जैसे तैसे समान एकत्रित कर कड़कड़ाती ठण्ड में पीड़ित परिवार ने रात गुजारी लेकिन प्रशासन ने विस्थापन की कोई व्यवस्था नहीं की।

क्या है मामला

ग्राम पोड़ी कला के खसरा नं 418 ग्राम अवादी भुमी में दर्ज है। न्यायलय तहसीलदार मझौली द्वारा वर्ष 2014 में रेखा बाई पति राजेन्द्र शर्मा के नाम ग्राम की शादी के भुखण्ड धारक का प्रमाण पत्र जारी किया गया था वर्ष 2022 में पी एम आवास योजना के अन्तर्गत पीड़ित ने अपने आशियाना का सपना साकार कर जीवन यापन आरंभ कर दिया। लेकिन पोंडा के तहसील बनने के बाद कार्यालय निर्माण हेतु खसरा नं 418 की भूमी आंवटित की गई। वर्षों से काबिज पी एम आवास धारक बिजली कनेक्शन धारी को एकाएक अतिक्रमणकारी करार घोषित कर दिया गया।

न्याय के लिए दर दर भटक रह परिवार

पीड़ित का कहना है की वो भूमिहीन है उसके पास इसके अलावा कोई दूसरा निवास स्थान नहीं है विकलांग पति साईकल का पंचर बनाने का कार्य करते है इसी से हमारा जीवन यापन होता है। पीड़ित ने मांग की है कि न्यायहित में आवेदिका की अनुपस्थिती में की गई कार्यवाही से हुए नुकसान एंव आवास हेतु स्थान तथा सहायता राशी दिलाई जाये।

पंचायत विभाग से लें जानकारी

तहसील कार्यालय हेतु आवंटित भूमी से अतिक्रमण हटाया गया है। पी एम आवास का लाभ उन्हें कैसे मिला इसकी जानकारी पंचायत विभाग से ले।

ललित ग्वालवंशी, तहसीलदार पोंडा

कार्यालय वनमंडलाधिकारी सामान्य वन मण्डल जबलपुर
जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि स्व. श्री हंसराज भाई पटेल आ. स्व. श्री नानजी भाई पटेल मेसर्स कल्पना ट्रेडर्स पता 1448 मदन महल गुप्तेश्वर वार्ड जिला जबलपुर (म.प्र.) की मृत्यु दिनांक 18/02/2021 को हो जाने के फलस्वरूप उनके स्वामित्व की एक आरामशीन (माननीय उच्चतम न्यायालय में प्रेषित सूची में क्रमांक 94) के संचालन हेतु अनुज्ञप्ति धारक का नाम विलोपित कर श्री वरुण पटेल आ. श्री तिलक पटेल का नाम दर्ज किये जाने बावद आवेदन पत्र प्रस्तुत किये जाने पर काष्ठ आधारित उद्योगों हेतु गठित राज्य स्तरीय समिति भोपाल की की बैठक दिनांक 09/06/2025 में एजेण्डा क्रमांक 1.10 में लिये गये निर्णय अनुसार - चूँकि प्रकरण उत्तराधिकारी को अनुज्ञप्ति स्थानांतरित करने से संबधित है ।अत: कलेण्डर वर्ष 2018-2020 तक की जारी आरामशीन अनुज्ञप्ति क्रमांक/JBP/SM /2018/148 में अनुज्ञप्ति धारक का नाम मेसर्स कल्पना ट्रेडर्स प्रो. श्री हंसराज भाई पटेल आ. स्व. श्री नानजी भाई पटेल पता 1448 मदन महल गुप्तेश्वर वार्ड जिला जबलपुर (म.प्र.) का नाम दर्ज चला आ रहा है अब नामांतरण आवेदन पर कार्यवाही अनुसार श्री वरुण पटेल आ. श्री तिलक पटेल का नाम म.प्र. काष्ठ चिरान (विनियमन) नियम 1984 के प्रारूप "ग" नियम 4 (1) के अंतर्गत किया जाना प्रस्तावित है । यदि किसी अन्य व्यक्ति/ संस्था/वसीयतधारी को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशित होने के दिनांक से 15 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति मैं मूल दस्तावेजो सहित अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करे । इस अवधि के पश्चात किसी भी प्रकार के दावे को मान्य नही किया जावेगा ।

वनमंडलाधिकारी/अनुज्ञप्ति अधिकारी
सा. वनमंडल जबलपुर (म.प्र.)

कार्यालय वनमंडलाधिकारी सामान्य वन मण्डल जबलपुर
जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि स्व. श्री कांतिलाल पटेल आ. स्व. श्री मेसर्स कांति टिम्बर स्टोर्स पता 402 नरसिंह वार्ड मदन महल जबलपुर जिला जबलपुर (म.प्र.) की मृत्यु दिनांक 14/01/2019 को हो जाने के फलस्वरूप उनके स्वामित्व की एक आरामशीन (माननीय उच्चतम न्यायालय में प्रेषित सूची में क्रमांक 90) के संचालन हेतु अनुज्ञप्ति धारक का नाम विलोपित कर श्री मनोहर पटेल आ.स्व. श्री कांतिलाल पटेल का नाम दर्ज किये जाने बावद आवेदन पत्र प्रस्तुत किये जाने पर काष्ठ आधारित उद्योगो हेतु गठित राज्य स्तरीय समिति भोपाल की की बैठक दिनांक 09/06/2025 में एजेण्डा क्रमांक 1.10 में लिये गये निर्णय अनुसार - चूँकि प्रकरण उत्तराधिकारी को अनुज्ञप्ति स्थानांतरित करने से संबधित है ।अत: कलेण्डर वर्ष 2018-2020 तक की जारी आरामशीन अनुज्ञप्ति क्रमांक/JBP/SM/2018/129 में अनुज्ञप्ति धारक का नाम मेसर्स कांति टिम्बर स्टोर्स प्रो. स्व. श्री कांतिलाल पटेल आ.स्व. श्री वीरजी भाई पटेल पता 402 नरसिंह वार्ड मदन महल जबलपुर जिला जबलपुर (म.प्र.) का नाम दर्ज चला आ रहा है अब नामांतरण आवेदन पर कार्यवाही अनुसार श्री मनोहर पटेल आ.स्व. श्री कांतिलाल पटेल का नाम म.प्र. काष्ठ चिरान (विनियमन) नियम 1984 के प्रारूप "ग" नियम 4(1) के अंतर्गत किया जाना प्रस्तावित है । यदि किसी अन्य व्यक्ति / संस्था / वसीयतधारी को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशित होने के दिनांक से 15 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति मैं मूल दस्तावेजो सहित अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें । इस अवधि के पश्चात किसी भी प्रकार के दावे को मान्य नहीं किया जावेगा ।

वनमंडलाधिकारी/अनुज्ञप्ति अधिकारी
सा. वनमंडल जबलपुर (म.प्र.)

सिबिल स्कोर अच्छा होने के बावजूद क्रेडिट कार्ड क्यों हो जाता है रिजेक्ट

सुझाव | बिजनेस डेस्क

आज के समय में क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल जीवन का एक अहम हिस्सा बन चुका है। लोग ऑनलाइन शॉपिंग, बिल पेमेंट, ट्रैवल और कैशलेस ट्रांजेक्शन के लिए क्रेडिट कार्ड का सहारा लेते हैं। आम धारणा यह है कि अगर आपका सिबिल स्कोर अच्छा है तो बैंक आसानी से आपका क्रेडिट कार्ड अप्रूव कर देगा, लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसा हमेशा जरूरी नहीं है। कई बार सिबिल स्कोर मजबूत होने के बावजूद भी बैंक क्रेडिट कार्ड रिजेक्ट कर देते हैं।

कार्ड की कैटेगरी व इनकम का मेल जरूरी

जानकारों का कहना है कि क्रेडिट कार्ड रिजेक्शन का सबसे बड़ा कारण कार्ड की कैटेगरी और आवेदक की इनकम होती है। उन्होंने कहा, "जिस क्रेडिट कार्ड के लिए आप आवेदन कर रहे हैं, क्या आपकी सैलरी उस कार्ड के लिए तय मानकों के अनुरूप है?" कई बार लोग प्रीमियम या हाई-कैटेगरी कार्ड के लिए आवेदन कर देते हैं, जबकि उनकी इनकम उस स्तर के कार्ड के लिए पर्याप्त नहीं होती। ऐसे मामलों में बैंक अप्रूवल देने से बचता है।

नौकरी की स्थिरता की अहम भूमिका

क्रेडिट कार्ड अप्रूवल में नौकरी की प्रकृति भी महत्वपूर्ण होती है। स्थायी नौकरी करने वाले कर्मचारियों को बैंक अपेक्षाकृत सुरक्षित मानते हैं। वहीं, कॉन्ट्रैक्ट या अस्थायी नौकरी करने वालों के प्रोफाइल को बैंक ज्यादा जोखिम भरा मान सकते हैं, जिससे कार्ड रिजेक्ट होने की संभावना बढ़ती है।

बार-बार आवेदन नुकसानदेह

कम समय में कई बैंकों से क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन करना भी नेगेटिव सिग्नल माना जाता है। बार-बार आवेदन करने से क्रेडिट प्रोफाइल प्रभावित होती है और बैंक इसे वित्तीय दबाव का संकेत मान सकते हैं।

मौजूदा लोन व ईएमआई भी देखता है बैंक

अगर किसी व्यक्ति पर पहले से कई लोन या भारी ईएमआई का बोझ है, तो बैंक नए क्रेडिट कार्ड के लिए मंजूरी देने में हिचकिचाता है। बैंक यह सुनिश्चित करना चाहता है कि ग्राहक की आय और खर्चों में संतुलन बना हुआ हो।

खाते वाले बैंक से कार्ड लेना फायदेमंद

विशेषज्ञों की सलाह है कि क्रेडिट कार्ड के लिए सबसे पहले अपने मौजूदा बैंक को प्राथमिकता दें। जिस बैंक में आपका सेविंग अकाउंट है, वह आपके ट्रांजैक्शन पैटर्न और फाइनेंशियल बिहेवियर को बेहतर तरीके से समझता है, जिससे अप्रूवल के चांस बढ़ जाते हैं।

कम क्रेडिट कार्ड, ज्यादा भरोसेमंद प्रोफाइल

- अंत में विशेषज्ञों का कहना है कि एक व्यक्ति को एक या दो क्रेडिट कार्ड तक ही सीमित रहना चाहिए।
- ज्यादा क्रेडिट कार्ड होने पर बैंक आपके प्रोफाइल को जोखिम भरा मान सकता है, जिससे नए आवेदन रिजेक्ट होने की आशंका बढ़ जाती है।

क्या है सिबिल स्कोर

सिबिल स्कोर एक 3-डिजिट का नंबर होता है जो आपकी क्रेडिट हिस्ट्री को दर्शाता है। यह नंबर 300 से 900 के बीच होता है, और यह आपकी क्रेडिटवर्थीनेस को मापता है। सिबिल स्कोर आपके लायन, क्रेडिट कार्ड, और अन्य क्रेडिट प्रोडक्ट्स के भुगतान इतिहास, क्रेडिट उपयोग, और अन्य कारकों के आधार पर गणना किया जाता है।

सिबिल स्कोर के फायदे

- लायन और क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन करने में मदद करता है
- कम ब्याज दर पर लायन प्राप्त करने में मदद करता है
- क्रेडिटवर्थीनेस को बढ़ाता है
- वित्तीय योजना बनाने में मदद करता है

सिबिल स्कोर को कैसे बढ़ाएं

- समय पर भुगतान करें
- क्रेडिट उपयोग को कम रखें
- क्रेडिट रिपोर्ट में गलतियों को सुधारें
- नए क्रेडिट अकाउंट न खोलें
- क्रेडिट हिस्ट्री को लंबा रखें

निवेशक सोने और चांदी की तरफ कर रहे रुख, पोर्टफोलियो में बनाएं विविधता

अस्थिरता के दौर में गोल्ड या सिल्वर ईटीएफ?

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- पोर्टफोलियो में थोड़ी मात्रा में चांदी जोड़कर विविधता लाएं

सोना और चांदी दोनों की कीमतें डॉलर में तय होती हैं, इसलिए उनकी वैल्यू डॉलर की मजबूती पर निर्भर करती है। मजबूत डॉलर धातुओं को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के लिए महंगा कर देता है, जिससे मांग घट सकती है, जबकि कमजोर डॉलर का प्रभाव उलटा होता है। हालांकि कुछ मैक्रो परिस्थितियों जैसे उच्च मुद्रास्फीति के समय, डॉलर और सोना दोनों एक साथ भी बढ़ सकते हैं।

अमेरिका–वेनेजुएला संघर्ष और बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच, निवेशक तेजी से सोना और चांदी जैसे पारंपरिक सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए मुख्य सवाल अब यह है कि क्या उन्हें गोल्ड ईटीएफ, सिल्वर ईटीएफ या दोनों का मिश्रण चुनना चाहिए? बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव के दौरान पोर्टफोलियो में गोल्ड ईटीएफ की भूमिका अधिक होनी चाहिए। क्योंकि सोना अधिक स्थिरता प्रदान करता है और एक भरोसेमंद हेज का काम करता है। सिल्वर ईटीएफ को कम अनुपात में रखा जा सकता है क्योंकि इनमें अधिक उतार-चढ़ाव होता है और इनकी मांग काफी हद तक औद्योगिक उपयोग पर निर्भर है।

अलग-अलग भूमिका है दोनों धातुओं की

दोनों धातुएं पारंपरिक रूप से अलग-अलग भूमिकाएं निभाती हैं। पोर्टफोलियो पोजिशनिंग के दृष्टिकोण से अधिकांश निवेशकों को दोनों में संतुलित निवेश रखना चाहिए। सोना प्राथमिक सुरक्षित-निवेश एंकर बना रहना चाहिए, जबकि चांदी पूरक भूमिका निभाते हुए कुछ चरणों में अधिक रिटर्न दे सकती है। निवेशक यह कभी न भूलें कि कोई भी एसेट क्लास हर समय नहीं जीतता। इसलिए इक्विटी और डेट सहित मल्टी-एसेट पोर्टफोलियो बनाना जरूरी है।

मौजूदा समय में पोर्टफोलियो में गोल्ड ईटीएफ की भूमिका अधिक होनी चाहिए

■

सोना अधिक स्थिरता प्रदान करता है और एक भरोसेमंद हेज का काम करता है

■

निवेशक ध्यान रखें कोई भी एसेट क्लास हर समय नहीं जीतता

नए निवेशक क्या करें?

इस सप्ताह सोना और चांदी मजबूत बढ़त के साथ खुले और बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बीच एक सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। अनिश्चितता के इस दौर में यह सवाल भी उभरता है कि पहली बार निवेश करने वालों के लिए फोकस कहां होना चाहिए? ऐतिहासिक रूप से भू-राजनीतिक तनाव के समय सोना मजबूत सुरक्षित-निवेश माना गया है और केंद्रीय बैंकों की अधिक भागीदारी, व्यापक वैश्विक स्वीकार्यता और गहरी लिक्विडिटी के कारण सोना आमतौर पर संकट के समय बेहतर प्रदर्शन करता है। पहली बार निवेश करने वालों को सोने के ईटीएफ में मुख्य सुरक्षित-निवेश करना चाहिए, लेकिन पोर्टफोलियो में थोड़ी मात्रा में चांदी भी जोड़कर विविधता लाई जा सकती है।

मुद्रा विनिमय दर का भी होता है असर

मुद्रा विनिमय दरों का उतार-चढ़ाव भी सोना और चांदी ईटीएफ से मिलने वाले रिटर्न को प्रभावित करता है। सोना एक कीमती धातु के रूप में, आम तौर पर डॉलर और ब्याज दरों में बदलाव के प्रति अधिक संवेदनशील होता है, जबकि चांदी मुद्रा उतार-चढ़ाव के अलावा वैश्विक वृद्धि की उम्मीदों पर भी प्रतिक्रिया करती है। अमेरिका–वेनेजुएला संघर्ष ने तेल की कीमतों और मुद्रास्फीति को लेकर चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। बढ़ती तेल कीमतें मुद्रास्फीति को ऊपर धकेल सकती हैं, जिससे आम तौर पर कीमती धातुओं को समर्थन मिलता है क्योंकि निवेशक बढ़ती लागत के खिलाफ हेज की तलाश करते हैं।

डॉलर की कीमत कैसे करेगी प्रभावित?

वेनेजुएला ऑपरेशन के बाद दिए गए बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अब हम वेनेजुएला को चलाने जा रहे हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका अन्य देशों को वेनेजुएला का काफी तेल बेचेगा। इन हालात में निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि डॉलर की मजबूती और मुद्रा-विनिमय उतार-चढ़ाव सोना और चांदी की कीमतों को कैसे प्रभावित करते हैं? असल में सोना और चांदी दोनों ही आम तौर पर डॉलर के विपरीत दिशा में चलते हैं। मजबूत डॉलर कीमतों पर दबाव डालता है, जबकि कमजोर डॉलर उन्हें सपोर्ट करता है। सोना मुद्रा और ब्याज-दर के उतार-चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशील है, जबकि चांदी पर आर्थिक और औद्योगिक गतिविधि का भी प्रभाव होता है। सोना और चांदी दोनों की कीमतें डॉलर में तय होती हैं, इसलिए उनकी वैल्यू डॉलर की मजबूती पर निर्भर करती है। मजबूत डॉलर धातुओं को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के लिए महंगा कर देता है, जिससे मांग घट सकती है, जबकि कमजोर डॉलर का प्रभाव उलटा होता है। हालांकि कुछ मैक्रो परिस्थितियों जैसे उच्च मुद्रास्फीति के समय, डॉलर और सोना दोनों एक साथ भी बढ़ सकते हैं। इसके अलावा, चांदी के औद्योगिक उपयोग के कारण कमजोर डॉलर अक्सर इस कीमती धातु में तेज बढ़त को ट्रिगर करता है क्योंकि विदेशी विनिर्माण मांग बढ़ जाती है।

आक्रामक रणनीति नहीं रीबैलेंसिंग करें

एक सवाल यह भी है कि निवेशकों के लिए मौजूदा परिस्थिति में क्या यह समय एक्सपोजर बढ़ाने का है या सिर्फ मौजूदा गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ पोर्टफोलियो को रीबैलेंस करने का? दूसरी बात क्या बढ़ती मुद्रास्फीति या तेल कीमतें गोल्ड बनाम सिल्वर के दृष्टिकोण को प्रभावित कर सकती हैं? ऐसे में मल्टी-एसेट पोर्टफोलियो बनाना जरूरी है, क्योंकि कोई भी एसेट हमेशा नहीं जीतता। इसके बावजूद मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए कीमती धातुएं अब भी पोर्टफोलियो की सुरक्षा और विविधता के लिए आकर्षक विकल्प हैं। साथ ही निवेशक आक्रामक रूप से एक्सपोजर बढ़ाने के बजाय मौजूदा होल्डिंग्स को रीबैलेंस करें और बढ़ती मुद्रास्फीति और तेल कीमतें आम तौर पर सोने को समर्थन देती ही हैं।

नए साल में करें नई शुरुआत कुछ बातों पर रखें फोकस शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड तेजी से लोकप्रिय हो रहे

निवेश, बचत और वेल्थ बनाने के लिए तैयार करें बेहतर रणनीति

जानकारी | बिजनेस डेस्क

"आज के समय में स्वास्थ्य का खर्च इतना ज्यादा हो गया है कि अगर आपको या परिवार के किसी सदस्य को अस्पताल में भर्ती होना पड़ जाए तो आपकी अच्छी खासी बचाई गई रकम इलाज और अस्पताल का बिल भरने में खर्च हो सकती है। इससे आपके निवेश की योजना और निवेश के लक्ष्यों के लिए कदम आगे बढ़ा पाना बेहद मुश्किल हो जाएगा।

नए साल पर सभी कुछ न कुछ संकल्प लेते हैं। इसलिए निवेश के क्षेत्र में भी यह समय कुछ न कुछ बेहतर रणनीति बनाने का है। नया साल 2026 शुरू हो गया है। कमाई, बचत और निवेश को लेकर भी नए साल में कुछ न कुछ रिजॉल्यूशन जरूर लें। नए निवेशक जहां नई शुरुआत के लिए विकल्प और तरीकों पर बात करेंगे, वहीं जो लोग पहले से निवेश कर रहे हैं, वो कुछ न कुछ बदलाव या डायवर्सिफिकेशन के बारे में सोच रहे होंगे। हर कोई अपनी-अपनी समझ और तरीकों से अपनी फाइनेंशल प्लानिंग बनाता और उस पर आगे बढ़ता है। निवेश के तेजी से उभरते विकल्पों की बात करें तो शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। नए साल की नई शुरुआत के बीच एक्सपर्ट के नजरिए से समझते हैं कि निवेशक को 2026 में किन बातों पर फोकस करना चाहिए, जिससे कि कमाई, बचत और निवेश का संतुलन बना रहे, वेल्थ बनता रहे और फाइनेंशियल लक्ष्यों को हासिल करना आसान रहे।

जीवन बीमा व स्वास्थ्य बीमा लिया है?

निवेश की शुरुआत करने से पहले यह सुनिश्चित कर लेना बेहद जरूरी है कि क्या आपने पर्याप्त जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा कवर लिया है या नहीं? अगर नहीं है या पर्याप्त नहीं है, तो 2026 में सबसे पहले आप ये दोनों कवर जरूर करा लें। जीवन बीमा आपके परिवार और आप पर निर्भर लोगों को उस समय आर्थिक मदद करता है, जब कोई अनहोनी होती है। इसी तरह, पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा भी रखना जरूरी है।

क्या फाइनेंशियल लक्ष्यों की समीक्षा की

नए साल में सबसे अहम बात कि अपने फाइनेंशियल लक्ष्यों की समीक्षा करें। ऐसा इसलिए जरूरी है कि हर साल बाजार में उठापटक, रिस्क प्रोफाइल, इनकम और खर्चों में उतार-चढ़ाव है। ऐसे में इस बात का आकलन करना अहम हो जाता कि क्या आपने निवेश के जिन एसेट क्लास में पैसा लगाया है, उनकी परफार्मेंस कैसी चल रही है, जोखिम उठाने की क्षमता कम-ज्यादा हुई है या फिर आपके फाइनेंशियल लक्ष्य हासिल करने को लेकर कैसा संकेत है?

मार्केट साइकिल समझना क्यों जरूरी?

नए साल के साथ हमेशा यह भी ध्यान रखना चाहिए कि बाजार में निवेश का साइकिल कैसा भी हो आपको धैर्य रखना चाहिए। मार्केट साइकिल में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक बात है। कभी बाजार तेजी में होता है तो कभी मंदी में, लेकिन ऐसे समय में निवेश बनाए रखना सबसे जरूरी होता है। घबराकर निवेश निकालने से नुकसान होने की आशंका बढ़ जाती है।

धैर्य रखें, लाभ जरूर मिलेगा

ऐसे में अगर पर धैर्य रखते हैं और लंबे समय तक निवेश में बने रहते हैं, उन्हें बाजार के पूरे साइकिल का लाभ भी आपको मिलेगा। नियमित निवेश, जैसे एसआईपी, बाजार की गिरावट में भी औसत लागत कम करने में मदद करता है। मार्केट साइकिल का इतिहास बताता है कि यह समय के साथ संभलता है और नया हाई बनाता है। इसलिए शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव में पैनिक होने की बजाय लंबी अवधि के लक्ष्यों को हासिल करने पर फोकस करना चहिए।

एसआईपी शुरू करें या निवेश बढ़ाएं

कहा जाता है कि नई शुरुआत करने से ही नए मौके बनते हैं। इसलिए अगर म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहते हैं, तो सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश शुरू कर सकते हैं। वहीं अगर पहले से निवेश कर रहे हैं तो एसआईपी की राशि बढ़ा सकते हैं। एसआईपी शुरू करना या मौजूदा निवेश को बढ़ाना दोनों ही समझदारी भरे फैसले हो सकते हैं। एसआईपी के जरिए नियमित निवेश करने से बाजार की गिरावट का फायदा मिलता है और औसत लागत कम होती है। वहीं, जिन निवेशकों की कमाई स्थिर है और वे अपने लक्ष्यों को लेकर स्पष्ट हैं, वे अपने निवेश की राशि बढ़ाकर लंबे समय में बेहतर रिटर्न पा सकते हैं। निवेश हमेशा जोखिम उठाने की क्षमता और समय सीमा के अनुसार करना जरूरी है।

लोन चुकाने के लिए न निकालें ईपीएफ से पैसा हो सकता है नुकसान

बिजनेस डेस्क

बिजनेस डेस्क। कई सैलरीड लोगों के लिए ईपीएफ (कर्मचारी भविष्य निधि) की बचत से लोन चुकाना बहुत लुभावना लगता है। लोग सोचते हैं कि इससे बड़ा लोन खत्म, हर महीने का तनाव कम और जीवन कर्जमुक्त हो जाता है। लेकिन पर्सनल फाइनेंस एक्सपर्ट चेतावनी देते हैं कि खासकर होम लोन चुकाने के लिए ईपीएफ की रकम निकालना लंबे समय में काफी महंगा पड़ सकता है, जिसे ज्यादातर लोग नजरअंदाज कर देते हैं।

ईपीएफ है रिटायरमेंट का सहारा

ईपीएफ को रिटायरमेंट के लिए बनाया गया है। ये एक मजबूरी वाला लंबे समय का निवेश है। कर्मचारी और कंपनी दोनों की तरफ से पैसा जाता है और सालाना करीब 8.25 प्रतिशत ब्याज मिलता है, वो भी कंपाउंडिंग के साथ। सबसे खास बात यह है कि ब्याज टैक्स-फ्री है। इसलिए ये सैलरीड लोगों के लिए सबसे अच्छा और कम रिस्क वाला तरीका है पैसा बढ़ाने का। ईपीएफओ (कर्मचारी भविष्य निधि संगठन) के नियमों के मुताबिक, ईपीएफ से निकासी बहुत सीमित है ताकि रिटायरमेंट का पैसा सुरक्षित रहे। आम लोन जैसे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड का बिल चुकाने के लिए ईपीएफ से पैसा नहीं निकाल सकते। सिर्फ हाउसिंग लोन चुकाने के लिए ही कुछ खास शर्तों के साथ निकासी की इजाजत है, जैसा कि ईपीएफ स्कीम, 1952 में लिखा है।

होम लोन समय के साथ हल्का क्यों लगता है

होम लोन के मामले में समय के साथ बोझ कम होता जाता है। ईएमआई चलते-चलते ब्याज का हिस्सा घटता है और मूल रकम का हिस्सा बढ़ता है। साथ ही, आमतौर पर सैलरी बढ़ती है, इन्फ्लेशन के साथ करियर आगे बढ़ता है, तो ईएमआई का बोझ रिलेटिव तरीके से कम लगने लगता है। टैक्स का भी फायदा है। पुराने टैक्स रिजीम में प्रिंसिपल और ब्याज दोनों पर छूट मिलती है, जिससे लोन की असली लागत कम हो जाती है। नए टैक्स रिजीम में ये फायदा नहीं है, लेकिन एक्सपर्ट कहते हैं कि ईपीएफ का लंबे समय तक कंपाउंडिंग इतना मजबूत है कि वो लोन जल्दी चुकाने से मिलने वाली बचत से ज्यादा फायदा देता है।

ब्याज दर का जाल

पहली नजर में आंकड़े थोड़े भ्रमित कर सकते हैं। अभी होम लोन की दरें करीब 7-7.5 प्रतिशत के आसपास हैं, जो ईपीएफ के 8.25 प्रतिशत से थोड़ी कम लगती हैं। फर्क छोटा-सा दिखता है। लेकिन ईपीएफ का ब्याज टैक्स-फ्री है, तो 30 प्रतिशत टैक्स स्लैब वाले के लिए ये 8.25 प्रतिशत करीब 11 प्रतिशत के बराबर टैक्सेबल रिटर्न देता है। इतना पोस्ट-टैक्स रिटर्न बहुत कम सुरक्षित निवेश देते हैं।

कब ईपीएफ निकालना सही

ईपीएफओ के नियमों के अनुसार, हाउसिंग लोन चुकाने के लिए ईपीएफ से पैसा सिर्फ एक बार जीवन में निकाला जा सकता है। इसके लिए कुछ शर्तें हैं, जैसे कम से कम 10 साल की सदस्यता, निकासी की सीमा वेतन, बैलेंस या बकाया लोन से जुड़ी होती है। पैसा सीधे लेंडर को जाता है। एक्सपर्ट कहते हैं कि ईपीएफ निकालना सिर्फ कुछ खास स्थितियों में सोचना चाहिए, जैसे: रिटायरमेंट के करीब पहुंच चुके हों और ईपीएफ में काफी ज्यादा बचत हो। बहुत ज्यादा कैश-फ्लो का दबाव हो और कोई दूसरा रास्ता न बचा हो। लोन की बाकी रकम कुल रिटायरमेंट कोष के मुकाबले बहुत छोटी हो। ऐसे मामलों में भी पहले अच्छे से कैलकुलेशन करना और किसी प्रोफेशनल से सलाह लेना बहुत जरूरी है।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 6% घटा, पर फ्लेक्सी-कैप ने बनाया रिकॉर्ड

रिपोर्ट | बिजनेस डेस्क

दिसंबर में शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का असर म्यूचुअल फंड निवेश पर भी साफ नजर आया। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया यानी एएमएफआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश 6% घटकर 28,054 करोड़ रुपये रह गया। जबकि नवंबर में यह आंकड़ा 29,911 करोड़ रुपये था। अगर साल-दर-साल के आधार पर तुलना करें, तो गिरावट और भी साफ दिखती है। दिसंबर 2024 के मुकाबले दिसंबर 2025 में इक्विटी फंड्स में निवेश 32% कम रहा। पिछले साल दिसंबर में इक्विटी फंड्स में 41,155 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था। हालांकि पूरे कैलेंडर वर्ष 2025 की बात करें, तो निवेशकों ने इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में कुल 3.03 लाख करोड़ रुपये लगाए।

फ्लेक्सी-कैप फंड्स पर निवेशकों का भरोसा बरकरार

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की कुल 11 कैटेगरी में से 9 में दिसंबर के दौरान निवेश आया। सिर्फ डिविडेंड यील्ड फंड और ईएलएसएस फंड्स से पैसा निकला। इन सभी कैटेगरी में फ्लेक्सी-कैप फंड्स सबसे आगे रहे। इस कैटेगरी में दिसंबर के दौरान 10,019 करोड़ रुपये का नेट निवेश हुआ, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। निवेशक में इस बात पर ज्यादा भरोसा नजर आया कि फ्लेक्सी-कैप फंड्स के मैनेजर बाजार की स्थिति के हिसाब से लार्ज, मिड और स्मॉल कैप शेयर्स में निवेश को एडजस्ट कर सकते हैं।

मिडकैप और लार्ज एंड मिडकैप फंड्स भी चर्चा में

फ्लेक्सी-कैप के बाद मिडकैप फंड्स दूसरे नंबर पर रहे। दिसंबर में इन फंड्स में 4,175 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। वहीं लार्ज एंड मिडकैप फंड्स में 4,093 करोड़ रुपये की आमद दर्ज की गई। इससे यह संकेत मिलता है कि निवेशक अभी भी ग्रोथ की संभावनाओं वाले शेयरों में रुचि बनाए हुए हैं।

सेक्टोरल और स्मॉलकैप फंड्स में गिरावट

सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स के लिए दिसंबर थोड़ा फीका रहा. इन फंड्स में निवेश महीने-दर-महीने आधार पर 49% घटकर 945 करोड़ रुपये रह गया। नवंबर में यह आंकड़ा 1,864 करोड़ रुपये था। स्मॉलकैप फंड्स में भी 13% की गिरावट देखने को मिली. दिसंबर में इन फंड्स में 3,823 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। बाजार की वैल्यूएशन और अस्थिरता को देखते हुए निवेशक स्मॉलकैप से थोड़ा सतर्क नजर आए।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का असर म्यूचुअल फंड पर भी दिखा

ईएलएसएस और डिविडेंड यील्ड फंड्स से पैसा निकला

दिसंबर में टैक्स सेविंग ईएलएसएस फंड्स से 717 करोड़ की निकासी हुई। वहीं, डिविडेंड यील्ड फंड्स से 254 करोड़ बाहर चले गए। निवेशकों की बदली प्राथमिकताओं का असर यहां साफ दिखा।

पूरे साल 2025 में कौन सी इक्विटी कैटेगरी रही आगे

कैलेंडर वर्ष 2025 की बात करें, तो फ्लेक्सी-कैप फंड्स पूरे साल निवेशकों की पहली पसंद रहे। इस कैटेगरी में साल भर में 80,978 करोड़ रुपये का निवेश आया। इसके बाद स्मॉलकैप फंड्स में 52,321 करोड़ रुपये और मिडकैप फंड्स में 49,939 करोड़ की नेट इनफ्लो दर्ज की गई।

डेट फंड्स से बड़े पैमाने पर निकाले गए पैसे

जहां इक्विटी में निवेश धीमा पड़ा, वहीं डेट म्यूचुअल फंड्स में दिसंबर के दौरान भारी निकासी देखने को मिली। इस महीने डेट फंड्स से कुल 1.32 लाख करोड़ रुपये बाहर निकल गए। नवंबर में यह निकासी 25,692 करोड़ रुपये थी। दिलचस्प बात यह है कि दिसंबर 2024 में भी डेट फंड्स से करीब 1.27 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी।

16 में से 14 डेट फंड कैटेगरी में आउटफ्लो

डेट फंड्स की 16 कैटेगरी में से सिर्फ ओवरनाइट फंड्स और फ्लोटर फंड्स में निवेश आया। बाकी 14 कैटेगरी में पैसा निकला। लिक्विड फंड्स से सबसे ज्यादा 47,307 करोड़ रुपये की निकासी हुई। इसके बाद मनी मार्केट फंड्स से 40,464 करोड़ रुपये बाहर निकले।

साल भर में डेट फंड्स का हाल

पूरे 2025 में डेट म्यूचुअल फंड्स में कुल 1.19 लाख करोड़ रुपये का नेट निवेश आया। मनी मार्केट फंड्स इस दौरान सबसे आगे रहे, जिनमें 66,993 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। वहीं गिल्ट फंड्स में पूरे साल में 5,680 करोड़ रुपये की सबसे ज्यादा निकासी दर्ज की गई।

हाइब्रिड फंड्स में निवेश भी घटा

दिसंबर में हाइब्रिड फंड्स में निवेश 19% घटकर 10,755 करोड़ रुपये रह गया। नवंबर में यह आंकड़ा 13,299 करोड़ रुपये था, जबकि दिसंबर 2024 में हाइब्रिड फंड्स में सिर्फ 4,369 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था। पूरे 2025 में हाइब्रिड फंड्स में कुल 1.56 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया। हाइब्रिड फंड्स की 6 कैटेगरी में से कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स को छोड़कर सभी में निवेश पॉजिटिव रहा। मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स में दिसंबर में नेट इनफ्लो 7,425 करोड़ रुपये का हुआ। इसके बाद एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में 1,513 करोड़ रुपये का निवेश आया।

पैसिव फंड्स और ईटीएफ में उछाल

इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ जैसी दूसरी स्कीम्स में दिसंबर के दौरान निवेश में 74% की तेज बढ़ोतरी हुई। नवंबर में जहां इन फंड्स में 15,385 करोड़ रुपये आए थे, वहीं दिसंबर में यह आंकड़ा बढ़कर 26,723 करोड़ रुपये हो गया। दिसंबर 2024 में पैसिव फंड्स में कुल निवेश सिर्फ 784 करोड़ रुपये था, ऐसे में इस साल की बढ़त काफी मजबूत मानी जा रही है।

बहरी में खुलेगा नया कॉलेज, सिंहावल और देवसर कॉलेज में शुरू होंगे नए संकाय

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

सीधी की गोपद नदी पर 500 मीटर नया पुल बनाया जाएगा: सीएम डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने सीधी जिले के लिए लगाई घोषणाओं की झड़ी

बहरी से चुरहट तक 64.54 किमी लंबे टू-लेन रोड निर्माण की घोषणा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को सीधी जिले की सिहावल विधानसभा क्षेत्र के तहसील मुख्यालय बहरी में विभिन्न शासकीय विभागों के हितग्राहियों के प्रशिक्षण सह उनमुखीकरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिले के लिए घोषणाओं की झड़ी लगा दी। इस अवसर पर उन्होंने सीधी जिले के लिए 201 करोड़ 64 लाख रूपए की लागत वाले कुल 209 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया।

इसके अतिरिक्त 11 करोड़ 58 लाख रुपए की लागत से एक बगिया मां के नाम के अंतर्गत 505 कार्यों का भी शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने 133 करोड़ 62 लाख रुपए के 30 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं 68 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाले 179 विकास कार्यों का लोकार्पण कर सीधी जिलेवासियों को कई निर्माण कार्यों की सौगातें दीं।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहरी में नया कॉलेज खोलने की घोषणा की। यह कॉलेज अगले सत्र से ही प्रारंभ किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने ग्राम बहरी से चुरहट तक 129 करोड़ की लागत से 64.54 किमी लंबे टू-लेन रोड निर्माण की भी घोषणा इस मौके पर की। उन्होंने सिंहावल और देवसर के महाविद्यालयों में विज्ञान और वाणिज्य संकाय की कक्षाएं प्रारंभ करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने सिंहावल में वर्तमान में संचालित पार्ट टाइम एडिशनल कलेक्टर कोर्ट को अब फुल टाइम संचालित किए जाने की घोषणा की। साथ ही सीधी जिले की गोपद नदी पर 500 मीटर लंबा एक नया पुल तथा महान नदी पर रपटा बनवाने की

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन जनता का अभिवादन करते हुए।

घोषणा भी की। डॉ. यादव ने सिहावल विधानसभा क्षेत्र के कुछ स्कूलों को हाईस्कूल से हायर सेकेण्डरी स्कूल में प्रोन्नत करने तथा कुछ गांवों में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोलने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि बहरी तहसील क्षेत्र के सभी गांवों में सिंचाई की स्थायी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

201 करोड़ के 209 विकास कार्यों का किया भूमिपूजन एवं लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम के दौरान घोषणा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस 12 जनवरी से 31 मार्च तक प्रदेश में 'संकल्प से समाधान महाअभियान-1' चलाया जाएगा। इसमें नागरिकों को राज्य सरकार की 106 प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की घर पहुंच सेवा उपलब्ध कराई जाएंगी। इस दौरान पूरे प्रदेश की हर विधानसभा, ब्लॉक, तहसील, जिले, गांव-गांव और नगरों के वार्डों-मोहल्लों तक भी शासकीय अधिकारी पहुंचेंगे और पात्र हितग्राहियों को सभी योजनाओं का लाभ दिलाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस महाभियान के पहले चरण में 12 जनवरी से 15 फरवरी तक घर-घर जाकर आवेदन लिए जाएंगे। दूसरे चरण में 16 फरवरी से 16 मार्च तक क्लस्टर स्तर पर शिविर लगाए जाएंगे। तीसरे चरण में 16 से 26 मार्च तक ब्लॉक स्तर पर निराकरण से शेष रहे आवेदनों एवं शिकायतों, नए आवेदनों का निराकरण किया जाएगा। चौथे चरण में 26 से 31 मार्च तक जिला स्तर पर शिविर लगाकर सभी अनिराकृत शेष आवेदनों एवं शिकायतों, नए आवेदनों का अंतिम निराकरण किया जाएगा।

विकास कार्यों का लोकार्पण करते सीएम डॉ. यादव।

सीधी की पंजा दरी को दिलाएंगे वैश्विक पहचान: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सीधी जिले में सभी प्रकार के उद्योग-धंधे लगाए जाएंगे। पंजा दरी सीधी की पहचान है। सिहावल ब्लॉक के क्लस्टर में पंजा दरी और कालीन बुनाई की विभिन्न इकाइयां हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सीधी की पंजा दरी को जीआई टैग दिलाने के लिए प्रयासरत है, हम पंजा दरी को वैश्विक पहचान दिलाएंगे। उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल सेक्टर में भारी निवेश आ रहा है। डॉ यादव ने इस दौरान विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए।

खबर संक्षेप

कारोबारी ने घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या

रायपुर। रायपुर के न्यू राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में आत्महत्या का मामला सामने आया है। एक व्यवसायी ने अपने ही घर में जान दे दी। मृतक की पहचान रंजन पुरोहित के रूप में हुई है, जो राजधानी में विज्ञापन व्यवसाय से जुड़े हुए थे। जानकारी के मुताबिक, रंजन पुरोहित कुछ समय से आर्थिक परेशानियों और कारोबार में आ रहे घाटे के कारण मानसिक दबाव में थे। हालांकि, आत्महत्या के पीछे की वास्तविक वजह को लेकर पुलिस ने फिलहाल कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकाला है। बताया जा रहा है कि रंजन अपने परिवार के साथ न्यू राजेंद्र नगर स्थित एक अपार्टमेंट में रहते थे। घर के एक कमरे में उन्हें फंदे पर लटका हुआ पाया गया। जब काफी देर तक बाहर नहीं आए तो परिजनों ने कमरे में जाकर देखा, जिसके बाद घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जांच के दौरान घर से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

तीन प्रयोगशालाओं को नई टीबी दवाओं की जांच के लिए राष्ट्रीय प्रमाणन

भोपाल। मध्य प्रदेश ने क्षय रोग (टीबी) उन्मूलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के अंतर्गत राज्य की तीन प्रमुख प्रयोगशालाओं आयरएल भोपाल, एमआरटीबी इंदौर और जीआरएमसी ग्वालियर को नई एवं अत्यंत महत्वपूर्ण टीबी दवाओं बेडाक्विलिन और प्रेटोमैनिड के लिए लिक्विड कल्चर ड्रग ससेप्टिबिलिटी टेस्टिंग करने का राष्ट्रीय स्तर का प्रमाणन प्राप्त हुआ है। यह प्रमाणन सुप्रा नेशनल रेफरेंस लेबोरेटरी (एसएनआरएल), एनआईआरटी चेन्नई एवं केंद्रीय क्षय प्रभाग द्वारा प्रदान किया गया है।

कृषि वर्ष कार्यक्रम में 800 बसों से किसान आएंगे, भोपाल-इंदौर बायपास पर निकाली जाएगी विशाल रैली

2026 होगा 'कृषि वर्ष', सीएम डॉ. मोहन 1100 ट्रैक्टरों के साथ करेंगे मेगा शो, तीस हजार किसान करेंगे शिरकत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

जंबूरी मैदान में किसान सम्मेलन आयोजित होगा

आयोजन को लेकर पुलिस प्रशासन की तैयारियां शुरू

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश में बड़ा संदेश देने की तैयारी के साथ 11 जनवरी को भोपाल में किसानों के बीच मेगा शो करेंगे। इस आयोजन में भोपाल और आसपास के एक दर्जन जिलों से करीब 1100 ट्रैक्टरों के साथ किसान राजधानी पहुंचेंगे। पहले चरण में भोपाल- इंदौर बायपास पर किसानों की विशाल रैली निकाली जाएगी, जिसमें मुख्यमंत्री स्वयं शामिल होंगे।

इसके बाद जम्बूरी मैदान में किसान सम्मेलन आयोजित होगा, जहां मुख्यमंत्री कृषि वर्ष 2026 की औपचारिक घोषणा करेंगे। कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से भोपाल-इंदौर बायपास स्थित एक निजी कॉलेज परिसर में उतरेंगे। यहां से वे सीधे किसानों की रैली में शामिल होंगे और ट्रैक्टर रैली के साथ जम्बूरी मैदान तक पहुंचेंगे। आयोजन स्थल तक मुख्यमंत्री का किसानों के साथ सड़कों पर होना सरकार की किसान केंद्रित नीति का बड़ा राजनीतिक और प्रशासनिक संदेश माना जा रहा है। यह इसलिए भी किया जा रहा है कि इस वर्ष किसानों और कृषि पर सरकार का पूर्व से ज्यादा फोकस होगा। रैली में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए किसान अपने-अपने ट्रैक्टरों के साथ हिस्सा लेंगे। आयोजन को लेकर प्रशासन और पुलिस ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। ट्रैफिक प्रबंधन और सुरक्षा को लेकर विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं, ताकि शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो।

किसानों और कृषि पर सरकार का विशेष ध्यान

सभी जिलों में कंट्रोल रूम बना कर होगी निगरानी

कृषि सम्मेलन को लेकर जंबूरी मैदान पर विशाल टेंट लगाया जा रहा है।

खाद-बीज में कालाबाजारी पर मध्य प्रदेश सरकार सख्त

समृद्ध किसान समृद्ध मध्य प्रदेश इस वर्ष को कृषि वर्ष के रूप में मानाने के साथ ही सरकार यह समृद्ध किसान समृद्ध मध्य प्रदेश का नारा देगी। इस रैली के संबंध में मुख्यमंत्री ने मंगलवार को अपनी कैबिनेट बैठक से पहले सभी मंत्रियों को जानकारी दी थी। ऐसा माना जा रहा है कि वर्ष भर किसानों को लेकर संभाग स्तर और जिला स्तर पर कई आयोजन होंगे। साथ ही खाद बीज की कालाबाजारी रोकने को लेकर भी जिला प्रशासन को सख्त रहने के भी निर्देश दिए जाएंगे।

सीएम बताएंगे कृषि वर्ष 2026 का रोडमैप

जम्बूरी मैदान में होने वाले किसान सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कृषि वर्ष 2026 को लेकर सरकार की रूपरेखा प्रस्तुत कर सकते हैं। सम्मेलन में मुख्यमंत्री सरकार के आगामी तीन वर्षों के कृषि और कृषकों पर आधारित लक्ष्य भी सार्वजनिक कर सकते हैं। सम्मेलन में प्राकृतिक खेती, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, फसल विविधीकरण और मूल्य संवर्धन जैसे विषयों पर भी सरकार की योजनाओं का खाका रखा जा सकता। इस मौके पर मुख्यमंत्री किसानों से सीधा संवाद भी कर सकते हैं।

डिप्टी कलेक्टर और तहसीलदारों को सौंपी जिम्मेदारी, ट्रैक्टर के साथ नहीं आएगी ट्रॉली

कृषि वर्ष-2026 कार्यक्रम के लिए जंबूरी मैदान में 11 सौ ट्रैक्टर आएंगे, जिन्हें संभालने की जिम्मेदारी अफसरों को सौंपी गई है। अफसरों से कहा गया है कि कोई भी ट्रैक्टर के साथ ट्रॉली नहीं होना चाहिए। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने इसके लिए डिप्टी कलेक्टर और तहसीलदारों की ड्यूटी लगाई है। यह अफसर ट्रैक्टर का इंतजाम देखेंगे। शुक्रवार को संभाग कमिश्नर संजीव सिंह ने इंतजामों को लेकर बैठक रखी। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि ट्रैक्टर रैली को लेकर विशेष इंतजाम किए जाएं। बैठक में बताया गया कि इस कार्यक्रम में भोपाल, सीहोर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम और राजगढ़ से तीस हजार किसान आएंगे। जिन्हें आठ सौ से अधिक बसों में लाया जाएगा। कमिश्नर ने कहा कि रैली के लिए रूट चार्ट और ट्रैफिक मैनेजमेंट का ध्यान रखा जाए। जिससे ट्रैफिक में बाधा नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में कंट्रोल रूम बनाकर कार्यक्रम की निगरानी की जाए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर समय से तैयारियां पूरी करने और कृषि विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों को सौंपी जिम्मेदारियां टाइम लिमिट में पूरी की जाएं। कमिश्नर ने जिला कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम को कार्यक्रम स्थल पर इंतजामों की मॉनीटरिंग करने की हिदायत दी।

आयोजन पर चर्चा करते अफसर।

कृषि कल्याण वर्ष कार्यक्रम के चलते कल बदली रहेगी राजधानी की यातायात व्यवस्था

राजधानी भोपाल में रविवार को कृषि कल्याण वर्ष का शुभारंभ के अवसर पर दो अलग-अलग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें सीएम डॉ. मोहन यादव द्वारा फ्लेगऑफ एवं संबोधन किया जाना प्रस्तावित है। इस मौके पर पहली बारी में जहां आरटीओ ऑफिस तिराहा कोकता बायपास पर 1101 क्रमशः जिला भोपाल से 601, जिला विदिशा से 250 एवं जिला रायसेन से 250 ट्रैक्टर रैली के रूप में सम्मलित होंगे। दूसरे कार्यक्रम कृषि कल्याण वर्ष का शुभारंभ जम्बूरी मैदान में होगा। इसमें भोपाल से 12000, जिला सिहोर व रायसेन से 6000-6000 तथा जिला विदिशा से 4000, राजगढ़ एवं नर्मदापुरम से 1000-1000 कुल 30000 की संख्या में कृषकगण उक्त कार्यक्रम में 800-900 बसों से कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम के चलते यातायात पुलिस की ओर से ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया है।

30 हजार किसान होंगे कार्यक्रम में शामिल

ऐसी रहेगी यातायात व्यवस्था

- भोपाल के मिसरोद सलैया की ओर से आने वाले ट्रैक्टर 11 मील बायपास रोड से खजूरी कला, पटेल नगर चौराहा होकर प्रसटीज कॉलेज के आगे जाकर लाइनअप होंगे।
- भोपाल के फंदा ब्लॉक, बैरासिया रोड से आने वाले ट्रैक्टर खजूरी सड़क से मुबारकपुर बायपास, लांबाखेड़ा बायपास चौराहा, चोपड़ाकला बायपास चौराहा, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, सीएपीटी के सामने होकर प्रसटीज कॉलेज के आगे जाकर लाइनअप होंगे।
- रातीबड़, नीलबड़ क्षेत्र से आने वाले ट्रैक्टर नीलबड़ से नाथूबरखेड़ा रोड होते हुए खजूरी सड़क से मुबारकपुर बायपास, लांबाखेड़ा बायपास चौराहा, चोपड़ाकला बायपास चौराहा, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, सीएपीटी के सामने होकर प्रसटीज कॉलेज के आगे जाकर लाइनअप होंगे।
- रायसेन का बाडी बरेली, गोहरगंज की ओर से आने वाले ट्रैक्टर 11 मील बायपास रोड से खजूरी कला, पटेल नगर चौराहा होकर प्रसटीज कॉलेज के आगे जाकर लाइनअप होंगें।
- रायसेन के आस पास के ग्राम से आने वाले ट्रैक्टर बिलखिरिया, पटेल नगर चौराहा से लेफ्ट टर्न होकर प्रसटीज कॉलेज के आगे जाकर लाइनअप होंगे।
- विदिशा से आने वाले ट्रैक्टर-चोपड़ाकला बायपास चौराहा, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय सीएपीटी के सामने होकर प्रसटीज कॉलेज के आगे जाकर लाइनअप होंगे।

जंबूरी मैदान यह रहेगी व्यवस्था

- सिरोद सलैया की ओर से आने वाली बसें अशिमा मॉल, बागसेवनिया चौराहा, आर.आर.एल. तिराहा, एम्स रोड, बरखेडा पठानी होकर सेंट जेवियर स्कूल के पीछे पार्किंग स्थल में पार्क होगी।
- फंदा ब्लॉक, बैरासिया रोड से आने वाली बसें खजूरी सड़क से मुबारकपुर बायपास, लांबाखेडा बायपास चौराहा, चोपड़ाकला बायपास चौराहा, मानपुर चौराहा से ओवर ब्रिज चढ़कर अयोध्या बायपास, अर्जुन नगर तिराहा से अन्दर होते हुए पिपलानी पेट्रोल पंप, एसओएस बाल ग्राम रोड होकर जंबूरी मैदान में पार्क होगी।
- रातीबड़, नीलबड़ क्षेत्र से आने वाली बसें जवाहर चौक, अटल पथ, लिंक रोड-1, गोविंदपुरा टर्निंग, महात्मा गांधी चौराहा से होकर सेंट जेवियर स्कूल के पीछे पार्किंग स्थल में होगी।
- सीहोर, की रोड से आने वाली बसें खजूरी सड़क मुबारकपुर बायपास, अयोध्या बायपास, पिपलानी पेट्रोल पंप, इलाहबाद बैंक तिराहा होकर जंबूरी मैदान में प्रवेश कर पार्क होगी।

गांधी नगर थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस कर रही मामले की जांच

युवक की चाकू मारकर हत्या, पुलिस गिरफ्त में संदेही महिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबिकापुर

गांधीनगर थाना क्षेत्र में एक 48 वर्षीय व्यक्ति बबलू मंडल की चाकू मारकर हत्या किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस घटना ने इलाके में भय का माहौल पैदा कर दिया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर एक युवती को हिरासत में लिया है, जबकि दो अन्य युवक अभी भी फरार हैं।

शनिवार सुबह गांधीनगर स्थित डेयरी फार्म के पास एक घर के सामने बबलू मंडल का शव मिला। वह सुभाषनगर वार्ड क्रमांक-2 के निवासी थे और शुक्रवार

रात घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। फोरेंसिक जांच में मृतक के सीने में चाकू के गहरे घाव पाए गए, साथ ही गले पर भी चोट के निशान थे। सीएसपी राहुल बंसल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके का मुआयना किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में देर रात दो युवक और एक युवती बबलू मंडल के साथ मारपीट करते हुए दिखाई दिए और घटना के बाद वहां से जाते हुए भी कैद हुए। सीसीटीवी फुटेज में दिखे संदिग्ध मृतक के बेटे दीपू मंडल ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 10:30 बजे तक उनके पिता घर के आसपास ही थे। परिजनों के अनुसार, शुक्रवार को बबलू मंडल का एक युवती और दो युवकों के साथ विवाद हुआ था। सीसीटीवी फुटेज में दिख रही युवती की पहचान सोनिया के रूप में हुई है, जिसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सोनिया आदतन नशेड़ी बताई जा रही है। घटना में शामिल दो अन्य युवक पुलिस की पकड़ से बाहर हैं और उनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में आपसी विवाद को ही हत्या का मुख्य कारण माना जा रहा है। मृतक बबलू मंडल लोहे के स्क्रैप का व्यवसाय करते थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। घटना के खुलासे के लिए पुलिस हर संभव प्रयास कर रही है।

चावल निर्यातकों और किसानों के लिए बड़ी घोषणा

मंडी शुल्क में दी जा रही छूट की अवधि एक वर्ष बढ़ाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आयोजित इंडिया इंटरनेशनल राइस समिट में चावल निर्यातकों और किसानों के लिए बड़ी घोषणा की गई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंडी शुल्क में दी जा रही छूट की अवधि को एक साल और बढ़ाने का ऐलान किया। इस फैसले से चावल उद्योग को सीधा लाभ मिलेगा और निर्यात को और गति मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने समिट को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में ऑर्गेनिक उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है।

दंतेवाड़ा सहित प्रदेश के कई इलाकों में ऑर्गेनिक चावल की खेती हो रही है, जिसे आगे और प्रोत्साहित किया जाएगा। इस दौरान कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के क्षेत्रीय कार्यालय का भी शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि इंडिया इंटरनेशनल राइस समिट का यह दूसरा संस्करण छत्तीसगढ़ के लिए खास है। इस आयोजन में 12 देशों के खरीदारों और 6 देशों के दूतावास प्रतिनिधियों की मौजूदगी से प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को यूं ही 'धान का

कटोरा' नहीं कहा जाता, यहां हजारों किस्म की धान की प्रजातियां उगाई जाती हैं। सरगुजा अंचल के जीराफूल और दुबराज जैसे सुगंधित चावल देश-विदेश में अपनी खास पहचान रखते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि चावल निर्यातक लंबे समय से मंडी शुल्क में छूट की मांग कर रहे थे। पिछले साल दी गई छूट की अवधि दिसंबर 2025 में समाप्त हो रही थी, जिसे अब एक साल और बढ़ा दिया गया है। इससे छत्तीसगढ़ से चावल के निर्यात को और बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ से करीब 90 देशों को लगभग एक लाख टन चावल का निर्यात किया जा रहा है। राज्य की नई औद्योगिक नीति के तहत लघु उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे चावल के प्रसंस्करण और निर्यात को मजबूती मिलेगी। साथ ही किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है।

उज्जैन में आयोजित राज्य सैनिक रैली को डॉ. यादव ने किया वर्चुअली संबोधित

भारत की सीमाओं के साथ देश के स्वाभिमान की भी रक्षा करते हैं सैनिक : मुख्यमंत्री

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सैनिक केवल भारत की सीमाओं की ही नहीं, देश के स्वाभिमान की भी रक्षा करते हैं। जो वर्दी पहन कर देश के लिए खड़ा होता है, उसके सामने पूरा राष्ट्र नतमस्तक होता है।

मातृभूमि के प्रति सैनिकों के प्रेम और समर्पण के कारण ही भारत का तिरंगा शान से लहरा रहा है। उन्होंने भारत माता की सेवा में सर्वस्व न्यौछावर करने वाले वीर शहीदों के चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. यादव उज्जैन में राज्य सैनिक रैली को भोपाल के राजकीय विमानतल से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

सैनिकों के परिवारों के साथ सरकार हर कदम पर खड़ी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन वीर सैनिकों देश की रक्षा में अपने प्राण न्यौछावर किए, उनकी कमी तो पूरी नहीं की जी सकती, लेकिन ऐसे वीरों के परिवारों के साथ सरकार हर कदम पर खड़ी है। राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि शहीद आश्रितों को पेंशन, वित्तीय सहायता, रोजगार और सभी मूलभूत सुविधाएं समय पर और सम्मानपूर्वक प्राप्त हों। उन्होंने कहा कि जहां भी आवश्यकता होगी, इन योजनाओं को और अधिक सशक्त किया जाएगा। राज्य सरकार ने शहीदों के माता-पिता को दी जाने वाली मासिक सहायता राशि अब 10 हजार रूपए प्रतिमाह कर दी है। शहीदों की पुत्रियों और बहनों के विवाह पर 51 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की जा रही है। युद्ध एवं सैन्य कार्रवाई में शहीद हुए सेना एवं केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों के आश्रितों को दी जाने वाली सहायता राशि बढ़ाकर 1 करोड़ रुपए की गई है।

कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते सीएम।

मासिक पेंशन राशि बढ़ाकर 15 हजार प्रतिमाह की

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में निवासरत द्वितीय विश्व युद्ध के सैनिकों और उनकी पत्नियों की मासिक पेंशन राशि 8 हजार से बढ़ाकर 15 हजार प्रतिमाह की गई है, जो देश मे सर्वाधिक है। विभिन्न शौर्य एवं विशिष्ट सेवा अलंकरणों से नवाजे गए सैनिकों एवं उनके आश्रितों को राज्य शासन द्वारा सर्वाधिक सम्मान राशि दी जाती है। मध्यप्रदेश निवासी ऐसे माता-पिता, जिनकी पुत्री सेना में है, उनकी सम्मान निधि 10 हजार रुपए से बढ़ाकर 20 हजार रुपए प्रतिवर्ष की गई। इन्हीं प्रयासों के परिणाम स्वरूप वर्ष 2025 में मध्यप्रदेश सैनिक कल्याण निदेशालय को रक्षा मंत्री द्वारा 'प्रोगेसिव स्टेट ट्रॉफी' से सम्मानित किया गया। डॉ. यादव ने कहा कि सैनिक रैली राष्ट्र गौरव और एकता की भावना को और सुदृढ़ करे, यही कामना है। उन्होंने सभी को गणतंत्र दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं भी दीं।

तीन जनवरी को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अगुवाई में अमेरिकी सेना ने स्पेशल ऑपरेशन चलाया और वेनेजुएला के प्रेसिडेंट निकोलस मादुरो को पकड़ लिया। मादुरो और उनकी पत्नी को काराकास से उठाकर अमेरिका ले गए। अमेरिका का कहना है कि वह नारको-टेररिज्म के खिलाफ था, क्योंकि वेनेजुएला से ड्रग्स और गैंग्स अमेरिका में आ रहे हैं, जो हजारों अमेरिकियों की जान ले रहे हैं। ट्रंप ने तो साफ-साफ कहा कि अब वेनेजुएला का तेल और दौलत अमेरिका को मिलेगी। वेनेजुएला ऑपरेशन के बाद अब बर्फीले ग्रीनलैंड का मुद्दा गर्म हो गया है। ट्रंप खुलकर कह चुके हैं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से हमें ग्रीनलैंड की जरूरत है, लेकिन सवाल यह है कि क्या अमेरिका को वास्तव में ग्रीनलैंड खरीदने या उसे अपने कब्जे में लेने की आवश्यकता है, ताकि ट्रंप के सभी लक्ष्य पूरे हो सकें? इस मुद्दे पर एक तरफ़ कई देश अमेरिका की ओर से की गई कार्रवाई की घोर आलोचना कर रहे हैं तो वहीं एक पक्ष ऐसा है, जो इसका समर्थन भी कर रहा है। दूसरी तरफ इस मुद्दे पर भारत ने कहा कि सभी पक्षों को तमाम मुद्दों का शांतिपूर्ण समाधान करना चाहिए, ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे। शांति की चाहत रखने वाली दुनिया को आखिरकार अमेरिकी मनमर्जी पर कहीं न कहीं रोक तो लगानी ही होगी। इसी मुद्दे का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

ट्रंप के बयानों से ग्रीनलैंड में बढ़ी गर्मी

विश्लेषण

सेंट्रल डेस्क

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वेनेजुएला ऑपरेशन के बाद अब बर्फीले ग्रीनलैंड का मुद्दा गर्म हो गया है। ग्रीनलैंड में डेनमार्क की डॉग-स्लेज टीमों का मजाक उड़ाने के बाद ट्रंप ने यहां घूम रहे रहस्यमय चीनी और रूसी जहाजों को लेकर भी तंज कसा है। वह इस विचार पर आगे बढ़ते हुए दिख रहे हैं कि अमेरिका को इस विशाल बर्फीले द्वीप पर नियंत्रण कर लेना चाहिए। एक अधिकारी का कहना है कि राष्ट्रपति इसे खरीदना चाहते हैं और दूसरे ने सुझाव दिया कि अमेरिका इसे जबरन कब्जा भी सकता है। ट्रंप खुलकर कह चुके हैं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से हमें ग्रीनलैंड की जरूरत है, लेकिन सवाल यह है कि क्या अमेरिका को वास्तव में ग्रीनलैंड खरीदने या उसे अपने कब्जे में लेने की आवश्यकता है ताकि ट्रंप के सभी लक्ष्य पूरे हो सकें?

कोल्ड वॉर के समय हुए एक समझौते के तहत अमेरिका को पहले से ही ग्रीनलैंड में व्यापक सैन्य पहुंच हासिल है। अमेरिका के पास द्वीप के एक बहुत ही दूरदराज हिस्से में एक बेस है। यह समझौता उसे पूरे ग्रीनलैंड में सैन्य अड्डे स्थापित और संचालित करने, कर्मचारियों को ठहराने और जहाजों, विमानों तथा जलयान के लैंडिंग, टेक-ऑफ, एंकरिंग, मूवमेंट और संचालन को नियंत्रित करने का अधिकार देता है। डेनमार्क ने 300 वर्षों से अधिक समय पहले ग्रीनलैंड को उपनिवेश बनाया था और आज भी इसके कुछ मामलों पर नियंत्रण रखता है। डेनिश इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल स्टडीज, कोपेनहेगन के शोधकर्ता मिकेल रुंगे ओलेसेन कहते हैं कि अमेरिका को ग्रीनलैंड में इतनी छूट है कि वह लगभग हर वह काम कर सकता है जो वह चाहता है। ग्रीनलैंड को खरीदना ट्रंप की नई योजना है। यह अलग बात है ग्रीनलैंड बिकना नहीं चाहता. विशेषकर अमेरिका को तो बिल्कुल नहीं। डेनमार्क के पास इसे बेचने का अधिकार भी नहीं है। उनके अनुसार यह असंभव है। अतीत में फैसला डेनमार्क करता था। 1946 में उसने ट्रूमैन प्रशासन का 10 करोड़ डॉलर (सोने में) का प्रस्ताव ठुकरा दिया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप खुलकर कह चुके हैं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से हमें ग्रीनलैंड की जरूरत है, लेकिन सवाल यह है कि क्या अमेरिका को वास्तव में ग्रीनलैंड खरीदने या उसे अपने कब्जे में लेने की आवश्यकता है ताकि ट्रंप के सभी लक्ष्य पूरे हो सकें? कोल्ड वॉर के समय हुए एक समझौते के तहत अमेरिका को पहले से ही ग्रीनलैंड में व्यापक सैन्य पहुंच हासिल है। अमेरिका के पास द्वीप के एक बहुत ही दूरदराज हिस्से में एक बेस है। यदि ट्रंप वास्तव में ग्रीनलैंड की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं तो वह अब भी समझौते के ढांचे का उपयोग कर सकते हैं।

जनमत संग्रह का हक

आज परिस्थितियां अलग हैं। ग्रीनलैंडवासियों के पास अब स्वतंत्रता पर जनमत संग्रह कराने का अधिकार है और डेनमार्क ने कहा है कि द्वीप के 57,000 निवासियों पर उनका भविष्य निर्भर करता है। पिछले वर्ष हुए एक सर्वेक्षण में 85% निवासियों ने अमेरिकी नियंत्रण के विचार का विरोध किया था। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेंस-फ्रेडरिक नील्सन ने कहा कि हमारा देश बिक्री के लिए नहीं है। अमेरिका और डेनमार्क के बीच रक्षा समझौता 2004 में अपडेट किया गया, ताकि ग्रीनलैंड की अर्ध-स्वायत्त सरकार को भी उसमें शामिल किया जा सके और स्थानीय आबादी पर पड़ने वाले प्रभाव पर उसे राय देने का अधिकार मिले। इसकी जड़ें द्वितीय विश्व युद्ध के समय के सहयोग में हैं। तब डेनमार्क पर नाजियों का कब्जा था।

वाशिंगटन में उसके दूतावास ने कोपेनहेगन से संपर्क टूटने पर स्वयं ही अमेरिका के साथ ग्रीनलैंड के लिए रक्षा समझौता किया। डर था कि नाजी ग्रीनलैंड को अमेरिका पर हमला करने के लिए एक लॉन्चिंग पैड की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। अंततः अमेरिकी सैनिकों ने उन्हें बाहर निकाला और वहां दर्जनों ठिकाने स्थापित किए, रनवे बनाए और हजारों सैनिक तैनात किए। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भी अमेरिका कई बेस और शुरुआती चेतावनी रडार साइटें चलाता रहा। शीत युद्ध के अंत में उसने सभी को बंद कर दिया सिवाय एक के। अब इसे पिटुफिक स्पेस बेस कहा जाता है और यह उत्तरी ध्रुव के ऊपर से गुजरने वाली मिसाइलों पर नजर रखता है।

एक नजर

- **1721** डेनमार्क ने ग्रीनलैंड को उपनिवेश बनाया
- **1916** : अमेरिका ने यहां डेनमार्क की संप्रभुता को औपचारिक मंजूरी दी
- **1951** अमेरिका और डेनमार्क के बीच समझौता हुआ
- **1979** ग्रीनलैंड को स्वायत्त शासन की अनुमति मिली
- **2004** अमेरिका व डेनमार्क ने ग्रीनलैंड समझौते को संशोधित किया

क्या अगला कदम ग्रीनलैंड है?

पिछले सप्ताह अमेरिकी विशेष बलों द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनके सुरक्षित ठिकाने से पकड़ने के बाद ट्रंप और भी उत्साहित दिख रहे हैं। उनके शीर्ष सलाहकार स्टीफन मिलर ने दावा किया कि ग्रीनलैंड संयुक्त राज्य का होना चाहिए और कोई भी अमेरिका से लड़ने नहीं आएगा। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेताओं ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मिलने का अनुरोध किया है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह बैठक कब होगी या नहीं भी होगी। ट्रंप और डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेते फ्रेडरिक्सन के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। ट्रंप ग्रीनलैंड को पाने की बात करते रहते हैं और फ्रेडरिक्सन झुकने से इनकार कर रही हैं। कुछ दिन पहले फ्रेडरिक्सन ने 1951 के समझौते का हवाला देते हुए कहा कि हमारे पास पहले से ही एक रक्षा समझौता है, जो अमेरिका को ग्रीनलैंड में व्यापक पहुंच देता है। उन्होंने अमेरिका से धमकियां बंद करने का आग्रह किया और कहा कि ग्रीनलैंड पर अमेरिकी हमला अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का अंत होगा। अब यदि अमेरिका इस रक्षा समझौते का बहाना बनाकर भारी संख्या में सैनिक भेजने या ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की कोशिश करे तो वह भी गैरकानूनी होगा।

ग्रीनलैंड डेनिश का हिस्सा

2004 के संशोधन के अनुसार अमेरिका को ग्रीनलैंड में अपनी सैन्य गतिविधियों में किसी भी महत्वपूर्ण बदलाव से पहले डेनमार्क और ग्रीनलैंड से परामर्श करना होगा। तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री कॉलिन पॉवेल द्वारा हस्ताक्षरित यह समझौता ग्रीनलैंड को डेनमार्क के साम्राज्य का समान हिस्सा मानता है। डेनिश रक्षा विश्लेषक पीटर एर्स्टवेड राममुसेन कहते हैं कि व्यावहारिक रूप से यदि अमेरिका उचित अनुरोध करता है तो उसे हमेशा हां ही मिलती है। यदि ट्रंप वास्तव में ग्रीनलैंड की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं तो वह अब भी समझौते के ढांचे का उपयोग कर सकते हैं।

ट्रंप की रुचि खनिजों में भी

ग्रीनलैंड की रणनीतिक स्थिति ही उन्हें आकर्षित नहीं कर रही। इस विशाल द्वीप का एक और बड़ा आकर्षण है महत्वपूर्ण खनिज, जो बर्फ के नीचे विशाल मात्रा में दबे हुए हैं। विश्लेषकों का कहना है कि इन्हें पाने के लिए भी अमेरिका को ग्रीनलैंड पर अधिकार करने की आवश्यकता नहीं है। ग्रीनलैंडवासियों ने कहा है कि वे कारोबार के लिए तैयार हैं।

अमेरिकी कार्रवाई पर भारत की चुप्पी क्यों

मुद्दा

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

वेनेजुएला में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी को लेकर अमेरिका की कार्रवाई ने वैश्विक राजनीति को दो ध्रुवों में बांट दिया है। एक तरफ़ कई देश ऐसे रहे, जो अमेरिका की ओर से की गई कार्रवाई की घोर आलोचना कर रहे हैं, तो वहीं एक पक्ष ऐसा है, जो इसका समर्थन कर रहा है। मगर भारत दोनों में से किसी खेमे में नहीं है। भारत ने वेनेजुएला के घटनाक्रम पर जरूर चिंता व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि भारत, वेनेजुएला की स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए है। भारत ने कहा है कि सभी पक्षों को तमाम मुद्दों का शांतिपूर्ण समाधान करना चाहिए ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे।

साफ है, भारत के बयान में किसी का विरोध या समर्थन जैसा भाव नहीं है। मलेशिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों ने हमले पर खुलकर वेनेजुएला के प्रति एकजुटता दिखाई और अमेरिकी कार्रवाई का कड़े शब्दों में विरोध किया। सवाल यह है कि ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने का दावा करने वाला भारत इस मुद्दे पर अब तक मुखर क्यों नहीं हुआ? इस बात की संभावना कम ही दिख रही है कि भारत खुलकर वेनेजुएला का विरोध करेगा, लेकिन सत्ता परिवर्तन के लिए सैन्य दबाव का भी समर्थन नहीं करेगा। यह वही संतुलन है जो भारत अभी तक रूस-यूक्रेन युद्ध, ईरान-अमेरिका तनाव, इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष में अपनाता आया है। भारत के किसी एक गुट के साथ न दिखने की ये नीति हाल की नहीं है। भारत की तटस्थता की जड़ें उसकी गुटनिरपेक्ष नीति में हैं, जिसकी नींव जवाहरलाल नेहरू ने रखी थी। उसके बाद की जितनी सरकारें आईं, सबने इस नीति का पालन अपने-अपने हिसाब से किया है। नेहरू का मानना था कि निंदा से ज़्यादा जरूरी है संवाद और समाधान। यही कारण है कि 1956 के हंगरी संकट से लेकर 2003 के इराक़ युद्ध और 2022 के यूक्रेन युद्ध तक, भारत ने अक्सर सार्वजनिक निंदा से दूरी बनाए रखी। यह नीति भारत को उन स्थितियों में लचीलापन देती है, जहां उसके साझेदार आपस में टकराव में हों। वेनेजुएला के मामले में भी भारत उसी ऐतिहासिक निरंतरता का पालन करता दिख रहा है। हालांकि, भारत की चुप्पी की एक वजह और भी है। दरअसल, भारत और अमेरिका के बीच इस समय द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। यह बातचीत ऐसे समय में हो रही है, जब डोनाल्ड ट्रंप का अमेरिका पहले ही भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा चुका है। इसमें रूस से तेल खरीदने को लेकर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त जुर्माना भी शामिल है। भारत का मानना है कि इस मामले में उसे अलग तरह से निशाना बनाया गया, क्योंकि चीन और यूरोप भी रूस से तेल खरीदते रहे हैं, लेकिन उन पर वैसी कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे में वेनेजुएला मुद्दे पर भारत के लिए अमेरिका के खिलाफ खुलकर बोलना आसान नहीं है।

सवाल यह है कि ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने का दावा करने वाला भारत इस मुद्दे पर अब तक मुखर क्यों नहीं हुआ? इस बात की संभावना कम ही दिख रही है कि भारत खुलकर वेनेजुएला का विरोध करेगा, लेकिन सत्ता परिवर्तन के लिए सैन्य दबाव का भी समर्थन नहीं करेगा।

बहरहाल, लैटिन अमेरिका के देश वेनेजुएला में अमेरिका के हमलों ने सिर्फ़ क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक कूटनीति को भी चिंता में डाल दिया है। इस संकट का असर उन देशों पर भी पड़ेगा, जिनके वेनेजुएला से रणनीतिक रिश्ते रहे हैं। तेल और व्यापार इसमें अहम है। अब सवाल यह है कि अगर अमेरिका-वेनेजुएला टकराव लंबा और हिंसक होता है तो भारत-वेनेजुएला संबंधों पर इसका क्या असर पड़ेगा? आर्थिक नजरिए से देखें तो भारत और वेनेजुएला के रिश्ते अब बहुत बड़े नहीं रह गए हैं। हालांकि, एक समय ऐसा था जब वेनेजुएला भारत के लिए तेल का बड़ा स्रोत था। भारत लंबे समय तक वेनेजुएला से कच्चा तेल आयात करता रहा है। अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भारत ने आधिकारिक रूप से तेल आयात काफी हद तक घटा दिया, लेकिन ऊर्जा साझेदारी पूरी तरह खत्म नहीं हुई। दरअसल, भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करता है। भारत और वेनेजुएला के राजनीतिक संबंधों का सबसे मजबूत दौर 2005 में देखा गया, जब राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज भारत आए और तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से बातचीत हुई। इसके बाद 2012 में निकोलस मादुरो, तब वेनेजुएला के विदेश मंत्री के रूप में, भारत आए थे। शावेज के निधन के बाद भी भारत ने शोक संदेश दिया और उनके अंतिम संस्कार में प्रतिनिधि भेजा। संभावना यही है कि भारत जल्दबाजी में कोई प्रतिक्रिया जाहिर किए बिना सही समय पर कूटनीतिक भाषा में अपनी चिंता जाहिर करेगा, ताकि न तो अमेरिका के साथ रिश्ते बिगड़े और न ही सिद्धांतों के मोर्चे पर उसकी स्थिति कमजोर हो।

अमेरिकी मनमर्जी को रोकने के लिए विश्व एकजुट हो

रणनीति

उमेश चतुर्वेदी

स्वतंत्र पत्रकार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा है, "सिर्फ मेरा दिमाग ही मुझे रोक सकता है। मेरी अपनी नैतिकता और अपना दिमाग। यहीवे चीजें हैं, जो मुझे रोक सकती हैं। मुझे अंतरराष्ट्रीय कानून की परवाह नहीं है और न ही इसकी जरूरत।" तीन जनवरी को वेनेजुएला में की गई अमेरिकी कार्रवाई के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में ट्रंप का इन शब्दों का प्रयोग करना दुनिया के लिए निश्चित तौर पर डरावना है। ट्रंप और उनकी सोच पारंपरिक लोकतांत्रिक मुखौटाबाज राजनीति से अलग है, लिहाजा वे खुलकर ऐसा कह रहे हैं। सुपर पावर के रूप में स्थापित होने के बाद से ही अमेरिका की सोच और कार्यशैली ऐसी रही है। अफगानिस्तान में अमेरिकी कार्रवाई हो, खाड़ी युद्ध हो, सूडान स्थित अमेरिकी दूतावास पर आतंकी हमले के बाद अमेरिकी कार्रवाई हो, वियतनाम का युद्ध हो, ईरान पर कार्रवाई हो, हर जगह अमेरिका अपने हितों की रक्षा के लिए कार्रवाई करता रहा है। बेशक उसे कई बार मुंह की खानी पड़ी है।

हाल ही में ट्रंप के पूर्व राष्ट्रपति रहे डेमोक्रेटिक पार्टी के जो बाइडन की सेनाएं अफगानिस्तान छोड़कर भाग खड़ी हुईं। वियतनाम का युद्ध लंबा चला था। इसे शुरू किया था डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने और जब अमेरिका वियतनाम युद्ध में फंसता नजर आया तो रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति रहे रिचर्ड निक्सन ने सेनाओं की वापसी कराई। कुवैत पर जब इराकी तानाशाह सद्दाम हुसैन ने हमला किया, तब जार्ज बुश सीनियर राष्ट्रपति थे। अमेरिका में एक धारणा रही है कि कुवैत पर कब्जे की कार्रवाई इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन ने अमेरिकी इशारे पर ही की थी। लेकिन जब मामला उल्टा पड़ गया तो जॉर्ज बुश सीनियर ने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों की आड़ में ब्रिटेन, फ्रांस जैसे देशों के साथ गठबंधन करके सैनिक कार्रवाई शुरू की। 1990 में अमेरिकी कार्रवाई के चलते इराकी गार्ड को कुवैत को खाली करना पड़ा। इसके बाद इराक अमेरिका का कट्टर दुश्मन बन गया। लंबे समय तक चले ईरान-इराक युद्ध के पीछे भी अमेरिकी हित काम कर रहे थे। तब दुनिया दो ध्रुवीय थी। एक तरफ सोवियत संघ की अगुआई में विश्व का एक बड़ा हिस्सा काम कर रहा था तो दूसरी ओर अमेरिकी के साथ नाटो देश सक्रिय थे।

ट्रंप का यह कहना कि उनकी अपनी नैतिकता ही उन्हें किसी भी कार्रवाई से रोक सकती है। जहां उन्हें लगेगा कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून मानना चाहिए, वहां उसे वे मान लेंगे और जहां नहीं लगेगा, वहां नहीं मानेंगे।

इस संदर्भ में देखें तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का यह कहना कि उनकी अपनी नैतिकता ही उन्हें किसी भी कार्रवाई से रोक सकती है। ट्रंप ने यहां तक कहा है कि जहां उन्हें लगेगा कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून मानना चाहिए, वहां तो उसे वे मान लेंगे और जहां नहीं लगेगा, वहां नहीं मानेंगे। अमेरिकी दादागिरी के इतिहास में ट्रंप का यह बयान दुनिया की सोच से आगे है। चीन, ब्राजील और भारत के खिलाफ वे टैरिफ युद्ध चला ही रहे हैं, रूस से तेल खरीदने के आरोप की आड़ में वे तीनों देशों पर अब 25 प्रतिशत की बजाय पांच सौ प्रतिशत टैरिफ थोपने की धमकी दे रहे हैं। ट्रंप की फितरत को देखते हुए उनसे कोई सकारात्मक उम्मीद रखना बेमानी ही है। भारत-पाकिस्तान संघर्ष को रुकवाने को लेकर उनका कल्पित दावा हो या फिर ग्रीनलैंड, कोलंबिया, ईरान, मैक्सिको और क्यूबा को लेकर दी गई धमकी, सभी अमेरिकी दादागिरी का ही उदाहरण हैं। ट्रंप पहले ही कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कर चुके हैं और इस तरह अपने पड़ोसियों और यूरोप के अपने पारंपरिक सहयोगियो को ना सिर्फ आशंकित, बल्कि नाराज भी कर चुके हैं।

अमेरिकी दादागिरी पूरी दुनिया देखती और समझती रही है। एक साथ इतने मोर्चे खोल देने की ट्रंप की नीति के खिलाफ अमेरिका में ही आवाजें उठने लगी हैं। ट्रंप की मनमानी नहीं रुकी, अमेरिकी दादागिरी का ऐसा ही दौर उन्होंने जारी रखा तो आने वाले दिन दुनिया के लिए भले ही चुनौतीपूर्ण होंगे, अमेरिका भी कई तरह की चुनौतियों और वैश्विक प्रतिरोध को झेलने के लिए अभिशप्त हो जाएगा। शांति की चाहत रखने वाली दुनिया को अमेरिकी मनमर्जी पर कहीं न कहीं रोक तो लगानी ही होगी।

वेनेजुएला मामले में रूस-चीन की सिर्फ बातें, कोई एक्शन नहीं

कूटनीति

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ स्तंभकार

बीती 3 जनवरी को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अगुवाई में अमेरिकी सेना ने एक स्पेशल ऑपरेशन चलाया और वेनेजुएला के प्रेसिडेंट निकोलस मादुरो को पकड़ लिया। मादुरो और उनकी पत्नी को काराकस से उठाकर अमेरिका ले गए। अमेरिका का कहना है कि वह नारको-टेररिज्म के खिलाफ था, क्योंकि वेनेजुएला से ड्रग्स और गैंग्स अमेरिका में आ रहे हैं, जो हजारों अमेरिकियों की जान ले रहे हैं। ट्रंप ने तो साफ-साफ कहा कि अब वेनेजुएला का तेल और दौलत अमेरिका को मिलेगी। ये एक तरह से सैन्य हमला था, जिसमें कुछ मौतें भी हुईं, और अब अमेरिका वहां तेल टैंकरों पर कब्जा कर रहा है। पूरी दुनिया में हंगामा मच गया, लेकिन रूस और चीन ने बस सांकेतिक निंदा की। ज्यादा कुछ किया नहीं। अब सवाल ये है कि इतने बड़े मसले पर ये दोनों सुपरपावर इतने हल्के क्यों रहे? इसके पीछे क्या कारण हो सकते हैं? सबसे पहले तो ये समझ लें कि रूस और चीन, दोनों ही वेनेजुएला के पुराने दोस्त हैं। मादुरो की सरकार को उन्होंने हमेशा सपोर्ट किया है। रूस ने तो वेनेजुएला में अरबों डॉलर का निवेश किया है, खासकर तेल और हथियारों में। चीन का भी वहां बड़ा खेल है। उसने उसे करीब 10-12 बिलियन डॉलर का कर्ज दिया है, और उससे तेल आयात करता है। जब अमेरिका ने हमला किया तो रूस ने यूएन सिक्योरिटी काउंसिल में कहा कि ये अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है, आक्रामकता है। चीन ने भी कहा कि वो सदमे में हैं। चीन ने मादुरो को फौरन रिलीज करने की मांग भी की। ईरान, क्यूबा, साउथ अफ्रीका जैसे देशों ने भी निंदा की। नोटिस करें, ये सब बस बातें हैं – कोई सैन्य मदद नहीं, कोई बड़ा एक्शन नहीं, कोई जंग की धमकी नहीं। असली कारण क्या हैं? चलो, एक-एक करके देखते हैं।

रूस और चीन के लिए ये एक मौका है दुनिया को दिखाने का कि अमेरिका हाइपोक्राइट है। वेनेजुएला का मामला दिखाता है कि दुनिया बदल रही है, लेकिन अमेरिका अभी भी बॉस है।

कमजोरियां और व्यस्तताएं : रूस तो अभी यूक्रेन युद्ध में फंसा हुआ है। जंग 2022 से चल रही है। जंग के कारण रूस की अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव है। अगर वो वेनेजुएला में कूदता, तो अमेरिका के साथ सीधा टकराव होने का खतरा है। वो अपना यूरोपियन फ्रंट संभाल रहा है, जहां यूक्रेन के जरिए नाटो से लड़ रहा है। वेनेजुएला दूर है, लॉजिस्टिक्स मुश्किल है। वहीं, चीन साउथ चाइना सी और ताइवान पर फोकस्ड है। अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर चल रहा है, इकोनॉमी स्लो हो रही है। विश्लेषकों का कहना है कि चीन अपने को कूटनीतिक विरोध जताने तक ही सीमित रखेगा।

आर्थिक हित : दोनों देशों के पास वेनेजुएला में निवेश हैं। चीन का तेल आयात वेनेजुएला से है, लेकिन वो सऊदी अरब, रूस और अन्य जगहों से भी लेता है। अगर अमेरिका वेनेजुएला का तेल कंट्रोल करता है, तो चीन को नुकसान होगा, लेकिन वो नए विकल्प ढूंढ लेगा। रूस भी वेनेजुएला को हथियार बेचता है, लेकिन उसकी मुख्य कमाई यूरोप और एशिया से है। अब अगर वो ज्यादा विरोध करता है,तो अमेरिका उनके निवेशों को टारगेट कर सकता था।

वैश्विक रणनीति : दोनों देश अमेरिका को चैलेंज करना चाहते हैं स्मार्ट तरीके से। वो अमेरिका की डॉलर डोमिनेंस को कम करना चाहते हैं,लेकिन सीधी जंग से नहीं। अगर एक्शन लेते हैं, तो तीसरे विश्व युद्ध का खतरा बढ़ सकता है। रूस और चीन जानते हैं कि अमेरिका की आर्मी अभी सबसे मजबूत है

इंटरनेशनल लॉ : यूएन में निंदा करके वो दिखा रहे हैं कि अमेरिका बिगडैल देश है, अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ रहा है। रूस और चीन के लिए ये एक मौका है दुनिया को दिखाने का कि अमेरिका हाइपोक्राइट है। वेनेजुएला का मामला दिखाता है कि दुनिया बदल रही है, लेकिन अमेरिका अभी भी बॉस है। अब देखना ये है कि आगे क्या होता है – क्या मादुरो रिलीज होगा, या अमेरिका वहां स्थायी अड्डा बना लेगा?

अकूत तेल की अतृप्त ललक में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

दृष्टिकोण

प्रभात कुमार रॉय

विदेशी मामलों के जानकार

विश्व पटल पर यक्ष प्रश्न उभर कर आया है कि आखिरकार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर वेनेजुएला पर सैन्य आक्रमण अंजाम देने और उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का अपहरण करने के पीछे वास्तविक मकसद क्या है? क्या वास्तव में ड्रग तस्करों के सरगना होने के संगीन इल्जाम में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का अमेरिका द्वारा अपहरण किया गया है? अथवा इसके पीछे क्या अन्य विशिष्ट कारण विद्यमान रहे हैं? तकरीबन साढ़े तीन करोड़ आबादी वाले वेनेजुएला में भारी तेल के अकूत भंडार मौजूद हैं। तेल संपदा के अतिरिक्त रेयर मिनरल्स का भी विराट भंडार वेनेजुएला में विद्यमान है, जिसमें कॉपर, चांदी, सोना, आदि शामिल हैं। वेनेजुएला का तेल वस्तुत भारी किस्म का तेल माना जाता है। अमेरिका की सरजमीं में जो तेल विद्यमान है, वह तो बहुत हल्के किस्म का तेल है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अंतरराष्ट्रीय कानून का घनघोर उल्लंघन करते हुए एक संप्रभु राष्ट्र वेनेजुएला के निर्वाचित राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का आक्रामक तौर पर अपहरण अंजाम दिया गया।

वेनेजुएला में अमेरिकन तेल कंपनियों ने बड़े पैमाने पर पूंजी निवेश किया और वेनेजुएला के तेल भंडारों से तेल का बड़ी मात्रा में दोहन भी किया। 1976 को कार्लोस आंद्रेस पेरेज नामक राष्ट्रपति वेनेजुएला में सत्तानशीन हुआ, जिसके द्वारा तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया। इसके बावजूद अनेक अमेरिकन तेल कंपनियां वेनेजुएला में तेल का दोहन निरंतर करती रहीं। 1999 ह्यूगो शावेज नामक एक साम्यवादी फितरत का राष्ट्रपति वेनेजुएला की राजसत्ता पर आसीन हुआ और उसके द्वारा अमेरिकन तेल कंपनियां को वेनेजुएला से निकाल बाहर किया गया। राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज की अत्यधिक निकटता साम्यवादी क्यूबा और चीन जैसे वामपंथी मुल्कों के साथ अत्यंत घनिष्ठता के साथ स्थापित हो गई। 2013 में ह्यूगो शावेज की मृत्यु हो गई और उसके उत्तराधिकारी के तौर पर निकोलस मादुरो वेनेजुएला के राष्ट्रपति पद पर आसीन हुए। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो द्वारा भी ह्यूगो शावेज की कठोर वामपंथी नीतियों का बाकायदा अनुसरण जारी रखा गया। साम्यवादी क्यूबा की तरह वेनेजुएला भी अमेरिका की आंखों का विकट कांटा बन गया और वेनेजुएला पर भी अमेरिकन हुकूमत द्वारा कड़े आर्थिक प्रतिबंध आयद कर दिए गए। अमेरिका व्यावहारिक तौर पर समस्त लैटिन अमेरिका को अपने प्रभाव क्षेत्र वाला गलियारा मानता है। आज के दौर में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा वेनेजुएला में सैन्य दखल दोते हुए साम्राज्यवाद विरोधी मुनरो डॉक्ट्रिन का हवाला दिया जाना, वस्तुत नव- साम्राज्यवादी व्यवहार करते हुए एक विद्रुपता के अलावा कुछ भी नहीं है। वेनेजुएला पर आक्रमण के पीछे वस्तुतः एक टायकून बिजनेसमैन की पृष्ठभूमि से दूसरी दफा अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर आसीन हुए डोनाल्ड ट्रंप का वास्तविक मकसद वेनेजुएला के अकूत तेल भंडार को सैन्य शक्ति के बल पर हथियाना है। राष्ट्रपति ट्रंप की सोच समझ में दूरदर्शी राजनीति निहित नहीं है ना ही कुशल कूटनीति निहित है, डोनाल्ड ट्रंप की नीति और नियत में अमेरिका के लिए केवल दौलत का लोभ लालच निहित रहता है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बुलंद किए गए अमेरिका ग्रेट अगेन निर्मित करने के मकसद के पीछे केवल अमेरिका को और अधिक दौलतमंद बनाना है।

राष्ट्रपति ट्रंप की सोच में दूरदर्शी राजनीति या कूटनीति निहित नहीं है, उनकी नीति और नियत में अमेरिका के लिए केवल दौलत का लोभ लालच निहित रहता है।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के अपहरण के पश्चात उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज वेनेजुएला के राष्ट्रपति पद की शपथ ली है। वेनेजुएला की संसद में डेल्सी रोड्रिगेज ने कहा है कि हम ऊर्जा क्षेत्र की महाशक्ति हैं। इसी कारण से हमको बहुत सारी समस्याओं का सामना करना है। सारी दुनिया जानती है कि अमेरिका का ऊर्जा लालच हमारे देश के संसाधनों पर कब्जा करना चाहता है। वेनेजुएला की हुकूमत पर मादक पदार्थ तस्करी और लोकतंत्र मानव अधिकार से जुड़े हुए सभी झूठे दावों का उन्होंने खंडन किया। वेनेजुएला ऐसे तमाम ऊर्जा संबंधों के लिए खुला है, जहां सभी पक्षों को फायदा हो और यही हमारे ऊर्जा संबंधों की विविधता भी है।

डोनाल्ड ट्रंप का आर्थिक लोभ लालच आखिरकार अमेरिका के लिए खतरनाक भी सिद्ध हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप ने जब कोलंबिया के वामपंथी राष्ट्रपति गुस्ताव पेट्रो को भी परिणाम भुगतने की चेतावनी दी तो फिर गुस्ताव पेट्रो ने पलटवार करते हुए कहा कि अमेरिकन राष्ट्रपति को जान लेना चाहिए कि लैटिन अमेरिका साम्राज्यवाद के विरुद्ध बहुत लंबी लड़ाई लड़कर आजाद हुआ है। लैटिन अमेरिकन देश अमेरिकन नव साम्राज्यवाद के विरुद्ध भी छापामार युद्ध के लिए मजबूर हो जाएंगे।

कंपनियों में श्रमिकों से लगातार करवाया जा रहा खतरनाक काम बिना सुरक्षा व्यवस्था के, श्रम विभाग चुप

गुलशन कंपनी संयंत्र के बेल्ट में फंसने से कामगार की दर्दनाक मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौसर

बोरगांव औद्योगिक क्षेत्र से एक बार फिर दिल दहला देने वाली खबर सामने आ रही है। यहाँ स्थित गुलशन कंपनी में बॉयलर बेल्ट में फसने के कारण एक मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई है। लगातार हादसो से बोरगांव की फैक्ट्रियां अब मजदूरों के लिए 'डेथ ट्रैप' बनती जा रही हैं।ख़बावजूद इसके कंपनी प्रबंधन एवं श्रम विभाग के अधिकारियों की नींद नहीं खुल रही है,शनिवार को हुई घटना में कबर पीपला निवासी कामगार धनराज गुजवार 54 वर्ष की दर्दनाक मौत हो गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कामगार की शाम 4 बजे के लगभग गुलशन कंपनी में बॉयलर में सफाई करने के दौरान बेल्ट में फंसने के कारण मौत हो गई है। कहां जा रहा है।घंटो तक कामगार धनराज की लाश बेल्ट में फसी रही थी।घटना की जानकारी कामगारों को मिलने के बाद में कंपनी में हाहंकार मच गया है।इस दोरांन सौसर एसडीएम सिद्धार्थ पटेल, लोधीखेड़ा थाना प्रभारी ए. बी. मर्सकोले, कॉलेज सौसर थाना प्रभारी रूपलाल उईके टीम के साथ में पहुंचकर मोर्चा संभाला।

मासूम कामगारों की हो रही मौ, गंभीर नही प्रबंधन और प्रशासन

गुलशन कंपनी के बेल्ट में फंसकर मजदूर की दर्दनाक मौत कोई पहला हादसा नहीं है।इसके पूर्व भी कई हाथ से औद्योगिक इकाइयों में श्रम विभाग के अधिकारियों की लापरवाही ओर सुरक्षा के बेहतर इंतेजामात नहीं होने के कारण हो चुके हैं।औद्योगिक इकाइयों में ठेका पद्धति से चल रहे कार्यों में सुरक्षा मानकों को ताक पर रखकर काम कराने की जिद में मासूम कामगारों जान जा रही है। शनिवार को कामगार धनराज की मौत का मंजर इतना खौफनाक था कि उसकी लाश घंटों बेल्ट में फंसी रही, जो कंपनी की संवेदनहीनता और लचर सुरक्षा व्यवस्था की गवाही दे रही है। कामगारों का कहना है कियह कोई सामान्य दुर्घटना नहीं है, बल्कि सीधे तौर पर प्रबंधन की लापरवाही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, काम करते समय न तो सुरक्षा का इंतजाम था और न ही बेल्ट की गुणवत्ता की जांच की गई थी। बेल्ट में फंसी हुई धनराज की लाश चीख-चीख कर सवाल पूछ रही है कि आखिर कब तक मजदूरों के खून से फैक्ट्रियों का टर्नओवर बढ़ाया जाएगा,आखिर विभाग के अधिकारी किसके दबाव में खामोश हैं? क्या श्रम विभाग और सुरक्षा की निरीक्षकों की जेबें इतनी भारी कर दी गई हैं कि उन्हें मजदूरों की चीखें सुनाई नहीं देतीं।

कंपनियों में लगातार हो रहे हादसे अधिकारी मौन

हाल ही में दो दिन पूर्व औद्योगिक क्षेत्र की केजीबी कंपनी में एक कामगार ऊपर से गिरने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गया था, इसके बाद में अब यह बड़ा हादसा हो गया है। लगातार औद्योगिक क्षेत्र की कंपनियों में हो रहे हैं हादसों के कारण कामगारों में कंपनियां प्रबंधन के प्रति आक्रोश एवं कार्य को लेकर दर पनप रहा है।विधायक विजय चौरे ने कामगारों से चर्चा करते हुए बताया कि बहुत दर्दनाक घटना है, ऐसी घटनाएं होनी नहीं चाहिए, जब तक कामगार को न्याय नहीं मिलेगा तब तक में बाहर नही जाउगा, घटना कैसे हुई इसकी पूरी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए साथ ही दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए, पीड़ित को न्याय मुआवजा सारी चीजे मिलनी चाहिए, मैं और पूरी कांग्रेस परिवार मृतक के परिजनों ओर कामगारों के साथ हु। समाचार लिखे जाने तक कंपनी परिसर में गहमा गहमी और अधिकारियों के द्वारा जांच चर्चाये की जा रही थी।

कोठी में आपसी रंजिश के चलते सैलून में लगाई आग, सीसीटीवी में कैद हुई आरोपी की करतूत

सतना। जिले के कोठी कस्बे के मुख्य बाजार में शुक्रवार की देर रात आपसी विवाद ने भयानक रूप ले लिया। एक युवक ने पुरानी रंजिश के चलते एक सैलून की दुकान पर पेट्रोल छिड़ककर उसे आग के हवाले कर दिया। गनीमत रही कि घटना के वक्त दुकान बंद थी,जिससे कोई जनहानि नहीं हुई,लेकिन दुकान का कीमती सामान जलकर राख हो गया।जानकारी के मुताबिक,सैलून संचालक संदीप कुमार सेन शुक्रवार रात करीब 8 बजे अपनी दुकान बंद कर घर जा चुके थे। रात लगभग 11 बजे उन्हें अचानक दुकान में आग लगने की सूचना मिली। स्थानीय निवासियों की तत्परता से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया,जिससे बाजार की अन्य दुकानें सुरक्षित बच गईं। हालांकि,आग की चपेट में आने से सैलून के भीतर रखी कुर्सियां,कालीन और अन्य सामान पूरी तरह नष्ट हो गए।घटना की सूचना मिलते ही कोठी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जब पुलिस ने आसपास लगे सीसी टीवी कैमरों की फुटेज खंगाली,तो चौंकाने वाला सच सामने आया। फुटेज में दिखा आरोपी पास में ही चाय की दुकान चलाने वाला अजय चौधरी हाथ में पेट्रोल लेकर सैलून की तरफ जाता दिखाई दिया। आरोपी ने शटर के नीचे से पेट्रोल डालकर माचिस मार दी। फुटेज में यह भी दिखा कि आग लगाते समय आरोपी अजय के पैरों में भी आग लग गई थी,जिसके बाद वह बदहवास होकर वहां से भाग निकला। पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार,पीड़ित संदीप और आरोपी अजय के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते अजय ने इस वारदात को अंजाम दिया।

जंगलों के सफेदपोश तस्करों पर वन विभाग का हल्लाबोल

अवस्थी ब्रदर्स के ठिकानों पर रेड, कटर मशीनों के साथ कीमती लकड़ी बरामद

शहडोल।

वन विभाग ने जिले में सक्रिय लकड़ी माफिया के एक ऐसे संगठित गिरोह की कमर तोड़ दी है, जो फर्जी टीपी (ट्रांजिट पास) के दम पर सरकारी खजाने को चूना लगा रहा था। वन विभाग की विशेष टीमों ने बुढ़ार और ब्यौहारी परिक्षेत्र में एक साथ सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए भारी मात्रा में अवैध सागौन, खैर और पेड़ काटने की आधुनिक मशीनें बरामद की हैं। यह कार्रवाई इस बात का प्रमाण है कि जिले के जंगलों को खोखला करने वाला सफेदपोश नेटवर्क अब रडार पर है। वन विभाग की टीम ने सबसे पहले बुढ़ार के ग्राम बुगरा में धावा बोला। यहां राम प्रवेश यादव की बाड़ी से 104 नग सागौन (3.109 घनमीटर) बरामद की गई। तस्करों की दुस्साहस देखिए, रात के अंधेरे में पिकअप वाहनों से अवैध लकड़ी ढोई जा रही थी। विभाग ने मौके पर ही घेराबंदी कर सारा माल जब्त कर लिया और आरोपियों के खिलाफ वन अपराध दर्ज किया है। कार्रवाई की सबसे बड़ी गाज अशोक और सुनील अवस्थी के ठिकानों पर गिरी। ब्यौहारी के कोलमी वार्ड में अशोक अवस्थी के घर से न केवल लकड़ी, बल्कि बैटरी चालित चेन-सॉ मशीन और भारी मात्रा में कटर जब्त किए गए। वहीं, सुनील अवस्थी के पटदई स्थित ढाबा परिसर से 130 नग सागौन (2.079 घनमीटर) बरामद हुई। ढाबे की आड़ में अवैध लकड़ी का यह काला साम्राज्य लंबे समय से फल-फूल रहा था। जांच में जो चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है, वह फर्जी टीपी का खेल है। तस्कर कागजों में हेराफेरी कर अवैध लकड़ी को वैध साबित करते थे और फिर उसे बेखौफ होकर देश के अन्य राज्यों में खपा देते थे। अब तक लगभग 6 घनमीटर कीमती लकड़ी जब्त की जा चुकी है, जिसकी बाजार कीमत लाखों में है। वन विभाग की इस कार्रवाई ने माफियाओं में हड़कंप मचा दिया है। विभाग अब इस गिरोह के मास्टरमाइंड और सरकारी महकमे में छिपे उनके मददगारों की कुंडली खंगाल रहा है। जल्द ही कुछ और बड़े चेहरों से नकाब उतर सकता है।

हत्या के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने पहुंचाया जेल

जुन्नारदेव। जुन्नारदेव पुलिस ने हत्या के तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। इसके बाद आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। शुक्रवार को सरकारी अस्पताल जुन्नारदेव से मृतक लखनलाल यदुवंशी पिता नन्दलाल यदुवंशी उम्र 65 वर्ष निवासी वार्ड नं. 10 पंचशील कालोनी सोमाटेकडी जुन्नारदेव की मृत्यु के संबंध में सीएचसी. जुन्नारदेव से सूचना प्राप्त होने पर थाना में मर्ग क्रं. 01/2026 धारा 194 बीएनएसएसकायम कर जांच की गई। जांच के दौरान मृतक लखनलाल यदुवंशी के शव का पोस्टमार्टम करवाया गया जिसमे डॉक्टर के द्वारा मृतक की मृत्यु का कारण मृतक के शरीर में आई हुई चोटे/आंतरिक चोटों के फलस्वरूप रक्त स्त्राव होने से हेमोथोरेक्स होने के कारण होना लेख किया गया। घटना के चश्मदीद साक्षीगणो से पूछताछ करने पर पाया गया कि 9 जनवरी शुक्रवार को दोपहर करीब 12.30 बजे मृतक के कुआँ वाले खेत में लगी फसल को आरोपियों की गाय, मैसो के द्वारा खेत में घुसकर खाने की बात को लेकर मृतक लखनलाल यदुवंशी के साथ आरोपीगण धनलाल यदुवंशी, राजकुमार यदुवंशी एवं ज्ञानचंद यदुवंशी के द्वारा लडाई झगडा कर राजकुमार उर्फ राजा यदुवंशी, धनलाल यदुवंशी और ज्ञानचंद यदुवंशी के द्वारा मृतक लखनलाल यदुवंशी को जान से मारने की नीयत से कुल्हाड़ी एवं लठ से मारपीट कर मृतक की बांयी पसली के पास एवं पीठ में बाएं तरफ चोट पहुंचाकर तीनो के द्वारा एक राय होकर हत्या करना पाये जाने पर तीनो आरोपियो के विरूद्ध धारा सदर का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।उक्त हत्या का अपराध घटित होने पर पुलिस अधीक्षक छिंदवाड़ा अजय पाण्डे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशीष खरे एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) जुन्नारदेव सुनील वरकड़े के द्वारा थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश बघेल को मृतक की हत्या करने वाले आरोपियो की त्वरित गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया। उक्त निर्देश के पालन में जुन्नारदेव पुलिस के द्वारा हत्या करने वाले तीनो आरोपीगण राजकुमार उर्फ राजा यदुवंशी पिता ज्ञानचंद यदुवंशी उम्र 19 साल, धनलाल यदुवंशी पिता पूरनलाल यदुवंशी उम्र 33 साल एवं ज्ञानचंद यदुवंशी पिता पूरनलाल यदुवंशी उम्र 41 साल तीनो निवासी वार्ड नं. 10 पंचशील कालोनी सोमाटेकडी जुन्नारदेव को आज 10 जनवरी शनिवार को गिरफ्तार किया जाकर आरोपियो से घटना में प्रयुक्त दो नग कुल्हाड़ी एवं एक बांस की लाठी जप्त किया गया है। तीनो आरोपियो को न्यायालय पेश कर न्यायिक हिरासत में जिला जेल छिन्दवाड़ा भेजा गया है।पूरे घटनाक्रम में पुलिस स्टाफ से निरीक्षक राकेश बघेल थाना प्रभारी जुन्नारदेव, उनि. मुकेश डोंगरे, उनि. मनोज चौधरी, सउनि. राजकुमार कुमरे, सउनि. सतीष दुबे, आर. 842 अनिल उइके, आर. 1103 संतोष धुर्वे, आर. 559 रामअवतार तिवारी, आर. 520 महेश, आर. 646 संदीप झरबड़े का विशेष योगदान रहा।

हत्या का प्रयास के प्रकरण में फरार चल रहे युवराज उर्फ बहादुर के अन्य दो साथी आरोपी आए गिरफ्त में

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता अवैध गतिविधियों एवं शहर में गुण्डागर्दी कर शहर में अशांति फैलाने वालों के खिलाफ न केवल सख्त है, अपितु लगातार प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देशित कर रहे हैं। एएसपी दीपक मिश्रा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस श्रीमती श्रृध्दा सोनकर के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस द्वारा बारापत्थर क्षेत्र के हत्या के प्रयास के प्रकरण में लगभग 01 माह से फरार चल रहे कुख्यात आरोपी युवराज उर्फ बहादुर के अन्य दो आरोपी साथी साहिल खरे एवं शिवा दुबे की गिरफ्तारी की गयी। उल्लेखनीय है कि दिनांक 14/12/2025 की रात्रि करीबन 22/30 बजे प्रार्थी आर्यन धुर्वे एवं उसके दोस्त अमन घरते को युवराज उर्फ बहादुर तेकाम एवं उसके साथी साहिल खरे एवं शिवा दुबे द्वारा एक राय होकर प्राथर्थी एवं उसके दोस्त को पुरानी रंजिश को लेकर जान की मारने नियत से तलवार से प्राणघातक हमला कर चोट पहुंचाने पर एवं जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट पर अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया जाकर तत्काल थाना स्तर पर आरोपियों की धरपकड़ हेतु टीम गठित कर युवराज उर्फ बहादुर तैकाम को दिनांक 06/01/2026 को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया था एवं फरार अन्य 12 आरोपी साहिल खरे एवं शिवा दुबे की तलाश संभावित स्थानों में लगातार की जा रही थी जिन्हे दिनांक 08/01/2026 को गिरफ्तार कर कर आज दिनांक 09/01/2025 को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर ज्युडिशियल रिमांड प्राप्त जिला जेल भेजा गया है। पूर्व आपराधिक रिकार्ड:- 1. आरोपी साहिल खरे के विरूद्ध थाना कोतवाली सिवनी में मारपीट के 02 एवं जुआ एक्ट का 01 आपराधिक प्रकरण दर्ज है। 2. आरोपी शिवा दुबे के विरूध्द थाना डुण्डासिवनी में मारपीट के 07 आपराधिक प्रकरण दर्ज है।

पुत्र ने माता-पिता से की मारपीट व दी जान से मारने की धमकी

अमानगंज। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बम्होरी निवासी फरियादी महाराज सिंह राजपूत पिता स्वर्गीय रामदास सिंह राजपूत (उम्र 61 वर्ष) अपनी पत्नी उर्मिला बाई के साथ थाना अमानगंज उपस्थित होकर जुबानी रिपोर्ट दर्ज कराई। फरियादी ने बताया कि उनके तीन पुत्र थे, जिनमें से छोटे पुत्र रामजी राजपूत का पूर्व में निधन हो चुका है। उन्होंने शेष दो पुत्रों -बड़े पुत्र किशोर सिंह एवं मंझले पुत्र जितेन्द्र सिंह राजपूत के बीच लगभग 10 वर्ष पूर्व संपत्ति का बंटवारा कर दिया गया था। मंझला पुत्र जितेन्द्र सिंह राजपूत शराब पीने का आदी है और आए दिन शराब के नशे में गाली-गलौच करता रहता है। फरियादी के अनुसार दिनांक 09 जनवरी 2026 की रात्रि लगभग 10 बजे जितेन्द्र सिंह शराब के नशे में उनके घर के दरवाजे पर आया और घर खाली करने की बात कहने लगा। फरियादी द्वारा यह कहने पर कि दोनों के मकान अलग-अलग हैं, आरोपी और उग्र हो गया। इस दौरान आरोपी ने फरियादी की पत्नी उर्मिला बाई के बाल पकड़कर घसीटा तथा लात-घूंसों से मारपीट की। बीच-बचाव करने आए फरियादी, उनकी पुत्री विनिता बाई एवं नाती शैलेन्द्र सिंह राजपूत पर भी आरोपी ने डंडे से हमला किया। डंडा फरियादी के बाएं हाथ की छोटी उंगली के ऊपर कलाई (गदेली) में लगा, जिससे उन्हें चोट आई। मारपीट के दौरान उर्मिला बाई के सिर एवं पीठ में भी चोटें आईं। मारपीट के बाद आरोपी जाते समय जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि यदि घर नहीं छोड़ा तो सभी को खत्म कर देगा। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना अमानगंज में संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया गया है। पुलिस द्वारा आगे की कार्यवाही की जा रही है।

जंगली क्षेत्र में भारी पुलिस बल के साथ पहुंचा प्रशासन, कटहरी गांव के 20 घर ध्वस्त

पन्ना। केन–बेतवा लिंक परियोजना के अंतर्गत पन्ना जिले के अमानगंज थाना क्षेत्र स्थित ग्राम कटहरी में आज जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। एसडीएम पन्ना, तहसीलदार पन्ना के नेतृत्व में तथा जिले के कई थानों के भारी पुलिस बल की मौजूदगी में आदिवासी परिवारों के करीब 20 घरों को विस्थापन के नाम पर गिरा दिया गया। जंगली और दुर्गम क्षेत्र में सुबह से ही प्रशासनिक अमला पहुंच गया। कार्रवाई के दौरान कई बार विवाद और तनाव की स्थिति बनी, लेकिन पुलिस बल की तैनाती के चलते हालात पर नियंत्रण रखा गया। प्रभावित परिवारों का कहना था कि उन्हें पर्याप्त पुनर्वास नहीं मिला, जबकि प्रशासन का दावा है कि विस्थापन को लेकर कई बार नोटिस दिए जा चुके थे। प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि ग्रामीणों को एक नहीं बल्कि कई बार विस्थापन के लिए सूचित किया गया, लेकिन तय समय सीमा में स्थान खाली नहीं किया गया, जिसके चलते मजबूरी में यह अभियान चलाना पड़ा।

जीएसटी का 'हंटर': पन्नीलाल चौक के ज्वेलर्स पर गिरी गाज, 51 लाख की वसूली

सतना। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के पन्नीलाल चौक स्थित श्रीकृष्ण ज्वेलर्स और मां भगवती ज्वेलर्स के खिलाफ स्टेट जीएसटी की टीम ने तीन दिनों तक चली मैराथन जांच शुक्रवार को पूरी कर ली। टैक्स चोरी और हेरफेर के जाल में फंसे इन व्यापारियों से विभाग ने 51 लाख रुपए का अर्थदंड और टैक्स मौके पर ही वसूल किया है।

जांच में यह बात सामने आई कि एक ही छत के नीचे संचालित हो रही इन दोनों फर्मों का मालिकाना हक एक ही परिवार के पास है। श्रीकृष्ण ज्वेलर्स का जिम्मा रोहित अग्रवाल संभालते हैं,तो वहीं मां भगवती ज्वेलर्स की प्रोपराइटर उनकी पत्नी हैं। विभाग की रडार पर आए इन व्यापारियों ने टर्नओवर में तो करोड़ों का आंकड़ा दिखाया,लेकिन सरकारी खजाने में टैक्स जमा करने के बजाय उसे कागजी दांव-पेच में उलझा दिया।

सूत्रों के मुताबिक,इन फर्मों ने चालू वित्त वर्ष में अब तक 5 से 6 करोड़ रुपए की भारी-भरकम बिक्री दिखाई है। चौंकाने वाली बात यह है कि व्यापारियों ने टैक्स की राशि नकद जमा करने के बजाय उसे इनपुट टैक्स क्रेडिट से सेटल करने का खेल रचा था। विभाग की पैनी नजर इसी 'सेटलमेंट' पर पड़ गई और सारा कच्चा चिट्ठा खुल गया।

बुधवार दोपहर 12:30 बजे जब असिस्टेंट कमिश्नर मनोरमा तिवारी और अमितसिंह पटेल के नेतृत्व में 12 से अधिक अधिकारियों ने दबिश दी,तो व्यापारियों में हड़कंप मच गया। तीन दिनों तक चले दस्तावेजों और स्टॉक के मिलान के बाद अंततः विभाग ने 51 लाख रुपए जमा करवाए।

बुजुर्ग महिला के मुंह में कपड़ा ठूंस कर जानलेवा हमला कर की लूटपाट

सतना। कोलगवां थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए माधवगढ़ क्षेत्र में हुई सनसनीखेज लूट और जानलेवा हमले की वारदात का महज कुछ ही घंटों में पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने मामले में तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है,जिन्होंने एक वृद्ध महिला को घर में अकेला पाकर उन पर घातक हमला किया और जेवरात लूट लिए। नगर पुलिस अधीक्षक देवेंद्र प्रताप सिंह ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताएं कि 9 जनवरी की सुबह फरियादी बृजकिशोर सोनी ने थाना कोलगवां में सूचना दी कि उनकी चाची देवमनी सोनी निवासी माधवगढ़ अपने घर में लहुलुहान और बेहोशी की हालत में पड़ी हैं। घर का सामान बिखरा हुआ था और उनके मुंह में कपड़ा ठूंसा गया था। अज्ञात आरोपियों ने सिर और चेहरे पर रॉड व चाकू से जानलेवा हमला किया था। पुलिस ने तत्काल धारा 331(8) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ.शिवेश सिंह बघेल एवं नगर पुलिस अधीक्षक डी.पी. सिंह चौहान के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सुदीप सोनी की टीम ने संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपियों ने कबूल किया कि 8-9 जनवरी की दरमियानी रात मड़फा मंदिर के पास बैठकर गांजा पीते समय उन्होंने चोरी की योजना बनाई थी। आरोपी उदय द्विवेदी के घर के सामने रहने वाली बुजुर्ग महिला को निशाना बनाया गया। रात करीब 2 बजे आरोपी सरिया और चाकू लेकर घर में घुसे। आहट पाकर महिला जाग गई और उसने आरोपियों को पहचान लिया। पकड़े जाने के डर से आरोपियों ने महिला पर ताबड़तोड़ वार किए और बेहोश होने पर सोने-चांदी के जेवरात मंगलसूत्र, पायल, बाज लूटकर फरार हो गए।

छेड़छाड़ के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में किया पेश

पन्ना। थाना अजयगढ़ अंतर्गत ग्राम देवगांव की घटना बताई जा रही है। जहां एक नाबालिक बच्ची के साथ छेड़छाड़ का मामला अजयगढ़ थाने में घटित हुआ। जिसको लेकर अजयगढ़ पुलिस ने तत्परता पूर्वक कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफतार करते हुए पास्को एक्ट एवं छेड़छाड़ का मामला पंजीबद्ध करते हुए संबंधित आरोपी को माननीय न्यायालय में पेष किया गया। समाचार लिखे जाने तक यह जानकारी प्रकाष में आई माननीय न्यायालय से आरोपी जहां से जेल भेजे जाने की बात भी बताई जा रही है। गौरतलब बात तो यह है कि अब गांवों में भी कहीं न कहीं सुरक्षा को लेकर सर्तकता जरूरी है। कहां किस हालात की स्थिति तय हो जाये कुछ कह पाना कठिन। संबंधित आरोपी गांव में आता जाता था जिसने इस घटना को अंजाम देने का कार्य किया। पुलिस की तत्परता से कानून के तहत जहां कार्यवाही भी तय हो सकी।

दोनों वन विभाग के कर्मचारियों पर लग रहे हैं मिली भगत के आरोप

तामिया रेंज एवं बफर जोन के बीच बहने वाली धाड़ नदी में हो रहा है रेत का अवैध उत्खनन

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

सोना बन चुकी रेत ने अच्छे-अच्छे ईमानदार अधिकारियों को ईमान बेचने पर मजबूर कर दिया है और वह शासन के हित में नौकरी न कर रेत चोरों के हित में नौकरी करते नजर आ रहे हैं। ऐसे प्रत्यक्ष उदाहरण इसलिए दिया जा सकते हैं। राजस्व हो या वन भूमि मैं बहने वाली नदियों से रेत निकले जाने में मैदानी अमला पटवारी एवं नाकेदार के संरक्षण में रेत का अवैध उत्खनन होता चला रहा है जिसके निशान जंगल एवं राजस्व की भूमि में देखे जा सकते हैं, लेकिन इन दिनों रेत चोरों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि वह मुख्य मार्ग की नदियों में रेत का अवैध खनन खुलेआम कर रहे हैं। ऐसा ही प्रत्यक्ष उदाहरण इन दिनों देलाखारी से कुर्सीढाना मार्ग पर वन भूमि एवं बफर जोन में बहने वाली धाड नदी जो आधी तामिया रेंज आदि बफर जोन देलाखारी मैं आती है उसमें रेत का अवैध उत्खनन जमकर किया जा रहा है। इस नदी में ट्रैक्टरों के टायर के निशाने से लगता है कि यहां पर महिनो से रेत का उत्खनन हो रहा है। ट्रैक्टर के टायरों के गहरे निशान 1 किलोमीटर के दायरे में देखे जा सकते हैं। वहीं रेत चोरों ने नदी की जल धारा को भी मोड़ दिया है। ऐसा इसलिए हो पा रहा है कि ना तो कुआं बादला सर्कल के बेलखेड़ी जंगल की देखभाल करने वाले नाकेदार ईस पर कोई कार्रवाई नहीं की क्योंकि इस सड़क पर रात दिन आवागमन रहता है। बावजूद इसके वन विभाग को नजर नहीं आना इस क्षेत्र के डिप्टी रेंजर एवं नाकेदार कि इस उत्खनन में मिली भगत का साफ इशारा करता है। वहीं रेंजर भी इस अवैध उत्खनन से खुद अंजान बने हुए हैं क्योंकि वो भी जंगल भ्रमण के लिए तो जाते ही होंगे उनको नजर नहीं आना भी आश्चर्य से काम नहीं है। वहीं प्राप्त जानकारी के अनुसार वफर जोन के कक्ष क्रमांक 16 4 कंपार्टमेंट जो बफर जोन में आता है उस तरफ भी ट्रैक्टर के निशान एवं जलधारा को मोड़ने के प्रमाण देखे जा सकते हैं, लेकिन हैरत इस बात है की ना तो तामिया रेंजर ना इस क्षेत्र के नाकेदार डिप्टी रेजर और ना ही बफर जोन के नाकेदार रेंजर को इस धाड नदी में हो रहे रेत के अवैद्य उत्खनन पर कार्रवाई करने की फुर्सत है। लोगों का तो यह कहना है कि इन रेत चोरों को अधिकारियों का खुला संरक्षण मिला हुआ है। जिसके नतीजा वन अधिनियम का खुला उल्लंघन मुख्य मार्ग की नदी पर देखने मिल रहा है।

90 साल के रिटायर्ड पटवारी की संपत्ति बंटवारे के विवाद में पुत्र ने किया जानलेवा हमला

रीवा। शहर के बिछिया थाना क्षेत्र अंतर्गत सिलपरा गांव में शुक्रवार देर शाम एक पारिवारिक विवाद ने सनसनीखेज रूप ले लिया। 90 वर्षीय रिटायर्ड पटवारी पर उनके ही पुत्र ने संपत्ति बंटवारे के विवाद में जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज कर लिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार सिलपरा निवासी रामरतन वर्मा (90) शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त पटवारी हैं। उनकी तीन पत्नियां हैं, जिन्हें उन्होंने एक ही परिसर में रखा हुआ है, हालांकि तीनों के रहने के लिए अलग-अलग दरवाजे और आंगन बने हुए हैं। बताया जा रहा है कि परिवार में लंबे समय से संपत्ति के बंटवारे को लेकर तनाव चल रहा था। शुक्रवार की देर शाम इसी मुद्दे को लेकर घर में कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झगड़े में बदल गई। आरोप है कि तीसरी पत्नी के पुत्र महेंद्र वर्मा ने विवाद के दौरान अपने पिता रामरतन वर्मा पर जानलेवा हमला कर दिया, जिससे वे

गंभीर रूप से घायल हो गए। परिवार सदस्यों ने बताया कि विवाद के दौरान बुजुर्ग पिता ने गुस्से में आरोपी युवक को अपना पुत्र मानने से इनकार कर दिया था। इसी बात से आक्रोशित होकर महेंद्र ने हमला कर दिया। घायल अवस्था में रामरतन वर्मा को तत्काल उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है। बिछिया थाना प्रभारी मनीषा उपाध्याय ने बताया कि मामले में आरोपी पुत्र महेंद्र वर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। वहीं घायल बुजुर्ग का इलाज जारी है और उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

इमरान हाशमी की 'हक' ने ओटीटी पर किया धमाल

मुंबई। इमरान हाशमी और यामी गौतम की फिल्म 'हक' ओटीटी पर लोगों की पसंदीदा बनी हुई है। सिनेमाघरों में फिल्म नवंबर, 2025 को रिलीज हुई थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर कमाल दिखाने से चूक गई। इसका नेट कलेक्शन लगभग 20 करोड़ रुपये के आसपास था। 2026 की शुरुआत में 'हक' को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया गया जिसके बाद से इसने दर्शकों और चर्चा दोनों के जरिए अपनी लोकप्रियता को कायम रखा है। यह 14 देशों में टॉप 10 में शामिल है। नेटफ्लिक्स की साप्ताहिक रैंकिंग के मुताबिक, 'हक' अपनी स्ट्रीमिंग के बाद से भारत में नंबर 1 पर कब्जा जमाए हुए है।

लाइफ Style

नताली

'टॉक्सिक' के टीजर में मचाया तहलका

एजेंसी ▶▶ मुंबई

सुपरस्टार यश की फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' 19 मार्च को रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म का टीजर जारी हो चुका है जिसने आते ही सोशल मीडिया पर धूम मचा दी। इस टीजर में यश प्रभावशाली गैंगस्टर 'राया' का किरदार निभाते दिखे हैं।

उनकी कुछ सेकंड की एंट्री देखकर लोगों ने उन्हें आने वाली सुनामी बता दिया है। अभिनेत्री नताली बर्न भी टीजर का हिस्सा हैं जिन्होंने छोटा सा बोल्ड सीन देकर लोगों का ध्यान खींच लिया है। यूक्रेन के कीव में जन्मीं नताली गुस्लिस्टा उर्फ नताली, एक अमरीकी अभिनेत्री, मॉडल, लेखक और फिल्म निर्माता हैं। मिड-डे के मुताबिक उनकी उम्र का तो अंदाजा नहीं है, लेकिन हर साल 20 मई को वह अपना जन्मदिन मनाती हैं। पढ़ाई मॉस्को के बोल्शोई बैले स्कूल से हुई है। इसके अलावा वह लंदन के रॉयल बैले स्कूल की छात्रा भी रही हैं। नताली ने करियर की शुरुआत अभिनेत्री और मॉडलिंग से की। बाद में फिल्म निर्माता और लेखक भी बन गईं। नताली ने कई चर्चित फिल्मों के जरिए हॉलीवुड इंडस्ट्री में पहचान बनाई है। उन्हें 'निम्फ' (2014), 'द एक्सपेंडेबल्स 3' (2014), 'एक्सेलेरेशन' (2019) और 'टिल डेथ डू अस पार्ट' (2023) जैसी कई फिल्मों में देखा गया है। 'द लास्ट रिडेम्पशन' (2024) में डायना की भूमिका के लिए उन्हें पूर्वी यूरोप फिल्म महोत्सव का सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला था। निजी जिंदगी की बात करें तो अक्टूबर, 2024 में नताली ने एमी पुरस्कार विजेता निर्देशक, टिमोथी वुडवर्ड जूनियर से शादी की थी।

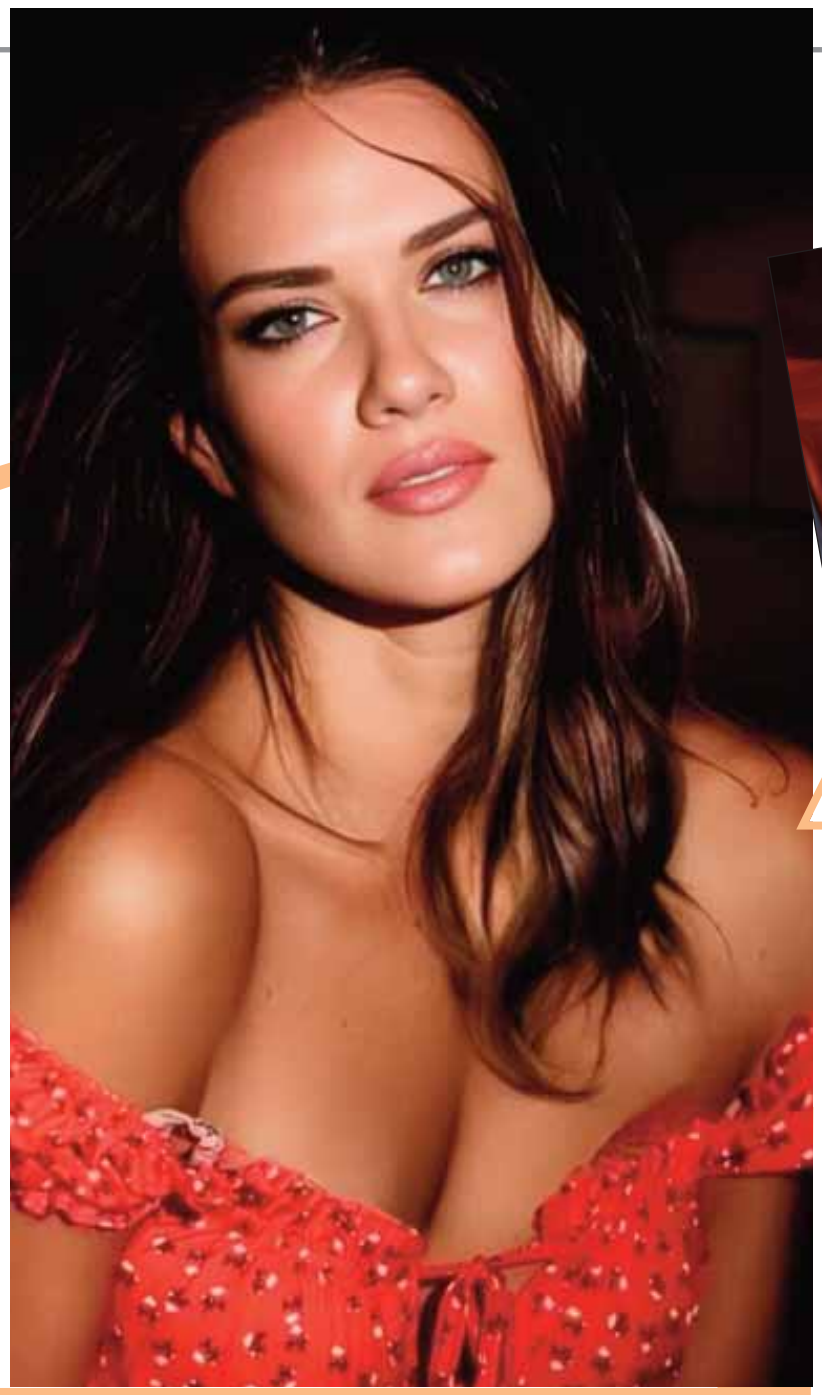

हॉलीवुड मसाला

विलेन बनकर मचाएंगी तबाही...

मुंबई। ग्लोबल आइकन बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा हमेशा से कुछ नया करने के लिए जानी जाती हैं। फिलहाल तो उनके प्रशंसक आगामी फिल्म 'वाराणसी' का इंतजार कर रहे हैं जिसे बनाने की जिम्मेदारी एसएस राजामौली ने उठाई है। 2027 में इसे रिलीज करने की योजना है। इस बीच, पता चला है कि प्रियंका डिज्नी+ पावर रेंजर्स सीरीज का हिस्सा बन सकती हैं। उससे भी बड़ी बात तो यह है कि सीरीज में उन्हें सुपरविलेन के किरदार में देखा जा सकता है।

'एवेंजर्स डूम्सडे' तोड़ेगी मार्वल का सबसे बड़ा रिकॉर्ड

लॉस एंजिल्स। मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की अगली फ्रैंचाइजी 'एवेंजर्स डूम्सडे' का बेसब्री से इंतजार हो रहा है। लगातार आने वाले फिल्म और कलाकारों से जुड़े अपडेट लोगों के उत्साह को चरम पर पहुंचाने का काम कर रहे हैं। अब नया अपडेट जानने के बाद मार्वल प्रशंसकों की खुशी ठिकाना नहीं होगा, क्योंकि ऐसा यूनिवर्स में पहली बार होने जा रहा है। दरअसल, 'एवेंजर्स डूम्सडे' की रिलीज से पहले इसकी अवधि को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। हालिया एक्स रिपोर्ट के अनुसार, मार्वल अपनी सबसे लंबी फिल्म को सिनेमाघरों में पेश करने की तैयारी में है। मतलब यह कि 'एवेंजर्स डूम्सडे' की अवधि करीब 3 घंटे 45 मिनट होने की उम्मीद है। इसमें एंड क्रेडिट्स और पोस्ट-क्रेडिट दृश्य भी शामिल हैं।

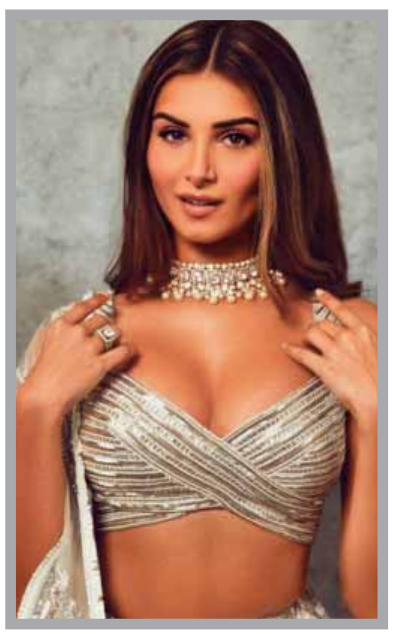

वीर की ब्रेकअप खबरों ने छेड़ी बहस...

मुंबई। साल 2026 का आगाज पूरी तरह से हुआ भी नहीं था कि बॉलीवुड में ब्रेकअप की खबर ने जोर पकड़ लिया है। तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया ने अपने-अपने रास्ते अलग कर लिए हैं, इस अफवाह ने आते ही लोगों का ध्यान खींच लिया। प्रशंसक जानना चाहते हैं कि आखिर इस फैसले के पीछे की वजह क्या है। वहीं कुछ लोग गायक एपी ढिल्लों को जिम्मेदार बता रहे हैं। ब्रेकअप की खबर से सोशल मीडिया पर बहस छिड़ चुकी है। फिल्मफेयर की रिपोर्ट के अनुसार, तारा और वीर का कथित ब्रेकअप हो चुका है। यह खबर मुंबई में एपी के कॉन्सर्ट विवाद के बाद आई है। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने दावा करते हुए लिखा, 'फवाहें बढ़ती गईं। दबाव बढ़ता गया। रिश्ता खत्म हो गया। अब सवाल यह उठता है कि आखिर गलती किसकी थी?'

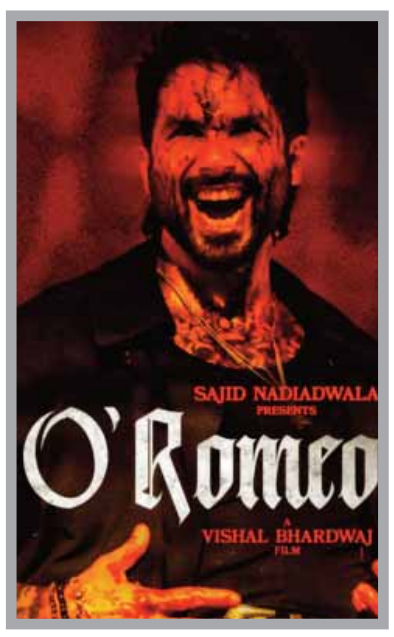

'ओ रोमियो' में ऐसे अवतार में दिखे

मुंबई। शाहिद कपूर की आगामी फिल्म 'ओ रोमियो' लंबे समय से चर्चा में हैं। निर्देशन विशाल भारद्वाज ने ज्यादा इंतजार न करवाते हुए मोशन पोस्टर जारी कर दिया है। साथ में बता दिया है कि वह शाहिद को नए अंदाज में दर्शकों के सामने पेश करने के लिए तैयार हैं। फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ग्रैंडसन के बैनर तले किया गया है। मोशन पोस्टर के साथ 'ओ रोमियो' की रिलीज तारीख और टीजर का खुलासा भी किया गया है। 'ओ रोमियो' के मोशन पोस्टर में शाहिद का खून से लथपथ खतरनाक दिखाई दिया है। जोर से चिल्लाते हुए उनके चेहरे के रहस्यमयी भाव देखने लायक हैं। फिल्म में तृप्ति डिमरी, नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया, विक्रांत मैसी, दिशा पाटनी, फरीदा जलाल और अरुणा ईरानी प्रमुख किरदार में हैं।

टीवी मसाला

'बिग बॉस मराठी 6' में दिखेंगे श्रेयस तलपड़े? खुद बताई सच्चाई

मुंबई। रितेश देशमुख का रियलिटी शो 'बिग बॉस' मराठी अपने छठे सीजन के साथ वापसी कर रहा है। करीब 100 दिन तक चलने वाले इस रियलिटी शो में 16 से ज्यादा प्रतिभागी हिस्सा लेंगे, जिनके नाम जानने के लिए लोग काफी उत्सुक हैं। प्रतिभागियों की aकथित सूची में जैसे ही श्रेयस तलपड़े का नाम शामिल हुआ तो प्रशंसकों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। सोशल मीडिया पर जोर पकड़ रहीं इन चर्चाओं पर श्रेयस की प्रतिक्रिया भी आ गई है।

श्रेयस ने लोगों की उम्मीदों पर फेर दिया पानी

जूम/टेली टॉक इंडिया के साथ बातचीत में श्रेयस ने 'बिग बॉस मराठी' के छठे सीजन में आने की खबरों पर स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने कहा, आजकल ऐसा कम देखने को मिलता है। यह झूठी अफवाहें हैं। प्लीज इन्हें नजरअंदाज करें। दुर्भाग्य से, अभिनेता सबसे आसान निशाना होते हैं और कुछ लोग सुर्खियां बटोरने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। अभिनेता ने स्पष्ट कर दिया है कि फिलहाल वह इस रियलिटी शो का हिस्सा बनने के बिल्कुल मूड में नहीं हैं।

आज से दस्तक देगा 'बिग बॉस मराठी 6'

पिंकविला ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि अभिनेता श्रेयस को 'बिग बॉस मराठी 6' में बतौर प्रतियोगी देखा जाएगा। इस अपडेट से प्रशंसकों की खुशी सांतवें आसमान पर थी, लेकिन श्रेयस का स्पष्टीकरण उनका दिल तोड़ सकता है। 'बिग बॉस मराठी 6' 11 जनवरी से कलर्स मराठी और जियोहॉटस्टार पर हर रात 8 बजे प्रसारित होगा। उधर, श्रेयस के काम की बात करें तो उन्हें फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' और 'द गेम ऑफ गिरगिट' में देखा जाएगा।

प्रभास के दीवाने नकली मगरमच्छ लेकर देखने पहुंचे 'द राजा साब'

मुंबई। दक्षिण सिनेमा के सुपरस्टार प्रभास की फिल्म 'द राजा साब' 9 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। पहले दिन सिनेमाघरों में दर्शकों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। लोग इसे मिली-जुली प्रतिक्रिया दे रहे है। इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है जिसे देखकर लोग भी हैरान हैं। दरअसल, प्रभास के दीवाने प्रशंसक फिल्म रिलीज का जश्न मनाने के लिए नकली मगरमच्छ लेकर सिनेमाघर पहुंचे हैं।

द राजा साब के जैसे पहने कपड़े : वीडियो में प्रशंसकों का उत्साह देखने लायक है जो 'द राजा साब' की थीम से प्रेरित कपड़े पहनकर, हाथ में नकली मगरमच्छ लिए सिनेमाघरों में एंट्री कर रहे हैं और जोर-जोर से नारे लगा रहे हैं। यह फिल्म के ट्रेलर में एक दृश्य की नकल करने के लिए था, जिसमें प्रभास का किरदार मगरमच्छ से लड़ाई करता है। 'द राजा साब' पैन इंडिया हॉरर-कॉमेडी है जिसमें संजय दत्त, मालविका मोहनन, बोमन ईरानी, निधि अग्रवाल, रिद्धि कुमार और जरीना वहाब हैं।

बॉलीवुड और साउथ के सितारों की महाजुगलबंदी ये नई जोड़ियां मिलकर लूटेंगी पूरा बॉक्स ऑफिस

मुंबई। आने वाले समय में बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की सीमाएं धुंधली होती नजर आएंगी। कई बड़ी फिल्मों में दोनों इंडस्ट्री के सितारे पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करते दिखेंगे। जहां यश और कियारा आडवाणी फिल्म 'टॉक्सिक' में साथ आ रहे हैं, वहीं प्रियंका चोपड़ा और साउथ सुपरस्टार महेश बाबू भी 'वाराणसी' के जरिए एक बड़ी जुगलबंदी करने वाले हैं। साउथ और बॉलीवुड का ये महासंगम बॉक्स ऑफिस पर नए रिकॉर्ड्स की कहानी लिख सकता है।

यश-कियारा और प्रियंका-महेश बाबू : साउथ सुपरस्टार यश और बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री कियारा आडवाणी पहली बार फिल्म 'टॉक्सिक' में साथ नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। बॉक्स ऑफिस पर इसकी टक्कर 'धुरंधर 2' से होगी। उधर एसएस राजामौली अपनी नई फिल्म 'वाराणसी' ला रहे हैं, जिसमें साउथ के सुपरस्टार महेश बाबू 'रुद्र' के अवतार में और प्रियंका चोपड़ा 'मंदाकिनी' के किरदार में नजर आएंगी। ये फिल्म 1,300 करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट में बन रही है।

प्रभास-तृप्ति डिमरी और रणबीर कपूर-साई पल्लवी : प्रभास और तृप्ति डिमरी को

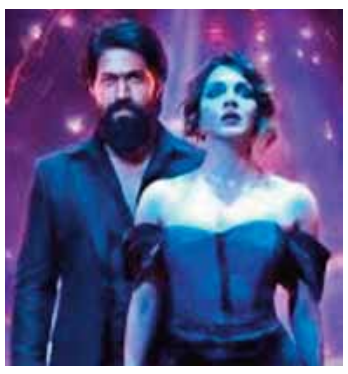

निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा अपनी अगली फिल्म 'स्पिरिट' में साथ ला रहे हैं। फिल्म में तृप्ति, प्रभास से रोमांस करती दिखेंगी। ये उनकी पहली तेलुगू फिल्म होगी। निर्देशक नितेश तिवारी भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े प्रोजेक्ट 'रामायण' को पर्दे पर उतारने के लिए तैयार हैं। इस महाकाव्य फिल्म में रणबीर कपूर 'भगवान राम' की मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, वहीं साउथ की बेहद प्रतिभाशाली अभिनेत्री साई पल्लवी 'माता सीता' के पवित्र किरदार को जीवंत करेंगी।

कार्तिक आर्यन-श्रीलीला और जाह्नवी कपूर-राम चरण : बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता कार्तिक आर्यन अब साउथ की लोकप्रिय अभिनेत्री श्रीलीला के साथ स्क्रीन शेयर करने जा रहे हैं। इस फिल्म से श्रीलीला बॉलीवुड में कदम रख रही हैं। निर्देशक अनुराग बसु की इस फिल्म को एक म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा बताया जा रहा है। उधर साउथ के सुपरस्टार राम चरण और जाह्नवी कपूर 'पेद्दी' नाम की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म के लिए साथ आए हैं। उनकी ये फिल्म 27 मार्च, 2026 को दुनियाभर में रिलीज होगी।

अल्लू अर्जुन-दीपिका पादुकोण : निर्देशक एटली, जिन्होंने 'जवान' से बॉक्स ऑफिस हिला दिया था, अब अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण के साथ एक एक साइंस-फिक्शन एक्शन फिल्म ला रहे हैं। इसके जरिए पहली बार अल्लू और दीपिका की जोड़ी बन रही है। खबर है कि 600 करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट वाली इस फिल्म में अल्लू अर्जुन एक नहीं, बल्कि 3 अलग-अलग किरदारों में नजर आएंगे।

विजेताओं का फैसला फरवरी में लंदन के रॉयल फेस्टिवल हॉल में किया जाएगा

ऑस्कर लिस्ट में 'वन बैटल आफ्टर अनेदर' की मजबूत दावेदारी

मुंबई। *ब्रिटिश एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन आर्ट्स (बेफ्टा) 2026 की पहली 'लॉन्ग लिस्ट' जारी कर दी गई है, जिसने ऑस्कर से पहले पूरे हॉलीवुड में हलचल पैदा कर दी है। दिग्गज अभिनेता लियोनार्डो डिकैप्रियो ने एक बार फिर अपनी बादशाहत साबित कर दी है। उनकी फिल्म 'वन बैटल आफ्टर अनेदर' बेफ्टा की शुरुआती सूची में रिकॉर्ड 16 श्रेणियों में जगह बनाकर सबको पीछे छोड़ दिया है। हालांकि, उनके सामने कई दिग्गज सितारे भी अपनी मजबूत दावेदारी पेश कर रहे हैं।*

पुरस्कार की दौड़ में ये पांच फिल्में शामिल

पॉल थॉमस एंडरसन के निर्देशन में बनी फिल्म 'वन बैटल आफ्टर अनेदर' इस साल दुनिया के प्रतिष्ठित फिल्म पुरस्कारों में से एक बेफ्टा की सबसे बड़ी दावेदार बनकर उभरी है। लियोनार्डो डिकैप्रियो अभिनीत इस फिल्म को रिकॉर्ड 16 श्रेणियों में जगह मिली है, जिसमें सर्वश्रेष्ठ फिल्म से लेकर सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सर्वश्रेष्ठ अभिनेता जैसी प्रमुख श्रेणियां शामिल हैं। इसके अलावा 'हैमनेट' और 'सिनर्स' को 14, 'मार्टी सुप्रीम' को 13 और 'फ्रेंकस्टीन' ने 12 श्रेणियों में नामांकन हासिल किया है।

हॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता आमने-सामने

अभिनय की श्रेणियों में इस बार मुकाबला बेहद कड़ा होने वाला है। लियोनार्डो डिकैप्रियो अपनी फिल्म 'वन बैटल आफ्टर अनेदर' के लिए रेस में सबसे आगे चल रहे हैं। हालांकि, उन्हें कड़ी चुनौती दे रहे हैं टिमथी चालमेट, जिन्हें फिल्म 'मार्टी सुप्रीम' के लिए नामांकित किया गया है। इसके अलावा, माइकल बी जॉर्डन ने अपनी फिल्म 'सिनर्स' और डेनियल कालुआ ने फिल्म 'द अपर रूम' के लिए इस प्रतिष्ठित सूची में अपनी जगह पक्की की है।

निर्देशन की दुनिया के ये 6 बड़े नाम रेस में शामिल

सर्वश्रेष्ठ निर्देशन की श्रेणी में दुनिया के कुछ सबसे बेहतरीन निर्देशकों ने अपनी जगह बनाई है। रेस में सबसे आगे पॉल थॉमस एंडरसन का नाम है, जिन्होंने अपनी फिल्म 'वन बैटल आफ्टर अनेदर' के जरिए निर्देशन की नई परिभाषा लिखी है। उन्हें कड़ी टक्कर दे रही हैं ऑस्कर विजेता क्लो झाओ, जिनकी फिल्म 'हैमनेट' को लॉन्ग लिस्ट में खास तवज्जो मिली है। इस गौरवशाली सूची में रयान कूगलर, मैगी गिलेनहाल, जोश सफदी और योर्गोस लैंथिमोस जैसे नाम भी शामिल हैं।

सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्रियों में इनकी दावेदारी

दूसरी ओर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की श्रेणी में जेसी बकली फिल्म 'हैमनेट' के लिए सबसे प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं। उनके साथ इस मुकाबले को और भी रोमांचक बना रही हैं डायोन ग्रिफिथ, जिन्हें फिल्म 'क्वीनी' के लिए सराहा गया है। इस सूची में रेबेका फालुसन (प्रिंसेस) और मरिना वैक्ट (द मदर) जैसी प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों के नाम भी शामिल हैं, जिन्होंने फिल्मों में अपनी दमदार अदाकारी से दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों को भी अपना मुरीद बना लिया।

14 जनवरी को होगा विजेताओं का ऐलान

बेफ्टा की इस लॉन्ग लिस्ट ने 2026 के पुरस्कार समारोह को बेहद रोमांचक बना दिया है। अब सबकी नजरें 14 जनवरी पर टिकी हैं, जब फाइनल नामांकन की घोषणा होगी। विजेताओं का फैसला फरवरी में लंदन के रॉयल फेस्टिवल हॉल में किया जाएगा।